खण्ड–493, अंक–3
मंगलवार, 26 फाल्गुन, शक संवत् 1936
(17 मार्च, 2015 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2015)

(खण्ड 493 में 9 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2015

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय–सूची

विषय	पृष्ठ–संख्या
उपस्थित सदस्य	1–6
प्रश्नोत्तर	7–25
नियम–301 के अन्तर्गत सूचनाएं	25–27
जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद के कतिपय क्षेत्रों की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	27
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत मानकों के विपरीत बन रही कतिपय सड़कों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	27–28
जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र नकुड़ में बने रेत के टीले को जे0सी0बी0 मशीन से हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	28
विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद में निर्माणाधीन फल मण्डी के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना ...	29
जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मड़िहान में पैक्सफैड द्वारा बनाई जा रही सी0सी0 रोड के निर्माण में की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	29
जनपद बुलन्दशहर में तैनात क्षेत्रीय अधिकारी, उ0 प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	30
जनपद बांदा के विकास खण्ड तिन्दवारी, बड़ोखर, जसपुरा की कतिपय क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	30–31
जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र गंगोह में नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	31
जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र मधुबन के ब्लाक दोहरीघाट की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	31
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के कतिपय जर्जर	32

मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना ... ...

दिनांक 02 जून, 2011 को भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित शासनादेश का अनुपालन जनपद मेरठ में न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना 32–33

विषय	पृष्ठ–संख्या
जनपद फैजाबाद के कतिपय क्षेत्रों में व्याप्त पेयजल संकट का निराकरण कराये जाने हेतु स्थापित हैण्डपम्पों की रि–बोरिंग कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना ...	33
श्री गिरीश हरिदास निवासी गुरगंवा, पो0–भडेरी, जिला शाहजहांपुर को लोकतंत्र सेनानी पेंशन तथा अन्य सुविधायें दिये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	33–34
जनपद बुलन्दशहर के सिकन्द्राबाद तथा गुलावटी में सीवर व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना	34
जनपद मेरठ में मेरठ दक्षिण विधान सभा की कतिपय टूटी सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना...	34–35
औचित्य के प्रश्न की सूचनायें	35
लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या–04–2008 (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया) ...	35
उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2015, (श्री राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना) ...	35
उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की लोक लेखा समिति (2013–2014) का षष्ठ प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	35
उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (2013–2014) का बारहवां प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	35
उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति समिति (2013–2014) का तेरहवां प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया) ...	36
कार्य–स्थगन प्रस्ताव की सूचनायें	36–48
वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक में अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–54 लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान), अनुदान संख्या–55 लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या–56 लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), अनुदान संख्या–57 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु), अनुदान संख्या–58 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़कें) (स्वीकृत)	48–97
वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–18 कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (सहकारिता) (स्वीकृत)	97
वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–9 ऊर्जा विभाग (स्वीकृत) ...	97–98

विषय	पृष्ठ–संख्या
वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–01 आबकारी विभाग (स्वीकृत) ...	98
वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–60 वन विभाग (स्वीकृत) ...	98–99
नियम–51 के अन्तर्गत सूचनाएं	99–100
जनपद देवरिया सहित प्रदेश में सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालयों को मानक के अनुरूप बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश प्रताप सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर समाज कल्याण मंत्री का वक्तव्य	100–101
जनपद सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज क्षेत्र पंचायत को पुनर्गठित करते हुए भवानीगंज को क्षेत्र पंचायत समिति (ब्लाक) सृजित किये जाने के सम्बन्ध में श्री कमाल यूसुफ मलिक द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत) ...	102
जनपद अलीगढ़ की तहसील खैर की ग्राम घरबरा में गाटा संख्या–1/20 के अतिरिक्त में अवैध बालू खनन कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर भू–तत्व एवं खनिकर्म मंत्री का केवल वक्तव्य ...	102–103
जनपद लखीमपुर खीरी के तहसील निघासन अन्तर्गत ग्राम निघासन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जा किये जाने के सम्बन्ध में श्री भीम प्रसाद सोनकर द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर राजस्व मंत्री का केवल वक्तव्य (स्थगित)	103
जनपद हाथरस के श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी की भूमि को श्री गोपाल आदर्श इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम करवाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य	103–105
नत्थी	106–136

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 17 मार्च, 2015 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष, श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य–330

1. अंसार अहमद, श्री इलाहाबाद
2. अखिलेश प्रताप सिंह, श्री देवरिया
3. अगयश राम सरन वर्मा, श्री पीलीभीत
4. अजय कपूर, श्री कानपुर नगर
5. अजय कुमार, डा0 इलाहाबाद
6. अजय कुमार 'लल्लू', श्री कुशीनगर
7. अजीत कुमार, श्री फर्रुखाबाद
8. अजीमुल हक पहलवान अंसारी, हाजी अम्बेडकर नगर
9. अताउररहमान, श्री बरेली
10. अनिल कुमार, श्री मुजफ्फरनगर
11. अनिल कुमार दोहरे, श्री कन्नौज
12. अनिल वर्मा, श्री उन्नाव
13. अनीसुर्ररहमान, श्री मुरादाबाद
14. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री इलाहाबाद
15. अनूप कुमार गुप्ता, श्री सीतापुर
16. अनूप सण्डा, श्री सुल्तानपुर
17. अबरार अहमद, श्री सुल्तानपुर
18. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री बलरामपुर
19. अभय नरायन सिंह पटेल, श्रीआजमगढ़
20. अभय सिंह, श्री फैजाबाद
21. अभिषेक मिश्र, श्री लखनऊ
22. अमर पाल शर्मा, श्री गाजियाबाद
23. अमित गौरव यादव, श्री एटा
24. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्रीबाराबंकी
25. अराधना मिश्र 'मोना', श्रीमती प्रतापगढ़
26. अरूण कुमार, डा0 बरेली
27. अरूण वर्मा, श्री सुल्तानपुर
28. अलगू प्रसाद चौहान, श्रीसन्तकबीर नगर
29. अली यूसूफ अली, श्री रामपुर
30. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री गोण्डा
31. अवधेश प्रसाद, श्री फैजाबाद
32. अवस्थी बाला प्रसाद, श्रीलखीमपुर खीरी
33. अविनाश कुशवाहा, श्री सोनभद्र
34. अशफाक अली खां, श्री अमरोहा
35. आबिद रजा खां, श्री बदायूं
36. आरिफ अनवर हाशमी, श्री बलरामपुर
37. आलमबदी, श्री आजमगढ़
38. आलोक कुमार शाक्य, श्री मैनपुरी
39. आशा किशोर, श्रीमती अमेठी
40. आशीष कुमार यादव, श्री एटा
41. आशीष यादव, श्री बदायूं
42. आशुतोष टण्डन (गोपाल जी), श्रीलखनऊ
43. इकबाल, श्री बिजनौर
44. इकबाल महमूद, श्री संभल
45. इन्दल कुमार, श्री लखनऊ
46. इन्द्रजीत कोरी, श्री कानपुर नगर
47. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
48. इन्द्रपाल सिंह, श्री कानपुर देहात
49. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
50. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
51. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री लखीमपुर खीरी
52. उदयराज, श्री उन्नाव
53. उदय लाल मौर्या, श्री वाराणसी
54. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया

55. उमाकान्ती, श्रीमती जालौन
56. उमेश पाण्डेय, श्री मऊ
57. ओमकार सिंह, श्री बदायूं
58. ओम कुमार, श्री बिजनौर
59. ओम प्रकाश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
60. काली चरन सुमन, श्री आगरा
61. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
62. कृष्ण कुमार ओझा, श्री बहराइच
63. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
64. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
65. कैलाश, श्री गाजीपुर
66. कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
67. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
68. गंगा सिंह कुशवाहा, श्री कुशीनगर
69. गजराज सिंह, श्री हापुड़
70. गजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
71. गयाचरण दिनकर, श्री बांदा
72. गयादीन अनुरागी, श्री हमीरपुर
73. गायत्री प्रसाद, श्री अमेठी
74. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
75. गुटियारी लाल दुवेश, श्री आगरा
76. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
77. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
78. गोमती यादव, श्री लखनऊ
79. गोरख पासवान, श्री बलिया
80. चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री चित्रकूट
81. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
82. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
83. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
84. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
85. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
86. जगपाल, श्री सहारनपुर
87. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
88. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
89. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
90. जमीर उल्ला खां, श्री अलीगढ़
91. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
92. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
93. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
94. जाकिर अली, श्री गाजियाबाद
95. जाहीद बेग, श्री सन्तरविदास नगर (भदोही)
96. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
97. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
98. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
99. तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री फैजाबाद
100. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
101. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
102. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन
103. दलजीत सिंह, श्री बांदा
104. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
105. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
106. दीपक पटेल, श्री इलाहाबाद
107. दीपनारायण सिंह (दीपक यादव), श्री झांसी
108. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
109. देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह, श्री महराजगंज
110. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
111. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
112. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
113. धर्मराज, श्री बाराबंकी
114. धर्मसिंह सैनी, डा0 सहारनपुर
115. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
116. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कासगंज
117. नदीम जावेद, श्री जौनपुर
118. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा

119. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
120. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्रीप्रतापगढ़
121. नारद राय, श्री बलिया
122. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
123. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्रीशाहजहांपुर
124. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
125. परवेज अहमद (टंकी), हाजीइलाहाबाद
126. पारस नाथ यादव, श्री जौनपुर
127. पिंकी सिंह, श्रीमती संभल
128. पीटर फैन्थम, श्री नाम–निर्देशित
129. पीतमराम, श्री पीलीभीत
130. पूजा पाल, श्रीमती इलाहाबाद
131. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
132. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
133. प्रदीप चौधरी, श्री सहारनपुर
134. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
135. प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
136. प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री औरैया
137. प्रशान्त कुमार सिंह (राहुल सिंह), श्री इलाहाबाद
138. प्रेम प्रकाश सिंह, श्री देवरिया
139. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
140. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
141. फसीहा मंजर ''गजाला लारी'', श्रीमती देवरिया
142. बंशीधर बौद्ध, श्री बहराइच
143. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
144. बब्बन सिंह चौहान, श्री चन्दौली
145. बाबू खां, श्री हरदोई
146. बाबूलाल, श्री गोण्डा
147. बावन सिंह, श्री गोण्डा
148. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमतीबुलन्दशहर
149. बृज लाल सोनकर, श्री आजमगढ़
150. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
151. बृजेश कुमार, श्री हरदोई
152. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
153. बैजनाथ, श्री मऊ
154. ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
155. भगवत सरन गंगवार, श्री बरेली
156. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
157. भाई लाल कोल, श्री मिर्जापुर
158. भीम प्रसाद सोनकर, श्रीअम्बेडकरनगर
159. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
160. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
161. मधुबाला, श्रीमती सन्त रविदास नगर (भदोही)
162. मनबोध, श्री देवरिया
163. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
164. मनोज कुमार, श्री चन्दौली
165. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
166. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
167. महबूब अली, श्री अमरोहा
168. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
169. महावीर सिंह राणा, श्री सहारनपुर
170. महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
171. महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
172. महेन्द्र सिंह पटेल, श्री वाराणसी
173. माइकल चन्द्रा, श्री अमरोहा
174. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
175. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
176. मानपाल सिंह, श्री कासगंज
177. मित्रसेन यादव, श्री फैजाबाद
178. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
179. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
180. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानुपर नगर
181. मुसर्रत अली बिट्टन, श्री बदायूं
182. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावास्ती
183. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
184. मो0 अयूब, डा0 सन्तकबीर नगर

185. मो0 आसिफ जाफरी, सी0ए0कौशाम्बी
186. मो0 मुस्लिम, श्री अमेठी
187. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
188. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
189. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
190. मौ0 अलीम खां, श्री बुलन्दशहर
191. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद
192. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
193. यासर शाह, श्री बहराइच
194. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
195. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री कानपुर देहात
196. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
197. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्रीकानपुर नगर
198. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
199. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
200. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
201. रणजीत सुमन, श्री एटा
202. रमेश चन्द बिन्द, डा0 मिर्जापुर
203. रमेश चन्द्र दुबे, श्री सोनभद्र
204. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
205. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
206. राकेश कुमार वर्मा उर्फ डा0 आर0 के0 वर्मा, श्री प्रतापगढ़
207. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
208. राकेश बाबू, श्री फिरोजाबाद
209. राजकिशोर सिंह, श्री बस्ती
210. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्रीमैनपुरी
211. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
212. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
213. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
214. राजिव, श्री सहारनपुर
215. राजीव कुमार सिंह, श्री बाराबंकी
216. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
217. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
218. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
219. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
220. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0गोरखपुर
221. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
222. राधे श्याम, श्री अमेठी
223. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
224. राम करन आर्य, श्री बस्ती
225. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री संभल
226. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
227. राम गोविन्द, श्री बलिया
228. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
229. रामचन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
230. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
231. रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर
232. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
233. राम मगन, श्री बाराबंकी
234. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
235. राममूर्ती सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
236. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
237. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
238. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
239. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
240. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
241. रामस्वरूप सिंह, श्री कानपुर देहात
242. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
243. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
244. रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
245. रुचिवीरा, श्रीमती बिजनौर
246. रूबी प्रसाद, श्रीमती सोनभद्र
247. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
248. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
249. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती संभल
250. ललितेश पति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर

251. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
252. लोकेश दीक्षित, श्री बागपत
253. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
254. वहाब चौधरी, श्री गाजियाबाद
255. वाचस्पति, श्री कौशाम्बी
256. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
257. विजय कुमार पासवान, श्रीसिद्धार्थनगर
258. विजय मिश्र, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
259. विजय कुमार दूबे, श्री कुशीनगर
260. विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
261. विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
262. विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
263. विजय सिंह, श्री रामपुर
264. विजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह, श्रीफर्रुखाबाद
265. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
266. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
267. विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
268. विमला बाथम, श्रीमती गौतमबुद्धनगर
269. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
270. वीर सिंह, श्री चित्रकूट
271. वीरेश यादव, श्री अलीगढ़
272. वेदराम भाटी, श्री गौतमबुद्ध नगर
273. शंखलाल मांझी, श्री अम्बेडकरनगर
274. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
275. शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
276. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
277. शाकिर अली, श्री देवरिया
278. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
279. शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
280. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
281. शिव कुमार बेरिया, श्रीकानपुर देहात
282. शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
283. शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
284. शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
285. शिवाकान्त ओझा, प्रो0 प्रतापगढ़
286. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
287. शेर बहादुर, श्री अम्बेडकरनगर
288. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
289. श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्रीवाराणसी
290. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
291. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्रीआजमगढ़
292. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
293. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
294. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
295. संजय प्रताप जयसवाल, श्री बस्ती
296. सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर
297. सतवीर सिंह गुर्जर, श्रीगौतमबुद्ध नगर
298. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
299. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
300. सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
301. सत्यवीर मुन्ना, श्री इलाहाबाद
302. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
303. सन्तराम कुशवाहा, श्री जालौन
304. सलिल विश्नोई, श्री कानपुर नगर
305. सिनोद कुमार शाक्य (दीपू), श्रीबदायूं
306. सिबगतुल्ला अंसारी, श्री गाजीपुर
307. सियाराम सागर, डा0 बरेली
308. सीमा, श्रीमती जौनपुर
309. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री फतेहपुर
310. सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
311. सुदामा प्रसाद, श्री महराजगंज
312. सुदेश शर्मा, श्री गाजियाबाद

313. सुधीर कुमार, श्री उन्नाव
314. सुनील कुमार लाला, श्रीलखीमपुर खीरी
315. सुब्बा राम, श्री गाजीपुर
316. सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
317. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली
318. सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री वाराणसी
319. सुरेश राणा, श्री शामली
320. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
321. सुरेश बंसल, श्री गाजियाबाद
322. सुल्तान बेग, श्री बरेली
323. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
324. सूरज पाल सिंह, श्री आगरा
325. सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमतीगाजीपुर
326. सोबरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
327. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
328. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री लखीमपुर खीरी
329. हरिओउम् यादव, श्री फिरोजाबाद
330. हेमराज वर्मा, श्री पीलीभीत

नोट :–मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव), पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री (श्री अहमद हसन), कारागार मंत्री (श्री बलराम यादव) तथा राजनैतिक पेंशन मंत्री (श्री राजेन्द्र चौधरी) भी सदन में उपस्थित थे।

ख11.00, प्रश्नोत्तर

तारांकित प्रश्न

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्सेनिक युक्त पानी पीने के कारण फैल रही गम्भीर बीमारियों की रोकथाम हेतु सरकार के उपाय

'01–श्री लोकेन्द्र सिंह–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्सेनिक युक्त पानी पीने के कारण जनता अनेक प्रकार के गम्भीर रोगों का शिकार हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी रोकथाम कर स्वच्छ पेयजलापूर्ति कराये जाने की कोई प्रभावी कार्य योजना तैयार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ?

ग्राम्य विकास मंत्री (श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप')–

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री लोकेन्द्र सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, सरकार के द्वारा जवाब आया कि प्रश्न नहीं उठता, प्रश्न नहीं उठता। मान्यवर, आर्सेनिक पानी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अंदर जिसमें मुरादाबाद, बिजनौर जिला मुख्य रूप से प्रभावित है कि यह जो बाढ़ का पानी आता है तो नदी के कारण और गंगा जी के कारण यह आर्सेनिक पानी बन जाता है। इससे वहां त्वचा की बीमारी, हृदय की बीमारी, पेट की बीमारी, लीवर की बीमारी वहां बड़ी मात्रा में कैंसर पीड़ित हैं और यह बीमारी आर्सेनिकयुक्त पानी के कारण होती है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में फतेहाबाद एक गांव है और दरियापुर, रामनगली, मदारीपुर और झीरन और विजय नगला। इसमें मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि प्रश्न लगने के बाद क्या मा0 मंत्री जी ने इसकी कोई जांच करायी और अगर जांच करायी तो किस तारीख को, किसी अधिकारी से किस लैब में करायी ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'–

माननीय अध्यक्ष जी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बरेली में 17 बस्तियां प्रभावित पायी गयी थीं। उसमें पहले से आर0ओ0 लगा है उसमें शुद्ध किया जा रहा है। जहां तक मा0 सदस्य ने दो गांवों का नाम दिया है वह दो गांव दिखवा लेंगे उसमें कार्रवाई कर देंगे।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है।

श्री लोकेन्द्र सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, फतेहाबाद में श्री राम सिंह पुत्र श्री भरत सिंह, श्री गजराज सिंह पुत्र श्री बलजीत सिंह की जो कैंसर से मौत हुयी तो यह बताया गया कि आर्सेनिक पानी के कारण यह मौत हुयी है। इसमें टीम भी वहां जांच के लिए गयी और टीम ने

जब पानी की जांच की तो गांव के अंदर जितने भी नल लगे थे तो उसमें से एक नल तो ठीक पाया गया वरना सारे नलों का पानी दूषित पाया गया और एक साल से भी अधिक हो गया अभी तक उन नलों को न तो रि–बोर कराया गया। तो मैं मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो इंडिया मार्का नल हैं इनकी गहराई का मानक क्या है और जो बिजनौर जिले में इंडिया मार्का पम्प 80 फुट पर गाड़े जा रहे हैं और जो नल लगने के छः माह और एक माह के अन्दर खराब हो गये तो मा0 मंत्री जी उन अधिकारियों के खिलाफ और उन ठेकेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे।

श्री अध्यक्ष–

आप लिखकर दे दीजिए कि यह–यह खराब हुये हैं। वह दिखवा लेंगे।

श्री मुकुट बिहारी वर्मा–

माननीय अध्यक्ष जी, बहराइच जनपद में तीन विकास खण्ड कजवापुर, इपोरा और रसिया आर्सेनिक से ग्रस्त हैं।

श्री अध्यक्ष–

यह सवाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश का है। बहराइच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नहीं आता है।

श्री मुकुट बिहारी वर्मा–

मान्यवर, इन तीनों ब्लाक में आर्सेनिक से बचने के लिए 46 हैण्डपम्प लगाये गये और वह सब 46 हैण्डपम्प इस समय खराब हैं। आर्सेनिक के बचाव के लिए जो हैण्डपम्प लगाया गया है वह काम नहीं कर रहा है। क्या इन तीनों ब्लाक में लगाये गये हैण्डपम्प जो खराब हैं सरकार इनकी जांच करायेगी।

श्री अध्यक्ष–

वह अलग बात है। यह सवाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश से संबंधित है।

श्री सुरेश बंसल–

माननीय अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा क्षेत्र, बहरामपुर में जमीन से पीला पानी निकलता है और उसके पीने से कैंसर फैल गया है और कई मृत्यु हो चुकी हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इसकी जांच करायेंगे ? क्या वहां शुद्ध पानी की कोई व्यवस्था करवायेंगे ?

श्री अध्यक्ष–

देखिये इस पर अभी बजट आयेगा, बजट में इन सारी बातों पर चर्चा होगी आप उसमें विस्तार से चर्चा करियेगा। यह प्रश्न कुछ सीमित जगहों के लिए है, इसलिए आपके बारे में वह कैसे कुछ कह सकते हैं। माननीय राधा मोहन दास अग्रवाल जी आप बोलें। डाक्टर साहब बंशी सिंह पहाड़िया जी को पूछ लेने दीजिये यह बड़ा लोकतंत्र का मामला बताते हैं।

श्री बंशी सिंह पहाड़िया–

अध्यक्ष जी, बात पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नहीं है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू करता हूं। मैं यह जानना चाहूंगा कि सरकार जो भारत मार्का जो नल लगा रही है इसके लगाने के पहले और लगाने के बाद क्या शुद्ध जल निकलेगा ? इसकी कोई व्यवस्था है कि केवल नल ठोक आये और चले आये, मैं भी खुश हो गया कि नल लग गया। वहां पहले से ही प्रदूषित पानी था और जहां नल लगाया गया है वह प्रदूषित पानी न दे इसकी कोई सरकार पहले से जांच करेगी ? क्या इण्डिया मार्का हैण्डपम्प लगाने के पहले या बाद में पानी पीने योग्य होगा या नहीं ? क्या इसकी सरकार गारण्टी देगी ?

श्री अध्यक्ष–

पहले तो कोई जांच नहीं करायी जाती है, माननीय मंत्री जी क्या कोई प्रक्रिया है कि बाद में जब पानी निकलता है, वह ठीक है कि नहीं ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'–

माननीय अध्यक्ष जी, यह प्रश्न जरूर पश्चिम उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित था लेकिन पूरे प्रदेश की जानकारी मेरे पास है और मैं दे सकता हूं। प्रदेश में 51 जनपदों मे परीक्षण परिणाम 08 जनपदों में कुल 1219 आर्सेनिक बस्तियां चिन्हित हुई जिसमें बलिया में 310, लखीमपुर में 165, बहराइच में 523, गोरखपुर में 60, चन्दौली में 19, गाजीपुर में 24, गोण्डा में 101, बरेली में 17 बस्तियां हैं। जहां तक पहाड़िया जी ने कहा कि आर0ओ0 लगाने पर शुद्ध जल मिलेगा कि नहीं, यह सरकार की जिम्मेदारी है सरकार अपनी जिम्मेदारी पूरा कर रही है। हर एक व्यक्ति को शुद्ध जल दे रहे है और देंगे लेकिन माननीय अध्यक्ष जी अगर इतना गम्भीर प्रश्न पहाड़िया जी बता रहे हैं तो यह पहाड़िया जी की नैतिक जिम्मेदारी है कि गांव में इण्डिया मार्का लगे, आर0ओ0 लगे। यह भी उसको चेक करें, जो ठेकेदार लगे उससे कह दें कि तुम सही लगाओ।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

मैं आपका आभारी हूं कि आपके संज्ञान में यह विषय आया कि यह मूलतः पूरब का प्रश्न है। आपको स्मरण होगा अध्यक्ष जी 2005 में हम लोगों ने इसी सदन में आर्सेनिक प्वाइजनिंग को लेकर बड़ी लम्बी–चौड़ी बहस की। उस समय यह लोग सत्ता में थे फिर बसपा की सरकार आयी तब भी बहस हुई। उस समय अगर आवश्यक कार्यवाही की गयी होती तो आज यह प्रश्न ही नहीं उठता। उस समय हम लोग पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया, गाजीपुर, मिर्जापुर, गोरखपुर आस–पास के जिलों की समस्या लेकर आये थे और सरकार यह लड़ रही थी कि यह ग्राम विकास का मामला है या जल संसाधन का मामला है, किसका मामला है। आज की स्थिति यह है कि कम से कम 20 ऐसे जिले हैं जिनमें आर्सेनिक का जहर बहुत अधिक बढ़ चुका है और यह वैज्ञानिक अध्ययन है। चूंकि माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि पश्चिम का कोई जिला इसमें नहीं है मैं इन 20 जिलों का नाम आपके संज्ञान में दे दूं जहां नार्मल मात्रा .01 ग्राम परसेन्ट होती है और जहां .05 परसेन्ट पाया गया। यह जिले हैं, बलिया, लखीमपुर खीरी, बहराइच जिनका नाम इन्होनें लिया, गाजीपुर, गोरखुपर, बरेली, सिद्धार्थ नगर, बस्ती,

चन्दौली, उन्नाव, मुरादाबाद, सन्त कबीर नगर, सन्त रविदास नगर। अध्यक्ष महोदय, मुरादाबाद और बरेली पश्चिम के ही जिले हैं। कम से कम उत्तर प्रदेश सरकार ने 3 अध्ययन करायें हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने पहला अध्ययन जादवपुर यूनिवर्सिटी के साथ कराया था। उसकी रिपोर्ट में यह सारी बातें तथ्यात्मक आधार पर साबित हुई थी। उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने यूनीसेफ के साथ मिलकर 2 प्रोजेक्ट चलाये। दोनों प्रोजेक्ट की रिपोर्ट साफ–साफ कहती हैं कि आर्सेनिक की प्राब्लम पूरे उत्तर प्रदेश में फैल चुकी है। भारत सरकार ने टीम भेजी जिसमें उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने साथ में जाकर जांच की और जांच की सारी रिपोर्ट हमारे पास हैं, यह रिपोर्ट चीख–चीख कर इस बात को कह रहे हैं कि आर्सेनिक की प्राब्लम पूरे उत्तर प्रदेश में एक महामारी के रूप में फैल रही है। अगर समय रहते हम लोगों ने उस समय कार्यवाही की होती तो आज यह स्थिति नहीं आती, चूंकि मा0 मंत्री जी यह कह रहे हैं कि नहीं पश्चिम में कुछ नहीं है और मैं तथ्यात्मक आधार पर कह रहा हूं, मेरे सामने भी सच है। मैं आपको अनुसंधानों से कोड कर सकता हूं अहमद साहब के शाह साहब के, यह कहते हैं कि पश्चिम में कोई बीमारी नहीं है, जबकि रिपोर्ट यह कहती है कि 19.8 प्रतिशत एडल्ट्स और 5.7 प्रतिशत बच्चे एक अध्ययन में हैं। इसमें सब बच्चों में चमड़ी की बीमारी, कैंसर की बीमारी, पेट की बीमारी, लीवर की बीमारी यह सब कुछ पाई गई, इसलिए सरकार को इस तथ्य से इंकार नहीं करना चाहिए। मैंने स्वयं मा0 मंत्री जी के साथ बैठक की थी, जब इन्सेफ्लाइटिस का मुद्दा उठा था। मा0 अध्यक्ष जी, पूर्वान्चल से इन्सेफ्लाइटिस इसलिए नहीं जा रही, क्योंकि आर्सेनिक प्वाइजनिंग से हम जूझ रहे हैं। मैं इस बात को बार–बार कहता रहा हूं कि अगर हमें इन्सेफ्लाइटिस पर नियंत्रण करना है, तो आर्सेनिक के लेविल को घटाना पड़ेगा, क्योंकि आर्सेनिक शरीर में बीमारी से लड़ने की क्षमता को समाप्त कर देता है और इसीलिए मैंने मा0 मंत्री जी से कहा था कि वहां जो जलापूर्ति होती है, उस जलापूर्ति में आर्सेनिक रिमूवल प्लाण्ट लगाये जांय, जो नहीं लगे हैं, इसलिए मैं मा0 मंत्री जी से जानना चाहूंगा इस प्रश्न के माध्यम से, ठीक है यह पश्चिम से सम्बन्धित प्रश्न है, लेकिन यह प्रदेश की अदालत है और अब तो मा0 अध्यक्ष जी ने ऊपर से निर्देश दिया है पूर्वी उत्तर प्रदेश के बारे में प्रश्न उठाने का, इसलिए क्या आप इन सारी रिर्पोटों को संज्ञान में लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के स्तर पर एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बैठायेंगे, जिसमें एक बार हम पुनः वास्तविक स्थिति से परिचित हो सकें। मा0 अध्यक्ष जी, बंगाल में यही काम हुआ, आज बंगाल में यह बीमारी करीब–करीब नियंत्रित कर ली गई है। तो क्या मा0 मंत्री जी एक डिटेल अध्ययन करायेंगे और उसके निष्कर्ष के आधार पर यह तय किया जायेगा कि जिन जिलों में वस्तुतः आर्सेनिक प्वाइजनिंग मोर दैन 50 माइक्रो ग्राम प्रति लीटर है, वहां पर आर्सेनिक रिमूवल की सारी योजनाएं लागू की जायेंगी।

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'–

मा0 अध्यक्ष जी, हमने पहले ही कहा कि पश्चिम से जुड़ा प्रश्न जरूर है, लेकिन पूरे उत्तर प्रदेश की जानकारी दी, जहां तक डा0 साहब ने प्रश्न उठाया, यह गम्भीर

मामला है, जनहित से जुड़ा मामला है, हमने पहले ही कहा इससे पूरी तरह से निजात पाने के लिए हमने पिछले सत्र में भी कहा था कि 2022 तक 90 प्रतिशत जनता को वाटर पाइप लाइन टोटी से पानी देने का प्रयास कर रहे हैं, उसके बाद यह अपने आप समाप्त हो जायेगा।

श्री दलवीर सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूं और बताना भी चाहता हूं, अलीगढ़ जनपद के जमुना नदी का ब्लाक चप्पन, काली नदी का ब्लाक खैर और करवन नदी का जवां, खैर, चन्नौ से चप्पन तीनों ब्लाक इससे प्रभावित हैं, यह भारत सरकार के सर्वे में भी आ गया है। मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूं क्या इन तीनों ब्लाकों में जवां, काली नदी, करवन नदी और यमुना नदी के मध्य होने के कारण पूरी तरह से इससे प्रभावित हैं, इनमें शुद्ध पेयजल व्यवस्था की कोई व्यवस्था सरकार करेगी।

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'–

मा0 अध्यक्ष जी, हमने पहले ही कहा हाऊस के अन्दर कि सरकार का बिल्कुल निश्चित मत है कि हर व्यक्ति को शुद्ध जल उपलब्ध करायेगी और बहुत वरिष्ठ सदस्य ने पूछा है, इनसे तीनों जगहों के नाम हम ले लेंगे, उसका परीक्षण करायेंगे और उस पर कार्यवाही भी करेंगे।

श्री सतीश महाना–

मा0 अध्यक्ष जी, आपने कृपा पूर्वक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ ही यह निर्देश दे दिये कि पूर्वी उत्तर प्रदेश को भी सुन लिया जाय, आपका निर्देश है, हम सब सुनेंगे, लेकिन हम सब सेण्ट्रल वाले हैं और मान्यवर एक कोई ब्रेड होती है जिसमें इधर भी ब्रेड होती है, उधर भी ब्रेड होती है, मक्खन और जैम बीच में ही होता है।

श्री अध्यक्ष–

तो आप मक्खन हैं ?

श्री सतीश महाना–

समझ लें, मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं, यह कह रहे हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश की जानकारी है, कानपुर महानगर के ग्रामीण क्षेत्र में जिसमें मोतीपुर, सुखनीपुर, अलौलापुर, मदारपुर ये सारे के सारे गांव है, सबका नाम लेना कठिन हो जायेगा, वहां पर मान्यवर, क्योंकि गांव, शहर से दूर हटकर एक सीवेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट लगा है और सीवेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट जो हमारे यहां स्लज होता है, जो टेनरीज वेस्ट होता है, उसको मान्यवर सुखाने का एक सिस्टम होता है कि वह नीचे बेक लगाते हैं, बेक का मतलब वहां पर ईंटे का वह बनायेंगे जिसके ऊपर वह सूखे, लेकिन वह बेक न लगाकर कच्ची मिट्टी के ऊपर, कच्चे बेक के ऊपर उसको सुखाने का कार्य करते हैं, जिससे कि क्रोमियम का सारा रस नीचे चला जाता है जिसके

कारण वह सारा क्षेत्र प्रदूषित जल के कारण प्रभावित है। वहां पर बहुत बड़े क्षेत्र में प्रदूषित जल से सम्बन्धित बीमारियां होती हैं, जो प्रदूषित जल के पीने से होती हैं और वे वहां हैं। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से एक विनम्र निवेदन करते हुए यह पूछना चाहता हूं कि जैसे इन्होंने कहा कि मेरे पास पूरे उत्तर प्रदेश की जानकारी है। अगर यह जानकारी है तो उसके ऊपर क्या कर रहे हैं या अगर जानकारी नहीं है तो क्या उसकी जानकारी लेकर इसको ठीक कराने का प्रयास करेंगे ?

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष–

आज कई बजट हैं। जब पी0डब्ल्यू0डी0 आदि का बजट आयेगा, जल निगम, ग्राम्य विकास का बजट आयेगा तो उस पर पूरी चर्चा कर लीजियेगा।

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'–

मा0 अध्यक्ष जी, इस विषय की गम्भीरता को लेते हुये हमने पूरे प्रदेश को 6 जोन में बांटा है। सभी जल स्रोतों का सर्वेक्षण और जल की जांच कराई जा रही है। इसमें से 01 जोन का कार्य पूरा हो गया है, दूसरे जोन पर कार्यवाही की जा रही है तथा शेष 4 जोन पर जल्दी ही काम पूरा हो जायेगा। ऐसे ही हम सर्वेक्षण के बाद सभी जनपद, बस्तियां जहां–जहां बच गये हैं, हम शुद्ध जल देंगे।

श्री पूरन प्रकाश–

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे यहां गोकुल बैराज से जो पानी की सप्लाई होती है।

श्री अध्यक्ष–

मा0 पूरन प्रकाश जी, आप बैठिये। अब कुछ नहीं होगा, मा0 मंत्री जी अगला प्रश्न लीजिये।

परिषदीय विद्यालयों में कक्षा–1 से 8 तक की शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने की सरकार की नीति

'02–श्री सुरेश कुमार खन्ना–

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बेसिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों में कक्षा–8 तक की शिक्षा की गुणवत्ता अप टू द मार्क नहीं है ? यदि हां, तो क्या इसकी गुणवत्ता सुधारने के लिये क्या सरकार कोई परिवर्तन यथा–शैक्षिक सत्र में परिवर्तन, शिक्षा के घण्टों में परिवर्तन या परीक्षा प्रणाली में परिवर्तन करने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ?

बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)–

परिषदीय विद्यालयों में कक्षा–1 से 8 तक की शिक्षा की गुणवत्ता पूर्व से बेहतर करने के सतत् रूप से प्रयास किये जा रहे हैं।

जी हां।

01 जुलाई से 30 जून तक के शैक्षिक–सत्र को परिवर्तित करते हुए आगामी शैक्षिक–सत्र, 2015–16 से दिनांक 01 अप्रैल से 31 मार्च कर दिया गया है। विद्यालयों का समय पूर्वाह्न 09.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे तक कर दिया गया है तथा शैक्षिक–सत्र 2015–16 हेतु कक्षा–01 से 08 तक की शिक्षा के स्तर का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से कक्षा–01 से 08 तक की परीक्षायें कराये जाने के सम्बन्ध में सचिव, बेसिक शिक्षा परिषद्, उ0 प्र0, इलाहाबाद के पत्र दिनांक 20–2–2015 द्वारा समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0 प्र0 को निर्देश दे दिये गये हैं।

उक्तवत्।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो शिक्षा प्रणाली है, जो बेसिक शिक्षा पद्धति है उसमें आपने बताया कि सुधार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि नम्बर–1, परीक्षा प्रणाली में किस प्रकार के सुधार की व्यवस्था है ? नम्बर–2, ये जो मिड–डे–मील की व्यवस्था है तो क्या यह प्रधानाचार्य से वापस ली जायेगी ? नम्बर–3, क्या शिक्षकों की उपस्थिति निश्चित करने के लिये बायोमीट्रिक डिवाइस लगाने की व्यवस्था करेंगे ? मान्यवर, ये मेरे तीन छोटे–छोटे सवाल हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य ने जो जानकारी चाही है तो कल हमारे विभाग का बजट पेश हुआ था और इसके लिये डीटेल में चर्चा हुई है। मा0 सदस्य भी थे, कुछ बोले भी, मैं बैठ गया और मैंने इनको बोलने का मौका दिया। मान्यवर, हम लोग लगातार प्रयत्नशील हैं कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो। इसीलिये हमने भर्तियों का क्रम जारी रखा और अध्यक्ष जी, आपको आश्चर्य होगा कि हम जानते हैं कि बहुत दिन से जो सरकारें काम कर रही थीं। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने 3 साल के अन्दर मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देश में रिकार्ड भर्ती की है और जो इन्होंने मिड डे मील से प्रधानाध्यापकों को हटाने के लिये पूछा तो मिड–डे–मील बच्चों को पौष्टिक आहार देने का एक बहुत बढ़िया साधन है और इसमें सर्वेक्षण कराया गया है, जिसके सम्बन्ध में एक बार क्वश्चन किया था डा0 साहब राधामोहन दास अग्रवाल जी ने, कुपोषण वाले मामले पर। मिड–डे–मील से कुपोषण में बहुत गिरावट आई है। प्रधानाध्यापक के बारे में आप कल भी बोले थे, कि वह सब्जी साइकिल पर लादे हुए दौड़ रहे हैं। बहुत इसमें टाइम नहीं लगता है। मैं पूछता हूं कौन अध्यापक, कौन विधायक, विधायक तो लेते नहीं हैं लेकिन कौन सा घर का अभिभावक सब्जी अपने घर के लिए नहीं खरीदता, जो अध्यापक सब्जी अपने घर के लिए खरीद सकता है श्रीमन्, तो बच्चों को खिलाने के लिए सब्जी उसे खरीदने में कोई बहाने नहीं बनाने चाहिए। क्योंकि सब्जी खरीदता है, स्कूल खुलने से पहले, स्कूल जब खुलता है तो वहां पर पढ़ाता है और जिम्मेदारी कोई इसलिए नहीं

है, क्योंकि केवल खाने का चखने की व्यवस्था है, बनाने के लिए रसोइया की व्यवस्था है। बनायेगी रसोईया, परोसेगी रसोइया। बिहार में एक जो हादसा हो गया था उसके कारण हम लोगों ने एक व्यवस्था बनाई है कि जब खाना बन जाए तो खाना ठीक है कि नहीं है, उसके चेक करने के लिए या तो अभिभावक, या तो अध्यापक या तो रसोइया में से कोई खाना चख ले और उसके पन्द्रह मिनट के बाद लड़कों को भोजन परोसा जाए। अगर एक अलग से व्यवस्था किया जाय तो इतना बड़ा इसमें खर्च आएगा जो आप कह रहे हैं अलग से सब्जी खरीदने एवं अन्य चीजों के लिए अलग से व्यवस्था, तो बहुत बड़ा प्रदेश है, इसमें बहुत बड़ा खर्च आएगा। यूं भी इस विभाग का जितना बड़ा बजट है आपने देखा कल, बहुत कम विभागों का उतना बजट है। अगर विभागीय बजट की व्यवस्था पूरी हो जाएगी तो उसमें भी श्रीमन् माननीय अध्यक्ष जी, 5000 करोड़ केन्द्रीय सरकार के बजट में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के बजट का कम कर दिया तो अगर हमको इस तरह की सुविधायें मिलेंगी केन्द्र सरकार से तो उस पर विचार किया जा सकता है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, जो सवाल का उत्तर आया है उसमें मेरे सवालों का उत्तर नहीं आया है, मैंने तीन छोटे–छोटे सवाल किये थे।

श्री राम गोविन्द चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, हम उत्तर दे दें अभी उत्तर पूरा नहीं हो पाया है। माननीय अध्यक्ष जी, एक सवाल इनका और था माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी विधान मण्डल दल के नेता का जो परीक्षा से सम्बन्धित था। सारा सदन जानता है कि नई शिक्षा नीति जब बनी केन्द्र में तो उसमें कक्षा–1 से आठ तक की परीक्षा को समाप्त कर दिया गया और यह भी व्यवस्था की गई थी कि किसी भी लड़के को अगली कक्षा में जाने से रोका नहीं जायेगा। मैंने केन्द्रीय सलाहकार समिति के बोर्ड में भी इस बात को उठाया कि यह शिक्षा को चौपट करने वाली व्यवस्था है। जब परीक्षा ही नहीं होगी, तब लड़के पढ़ने में मन नहीं लगाएंगे, अध्यापक पढ़ाने में मन नहीं लगाएंगे। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी, मैंने उत्तर प्रदेश में केन्द्र सरकार की नाराजगी को झेलते हुए हमने अपने यहां परीक्षा कराने का निर्णय लिया है, अपने संसाधन से। हम परीक्षा कराएंगे और अध्यापक लोगों की यह जिम्मेदारी दी गई है, यह भी मैंने उसमें व्यवस्था की है कि दूसरे स्कूल में परीक्षा होगी और दूसरे स्कूल के लोग कापी को जांचेंगे, जिससे लड़कों की गुणवत्ता में असर आए, बढ़ोत्तरी हो और परीक्षा पास करके लड़के अगली कक्षा में जाएं। बायो मैट्रिक प्रणाली लागू करने के विषय में जो इन्होंने बात की, एक दिन और माननीय सदस्य ने इस विषय पर प्रश्न किया था। अध्यक्ष जी, उसमें खर्च बहुत आ रहा है। इतना भारी खर्च आ रहा है कि उसको अभी लागू करने में, सरकार के सामने दिक्कत आ रही है। इसलिए मैंने आपके माध्यम से उस प्रश्न के समय भी आग्रह किया था कि हमारी मिड–डे–मील की जो प्रणाली है, जिसमें हम रोज जिलों से सूचना लेते हैं कि कितने बच्चे भोजन किये और कितने शाम तक रहे, उसी प्रणाली से हम प्रयास में हैं कि उसी

प्रणाली से हम अध्यापकों की हाजिरी की भी रेगुलर निगरानी करें और जब पैसे का प्रबन्ध हो जायेगा तो बायो मैट्रिक प्रणाली लगाने पर विचार किया जायेगा।

श्री दलवीर सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, विषय तो है परीक्षा से सम्बन्धित और बहस हो रही है मिड–डे–मील के ऊपर, विषय से हटकर इसमें चर्चा हो रही है। मैं एक बहुत छोटा–सा सवाल आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी की योग्यता पर, क्षमता पर, कर्तव्यनिष्ठता पर कोई प्रश्न–चिह्न नहीं लगाया जा सकता, बहुत मेहनत कर रहे हैं। मैं भरे सदन में कह सकता हूं लेकिन एक छोटी सी समस्या का निदान आप करायें कक्षा एक से लेकर आठ तक जो परीक्षा इस वक्त ली जा रही है मैंने स्वयं अपने प्राइमारी स्कूल में जाकर जब देखा तो वहां प्रश्न लिखा जा रहा था बोर्ड में और बच्चों की जो किताब थी कापी थी उसमें फाड़कर वह अपना पेज दिया जा रहा था। वह प्रश्न वहां लिखा जाता था और उसे बच्चे अपनी कापी में लिख रहे थे तो मैं चाहता हूं कि आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कि कक्षा एक से लेकर आठ तक की बच्चों की परीक्षा के लिए कापी, पेन, पेन्सिल और पेपरों की व्यवस्था करायेंगे ?

श्री राम गोविन्द चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य की बात सही है यह अगले सत्र में होगा क्योंकि जब परीक्षा केन्द्र सरकार ने समाप्त कर दिया और यह हमारी सीमा में ही नहीं है। निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है एक से आठ तक तो जब शुल्क लिया जाता था तो परीक्षा का भी उसमें पैसा होता था, खेल का भी पैसा होता था अब तो कोई पैसा लिया ही नहीं जा रहा है, अपने संसाधन से हो रहा है। अब जो परीक्षा होगी माननीय सदस्य ने जो कहा उनको कापी, उनको पेन्सिल उनको कलम और पेपर की व्यवस्था अपने संसाधन से सरकार उपलब्ध करायेगी और अच्छी शिक्षा प्रणाली विकसित करके बच्चों को गुणवत्तापूर्वक शिक्षा देकर अव्वल दर्जे में ले आने का प्रयास करेगी।

श्री सन्तराम कुशवाहा–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी अध्यापकों की भर्ती और तमाम खर्च की बात करते हैं लेकिन हम एक उदाहरण आपको बता रहे हैं कि हमारे जनपद जालौन में माधौगढ़ विधान सभा में रामपुरा ब्लाक है यही माननीय मंत्री जी ने कहा था कि अगर कोई अध्यापक विद्यालय में न जाय तो उसकी शिकायत करें। इसमें हमने 3 बार जिलाधिकारी को प्रार्थना–पत्र दिया, 2 बार बी0एस0ए0 को दिया और एक बार माननीय मंत्री जी को दिया।

श्री अध्यक्ष–

यह प्रश्न नहीं है ।

श्री सन्तराम कुशवाहा–

मान्यवर, व्यवस्था की बात है जब अध्यापक ही विद्यालय नहीं जायेंगे और 3 साल से एक रामपुरा ब्लाक में स्कूल है वहां अध्यापक जाता ही नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष–

वह जांच करा लेंगे, लिखकर दे दीजिए।

श्री सन्तराम कुशवाहा–

मान्यवर, 3 बार लिखकर दे चुके हैं जिलाधिकारी महोदय को और एक बार मंत्री जी को लिखकर दे चुके हैं।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

माननीय अध्यक्ष जी, हमको गहरी आपत्ति इस बात की है कि माननीय मंत्री जी सदन में खुलेआम यह कह रहे हैं कि अब शिक्षक सब्जियां खरीदकर लायेगा, बनवायेगा और तब स्कूल में पढ़ायेगा स्कूल का समय इन्होंने दिया है 9 बजे का, 9 बजे जिसको स्कूल में पहुंचना है अपने घर के बहुत सारे काम करके या तो वह रात की सब्जी खिला दे सड़ी हुई या घर से निकले तो सुबह सब्जी खरीदने जाय फिर उसको लेकर के आये।

श्री अध्यक्ष–

शाम को खरीदकर ला सकता है।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

यही तो मैं कह रहा हूं कि या तो शाम की सड़ी सब्जी खिला दे, शाम की बासी सब्जी खिला दे।

श्री अध्यक्ष–

डा0 साहब, महत्वपूर्ण सवाल कोई पूछो कहां इसी में उलझ रहे हो कल बजट था इसकी काफी चर्चा हो चुकी है।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

माननीय अध्यक्ष जी, इस काम के लिए विद्यालय में अन्य कर्मचारी होंगे। मैं आग्रह करूंगा कि शिक्षकों का सम्मान इतना न गिराया जाय। यह सब्जी लाने का काम विद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी को दे दिया जाय क्या माननीय मंत्री जी इस पर विचार करेगें नम्बर एक, दूसरी चीज अध्यक्ष जी, यह परीक्षा कराना तो बहुत साहसिक कदम है, प्रशंसनीय कदम है एक आध साल में कमियां भी दूर हो जायेंगी परीक्षा से आपको स्तर मालूम हो सकता है और तो कुछ होगा नहीं। परीक्षा का, शिक्षा का स्तर तो पहले से मालूम है भारत सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के स्तर के लिए अध्ययन कराया है असर की रिपोर्ट आई है प्रथम की रिपोर्ट आई है रिपोर्ट में बताया गया है कि कक्षा–5 के विद्यार्थी कक्षा–2 की जानकारी नहीं रखते हैं तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो चीजें सामने हैं अगर वही पता करना है इसलिए परीक्षा करा रहे हैं तो क्या उस स्तर को ठीक करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं कृपया यह बतायें ?

(एक सदस्य द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष–

आप बैठिये, बैठिये। माननीय मंत्री जी जवाब देने के लिए खड़े हैं। आप मिनिस्टर नहीं हैं मंत्री जी जवाब देने के लिए खड़े हैं आप बैठें।

श्री राम गोविन्द चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य इस सम्मानित सदन के सदस्य भी हैं और डाक्टर भी हैं, इसलिये इनकी थोड़ा एक्स्ट्रा बुद्धि है। प्राथमिक स्कूल में शिक्षक को छोड़कर कोई गैर शिक्षक कर्मचारी की व्यवस्था नहीं है। आप भी पढ़े होंगे, तब भी नहीं होगी। काल्पनिक प्रश्न पूछना कोई बहुत बड़े फायदे की चीज नहीं है। मान्यवर, यह काल्पनिक प्रश्न है। प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक कोई गैर अध्यापक कर्मचारी नहीं रहता है। जब से मिड डे मील की व्यवस्था हुई है तब से रसोइयों की अलग से व्यवस्था की गई है। गुरूजनों का बहुत बड़ा सम्मान है और यह सम्मान हमारे आपके देने से नहीं है, आदिकाल से गुरूजनों का सम्मान है और यह सरकार गुरूजनों का सम्मान बढ़ा रही है और अंत तक जब तक सरकार काम करती रहेगी गुरूजनों के सम्मान को बढ़ाती रहेगी। इसलिये परीक्षा प्रणाली की जो माननीय सदस्य ने बात कही है, तो यदि परीक्षा प्रणाली नहीं होगी तो इस देश में, तो आप एम0बी0बी0एस0 कैसे पास किये होते ? परीक्षा तो एक अनिवार्य चीज है पढ़ाई के लिये, जिसको नई शिक्षा नीति में समाप्त कर दिया गया था। आपको इस बात के लिये प्रसन्नता होनी चाहिये और सरकार को धन्यवाद देना चाहिये कि हमने परीक्षा प्रणाली को लागू किया और यदि प्राथमिक विद्यालयों में गैर शिक्षक कर्मचारी नियुक्त होंगे तो यह सब्जीवाला काम उनको देने पर विचार किया जायेगा।

(डा0 राधामोहन दास अग्रवाल एवं श्री सुरेश कुमार खन्ना के अनुपूरक प्रश्न पूछने हेतु खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष–

अब हो गया अग्रवाल साहब, आपका एक प्रश्न हो चुका है, अब आपका समय समाप्त हो गया है। खन्ना जी, आप आखिरी अनुपूरक प्रश्न पूछ लीजिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, यह इतना मोराटोरियम आज आप क्यों लगा रहे हैं ? माननीय अध्यक्ष जी, 12.20 तक का समय प्रश्नकाल के लिये हैं अभी समय ही कितना हुआ है।

श्री अध्यक्ष–

आज बहुत बड़ा बजट पी0डब्ल्यू0डी0 का लगा हुआ है। आप सवाल तो पूछते ही रहते हैं। कितने सवाल पूछेंगे, जब सारे उत्तर आ गये हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, एक ही सवाल में पूरा सदन ऊब गया।

श्री अध्यक्ष–

अब आप पूछिये जो पूछना हो, कल शिक्षा का बजट था। आप लोग बोले हैं। उन्हीं बातों की पुनरावृत्ति हो रही है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, कल भी बोलने नहीं दिया गया।

श्री अध्यक्ष–

आप अपने दल के नेता हैं, आपके लोग बोलते हैं तो मैं क्या करूं ? आप बोलिये, प्रश्न पूछिये, जल्दी करिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने हमारे ही एक सवाल के जवाब में मुझे उत्तर भेजा कि 13 विद्यालय जर्जर हैं, यह मैं लेकर के आया हूं उत्तर, यह मंत्री जी का उत्तर है दिनांक 6–2–2015 का। मान्यवर, इन विद्यालयों की स्थिति यह है कि...

श्री अध्यक्ष–

आपका यहां पर प्रश्न गुणवत्ता का है और आप भवन ले आये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, गुणवत्ता से शिक्षा प्रभावित हो रही है। अगर बैठने की व्यवस्था प्रापर नहीं होगी, तो शिक्षा कहां से होगी ?

श्री अध्यक्ष–

आपने जो सवाल किया है, उसमें यह तो लिखा नहीं है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, जब पानी बरसता है तो उन स्कूलों में दो दिन बाद तक पानी बरसता है।

श्री अध्यक्ष–

आप लिखकर दे दीजियेगा, वह दिखवा लेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, इन्होंने दिखवाया है और दिखवाने के बाद ही जवाब आया है। आपने कहा था कि हम आपके कमरे में जवाब भिजवायेंगे, जवाब भिजवा दिया माननीय मंत्री जी ने, लेकिन उनका कोई इंतजाम नहीं किया। सवाल यह है कि जब इन्होंने स्वीकार किया कि बच्चों के 13 विद्यालय जर्जर स्थिति में हैं और जब बैठने की व्यवस्था नहीं है, तो पढ़ाई की गुणवत्ता कहां से होगी ?

श्री अध्यक्ष–

खन्ना जी,अब बैठिये माननीय मंत्री जी उत्तर देने के लिये खड़े हो गये हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, मेरी पूरी बात सुन लें, इस पर प्रश्न तो कर लेने दीजिये। मान्यवर, आज इतनी बेसब्री क्यों है, यह मेरी समझ में नहीं आया। अभी समय 11.35 है, अभी तो सवाल हो ही सकता है।

श्री अध्यक्ष–

अभी दो सवाल है। चलिये आप बोलिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, कोई सवाल निरर्थक नहीं हैं। सरकार और मंत्री जी की इच्छा पर हम प्रश्नचिह्न नहीं लगा सकते हैं। मंत्री जी चाहते हैं कि शिक्षा सुधरे, लेकिन न तो इनकी सिफारिश सुनी जा रही है क्योंकि इनको बायोमीट्रिक डिवाइस जो सबसे ज्यादा जरूरी है, वह नहीं दी गई। मिड–डे–मील प्रिंसिपल के हाथ में रहना ठीक नहीं है। प्रिसिंपल के पास उसकी व्यवस्था है और आज की तारीख में चेक से प्रिंसिपल और प्रधान साथ–साथ ड्रा करते हैं। यह सबसे बड़ी सिरदर्दी है उससे सबसे बड़ी बाधा है शिक्षा में, जो एक प्रशासनिक आदेश से दूर हो सकती है लेकिन माननीय मंत्री जी दूर नहीं करना चाहते हैं, तो हम इसके लिये क्या करें।

श्री अध्यक्ष–

माननीय मंत्री जी, अच्छी योजनायें चलाने जा रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, हम आपके माध्यम से यह पूछना चाहते हैं और हम उसका नाम भी बता सकते हैं यहां पर यदि आप चाहे अभी, जो दस किलो रोज आलू ले जाता है। अभी हमने कहा है और आप अभी जांच करवा लें कि रोज उसकी फोटो खींच कर दिखवा सकते हैं।

श्री अध्यक्ष–

आप ले आईयेगा फोटो।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

हम कोई बात सदन में ऐसे नहीं कहते हैं हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कहते हैं। मान्यवर, यह मिड डे मील की व्यवस्था प्रिंसिपल से ली जानी चाहिये। मैं अपनी बात पर फिर से बल देता हूं और माननीय मंत्री जी को इस पर विचार जरूर करना चाहिये। हम आपके माध्यम से यह पूछना चाहते हैं कि जो 13 विद्यालय हमारे शाहजहांपुर के जिनके बारे में माननीय मंत्री जी ने स्वंय 6/2 को स्वीकार किया।

श्री अध्यक्ष–

इसमें 13 विद्यालय हैं नहीं, क्यों आप उसको छेड़ रहे हैं। आप यह पूछिये कि क्या प्रधानाध्यापकों से मिड–डे–मील का चार्ज वापस लिया जायेगा, यह सवाल बनता है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

वह तो पूछ लिया, अब मेरा दूसरा सवाल है। जिन विद्यालयों में ठीक से बैठने तक की व्यवस्था नहीं है, वहां शिक्षा की गुणवत्ता कैसे ठीक होगी, मान्यवर, हम लोग ऐसे ही नहीं चिल्लाते हैं। बैठने की व्यवस्था नहीं है, धन्नियों की छतें हैं, किराये के विद्यालय हैं तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इन 13 विद्यालयों को शिफ्ट करके शिक्षा की गुणवत्ता को देखते हुये उनको कहीं दूसरी जगह शिफ्ट करायेंगे और क्या प्रधानाध्यापकों से मिड डे मील की व्यवस्था वापस लेंगे।

श्री राम गोविन्द चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, मिड–डे–मील की व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट और केन्द्र सरकार के माध्यम से चल रही है और जो केन्द्र सरकार से हमको गाइडलाइन मिली है, उसी गाइडलाइन के अनुसार प्रदेशों में मिड–डे–मील की व्यवस्था चलती है। अगर केन्द्र सरकार से माननीय सदस्य जी गाइडलाइन बदलवा देंगे तो हमको लागू करने में कोई एतराज नहीं है। अध्यक्ष जी, गुरूजनों के जो विद्यार्थी हैं, वह अपने बच्चे होते हैं, उनका नैतिक कर्तव्य है कि जैसे मैं अपने बच्चों के साथ व्यवहार करता हूं, स्कूल के बच्चों के साथ भी उस तरह का व्यवहार करूं। अगर अध्यापक अपने बच्चों को खरीदकर के खाना खिलाने ले जाता है तो बुरी बात आपको क्यों लग रही है। पढ़ाई में कोई बाधा नहीं और जब हम 9 बजे से स्कूल खोलने का प्रयास करेंगे, उसके पहले सब चीज ला देंगे, फिर मैंने आपके माध्यम से सदन को अवगत कराया कि जब हमारी व्यवस्था हो जायेगी तो निश्चित रूप से हम उस व्यवस्था को दूसरे के हाथ में देंगे। दूसरी बात, इन्होंने जर्जर भवनों के विषय में कहा, इसके संबंध में मैं पहले भी आपसे कह चुका हूं और आज फिर कह रहा हूं कि जो भवन जर्जर हैं, बैठने लायक नहीं हैं, उनसे बच्चों को स्थानान्तरित करके बगल के स्कूल में पढ़ाने की व्यवस्था की गयी है और जब तक वह भवन न बनें, तब तक दूसरे विद्यालय में बच्चे पढ़ेंगे। यह व्यवस्था केवल शहरों में काफी है। शहरों में चूंकि भाड़े के मकान काफी पहले लिये गये थे, इसलिये वह भवन पुराने हैं और चूंकि भाड़ा कम है, इसलिये अपने भाड़ा को बढ़ाने और मकान खाली कराने के लिये भी भवन मालिक यह रिपोर्ट भिजवाते हैं कि भवन जर्जर है। हम कहना चाहते हैं कि यदि वास्तव में भवन जर्जर होगा तो उसमें हमारा बच्चा नहीं पढ़ेगा, उनको बगल के स्कूल में ट्रांसफर कर दिया जायेगा और जब भवन ठीक हो जायेगा तो फिर उसमें उसको स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। असल सवाल जो माननीय सदस्य और पूरे सदन का है, वह शिक्षा में गुणवत्ता का है कि कैसे शिक्षा में गुणवत्ता लाई जा सके। इसलिये जब से यह सरकार बनी है, हम लोग बराबर प्रयत्न कर रहे हैं, इसीलिये तो हमने कल भी बताया था कि 1 से 8 तक आपने पूछा था, हमने टीचरों की भर्ती श्रीमन् की है बी0टी0सी0 प्रशिक्षु शिक्षक 108127, प्रशिक्षु शिक्षक 44 हजार, शिक्षा मित्रों को सहायक अध्यापक बनाया गया 58,930, अंशकालिक अनुदेशक बनाये गये 31 हजार, साक्षरता कार्यक्रम हेतु नियुक्त प्रेरक 61 हजार, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय 756, महिला समाख्या 36, कुल योग 2,13,822 अब तक नियुक्ति कर दी गयी है और आगे 2–3 महीने में नियुक्ति की जो प्रक्रिया चल रही है उसमें प्रशिक्षु शिक्षक 28,825 उच्च प्राथमिक विद्यालय में गणित विज्ञान के शिक्षक 29 हजार 334, बी0टी0सी0 शिक्षक 15 हजार, शिक्षामित्रों का समायोजन 91 हजार, अंशकालिक अनुदेशक 10 हजार, उर्दू

मोअल्लिम शिक्षक 2341, कुल मिला करके श्रीमन्, दो–तीन महीने के अन्दर 3 लाख 87 हजार 981 अध्यापकों की नियुक्ति यह सरकार करेगी। पूरे भारत में इतिहास है कि इतनी भर्ती किसी भी सरकार ने नहीं की है शिक्षा विभाग को चलाने के लिए। मैं प्रयत्नशील हूं और आपसे सहयोग की मांग रहा हूं तो भी आप क्वैश्चन कर रहे हैं। मैं पूरे सदन से सहयोग मांग रहा हूं शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए क्योंकि जब तक प्राथमिक शिक्षा मजबूत नहीं होगी तब तक न तो माध्यमिक शिक्षा मजबूत होगी, न उच्च शिक्षा मजबूत होगी, न डाक्टरी की शिक्षा मजबूत होगी, न इंजीनियरिंग की शिक्षा मजबूत होगी और न ही पालीटेक्निक की शिक्षा मजबूत होगी। मैं तो पूरे सदन से मा0 अध्यक्ष जी के माध्यम से सहयोग ही मांगता रहा हूं तो आप लोग सहयोग देते रहिये, प्राथमिक शिक्षा निश्चित रूप से मजबूत हो करके निकलेगी, मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूं।

नोट :–तारांकित प्रश्न संख्या–2 के उपरान्त प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।

अतारांकित प्रश्न

जनपद कुशीनगर के विकास खण्ड–खड्डा अन्तर्गत मठिया से भेड़ी जंगल तक का मार्ग प्रधान मंत्री योजना द्वारा निर्माण के अधूरे कार्य पूरा करवाया जाना

01–श्री विजय कुमार दूबे–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विकास खण्ड–खड्डा अन्तर्गत मठिया से भेड़ी जंगल तक 7 कि0मी0 का मार्ग प्रधान मंत्री योजना के अन्तर्गत गिट्टी बिछा कर छोड़ दिया गया है जिससे नागरिकों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जनपद कुशीनगर के विकास खण्ड–खड्डा के अन्तर्गत मठिया से भेड़ी जंगल मार्ग का कार्य उच्चीकरण हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012–13 में स्वीकृत किया गया था। उक्त मार्ग की लम्बाई 6.65 कि0मी0 है। उक्त मार्ग की कुल लागत रु0 213.88 लाख है और रु0 191.32 लाख का अद्यतन स्थिति के अनुसार व्यय किया गया है। मार्ग पर टाप कोट स्तर (डब्ल्यू0बी0एम0जी0–3) तक का कार्य पूर्ण हो चुका है और पेन्टिंग का कार्य भारत सरकार से अपेक्षित धनराशि प्राप्त न होने के कारण शेष है।

मार्ग को पूर्ण कराये जाने का कार्य भारत सरकार से अपेक्षित धनराशि प्राप्त होने के पश्चात् ही सम्भव है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम–बन्धिन मजरा मडैयन में हीरालाल पुत्र श्री लक्ष्मण एवं श्री हैदर पुत्र श्री रसूल खां के घर के पास लगे हैण्डपम्पों की रि–बोर कराने विषयक

02–श्री चन्द्रभान सिंह पटेल–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद–चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम–बन्धिन मजरा मडैयन में हीरालाल पुत्र श्री लक्ष्मण के घर के पास जगदीश पुत्र चौधरी के घर के पास, सहीद पुत्र हनीफ के घर के पास एवं हैदर पुत्र रसूल खां के घर के पास लगे हैण्डपम्प खराब हैं जिससे क्षेत्रीय जनता को पीने के पानी की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर लगे खराब हैण्डपम्पों को रि–बोर करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी हां, किन्तु जनपद चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम–बन्धिन मजरा मडैयन में श्री हीरालाल पुत्र श्री लक्ष्मण एवं श्री हैदर पुत्र श्री रसूल खां के घर के पास लगे दोनों हैण्डपम्प चालू स्थिति में हैं। श्री सहीद पुत्र श्री हनीफ द्वारा अपने घर से 150 मीटर की दूरी पर श्री हैदर पुत्र श्री रसूल खां के घर के पास लगे हैण्डपम्प से पेयजल प्राप्त किया जा रहा है।

जी हां, एक नग हैण्डपम्प रि–बोर कराया जाना है।

आगामी वित्तीय वर्ष में रि–बोर हेतु निर्धारित लक्ष्य के अन्तर्गत।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट के मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र की क्षेत्र पंचायत मऊ के ग्राम–कनियाढ़ में तेजबहादुर सिंह पुत्र राजा सिंह के घर के पास लगे हैण्डपम्प को ठीक कराया जाना

03–श्री चन्द्रभान सिंह पटेल–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद–चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र की क्षेत्र पंचायत मऊ के ग्राम–कनियाढ़ में तेजबहादुर सिंह पुत्र राजा सिंह के घर के पास लगा हैण्डपम्प खराब हो गया है जिससे क्षेत्रीय जनता को पीने के पानी की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर लगे खराब हैण्डपम्प को रि–बोर करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

हैण्डपम्प क्रियाशील है।

जनपद चित्रकूट के मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र पंचायत मऊ के ग्राम–कोटवामाफी के प्राथमिक विद्यालय एवं बृजभान सिंह के पुरवा के पास लगे हैण्ड पम्प को ठीक कराया जाना

04–श्री चन्द्रभान सिंह पटेल–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद–चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र की क्षेत्र पंचायत मऊ के ग्राम–कोटवामाफी के प्राथमिक विद्यालय एवं बृजभान सिंह के पुरवा के पास लगा हैण्डपम्प खराब हो गया है जिससे क्षेत्रीय जनता को पीने के पानी की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर लगे खराब हैण्डपम्प को रि–बोर करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

हैण्डपम्प क्रियाशील है।

जनपद चित्रकूट के मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम धुनुवां में लगा हैण्डपम्प को ठीक कराया जाना

05–श्री चन्द्रभान सिंह पटेल–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद–चित्रकूट के 237 मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम धुनुवां में राधेश्याम पुत्र श्री बृजभूषण के घर के पास एवं ग्राम–धुनुवां मजरा लोहगढ़ी में प्राथमिक विद्यालय के पास लगा हैण्डपम्प खराब हो गया है जिससे क्षेत्रीय जनता को पीने के पानी की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर लगे खराब हैण्डपम्प को रि–बोर करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

हैण्डपम्प क्रियाशील है।

जनपद मुजफ्फरनगर के एस0डी0 इण्टर कालेज के सेवारत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को राजकीय शिक्षकों की भांति समस्त देयकों का भुगतान कराये जाने विषयक पत्र पर कृत कार्यवाही की जानकारी

06–श्री देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह–

क्या माध्यमिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के एस0डी0 इण्टर कालेज के सेवारत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को राजकीय शिक्षकों की भांति समस्त देयकों का भुगतान कराये जाने विषयक मुख्य मंत्री को सम्बोधित नेता विरोधी दल, विधान सभा, उ0 प्र0 का पत्र 1038/ने0वि0द0/2014, दिनांक 26–9–2014, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

माध्यमिक शिक्षा मंत्री (श्री महबूब अली)–

जी हां।

शासन के पत्र दिनांक 24–11–2014 द्वारा शिक्षा निदेशक (मा0) उ0 प्र0 से प्रश्नगत प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही की आख्या मांगी गई है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र रूधौली के ब्लाक सल्टौआ के प्राथमिक पाठशाला मझौआ बाबू के प्रधानाध्यापक द्वारा छात्रवृत्ति हेरा–फेरी में जेल जाने तथा जेल से छूटने के बाद उसी विद्यालय में सम्बद्ध किये जाने के कारणों की जानकारी

07–श्री संजय प्रताप जयसवाल–

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र रूधौली के ब्लाक सल्टौआ के प्राथमिक पाठशाला मझौआ बाबू के प्रधानाध्यापक पर वर्ष 2013–14 की छात्रवृत्ति 1.20 लाख रुपये के गबन एम0डी0एम0 ड्रेस आदि के मद में भारी हेरा–फेरी के आरोप में बाल्यगंज थाना, जनपद बस्ती में प्राथमिकी दर्ज कराकर उन्हें जेल भेजा गया था ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि जेल से छूटने के बाद उक्त प्रधानाध्यापक को पुनः उसी विद्यालय में नियुक्ति दी जा सकती है ? यदि हां, तो किस शासनादेश के अनुसार, क्या उन्हें अन्यत्र स्थानान्तरित किया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी–

जी हां।

श्री राजदेव त्रिपाठी, प्रधानाध्यापक, मझौआ बाबू विकास खण्ड–सल्टौआ जनपद बस्ती छात्रवृत्ति गबन के आरोप में थाना वाल्टरगंज, बस्ती में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या–458/2014 धारा–409 आई0पी0सी0 के क्रम में दिनांक 17–5–2014 से दिनांक 27–8–2014 तक कारागार में निरुद्ध रहे।

जी हां।

उ0 प्र0 बेसिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली, 1981 (यथा संशोधित) में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण

नीति के अनुसार गठित समिति के अनुमोदनोपरान्त आवेदन/विकल्प के आधार पर सहायक अध्यापक का स्थानान्तरण/ समायोजन किया जाता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि ग्रामवासियों द्वारा जिलाधिकारी, बस्ती को लिखित रूप से की गयी शिकायतों के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती के पत्र दिनांक 3–1–2015 द्वारा श्री राजदेव त्रिपाठी, प्रधानाध्यापक, मझौआ बाबू विकास खण्ड–सल्टौआ को उच्च प्राथमिक विद्यालय दुबौलिया विकास खण्ड–दुबौलिया में सहायक अध्यापक के पद पर अग्रिम आदेश तक सम्बद्ध कर दिया गया है।

उक्तवत्।

उक्तवत्।

प्रदेश में संस्कृत भाषा के जानने वालों का अभाव होने के कारण संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने की कार्य योजना की जानकारी

08–श्री जय प्रकाश निषाद–

क्या माध्यमिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में संस्कृत भाषा के जानने वालों का काफी अभाव होता जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिये कोई कार्य योजना बनायेगी ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री महबूब अली–

जी हां।

शासन द्वारा संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये अशासकीय/असहायिक स्थायी मान्यता प्राप्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों को अनुदान सूची पर लिये जाने का निर्णय लिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आगरा के ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गांव सुजगई विकास खण्ड वरौनी अहीर आगरा में श्री सुनहरी वास जाटव बस्ती के टी0टी0एस0पी0 टंकी को चालू कराना

09–श्री काली चरन सुमन–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के 90, आगरा ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गांव सुजगई विकास खण्ड वरौनी अहीर आगरा में श्री सुनहरी वास जाटव बस्ती के सार्वजनिक स्थल पर लगी हुई टी0टी0एस0पी0 की टंकी काफी दिनों से खराब है जिससे गांव के लोगों को पेयजल की विकट समस्या का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त खराब व बन्द टी0टी0एस0पी0 टंकी को सुचारु रूप से चालू कराकर जलापूर्ति करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी हां।

किन्तु पेयजल की समस्या नहीं है क्योंकि ग्राम में 23 नग हैण्डपम्प भी अधिष्ठापित हैं।

जी हां।

अप्रैल, 2015 तक।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मैनपुरी में सहायता प्राप्त फैशन स्लामिया जूनियर हाई स्कूल में नियम विरुद्ध प्रधानाध्यापक पद पर अवैधानिक रूप से सीधी भर्ती की जांच सतर्कता से करने विषयक स0वि0स0 का पत्र पर कृत कार्यवाही की जानकारी

10–श्री प्रदीप माथुर–

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मैनपुरी नगर के सहायता प्राप्त फैशन स्लामिया जूनियर हाई स्कूल में नियम विरुद्ध प्रधान अध्यापक पद पर अवैधानिक रूप से सीधी भर्ती द्वारा की गई नियुक्ति की उ0 प्र0 सतर्कता अधिष्ठान पुलिस (विजिलेंस) से जांच कराये जाने के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री को सम्बोधित श्री बृजेश कठेरिया, सदस्य, विधान सभा, किशनी, जनपद–मैनपुरी का पत्र दिनांक 15–8–2014 जो मुख्य मंत्री कार्यालय में दर्ज कम्प्यूटर संख्या–पी0जी0–10497019 सी0एम0/वि0को0/एम0पी0जी–10497019/2014, दिनांक 18–8–2014 प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0 प्र0 को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी–

जी हां।

शिक्षा निदेशक, बेसिक से प्राप्त आख्या के परीक्षणोपरान्त सम्पूर्ण प्रकरण की जांच जिलाधिकारी मैनपुरी से करायी जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों के लिये संशोधित ए0सी0पी0 का शासनादेश जारी किये जाने की सरकार की योजना

11–श्री कमाल युसुफ मलिक–

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के राज्य कर्मचारियों के लिये संशोधित ए0सी0पी0 का शासनादेश दिनांक 05 नवम्बर, 2014 को वित्त विभाग, उ0 प्र0 शासन द्वारा जारी किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त शासनादेश के अन्तर्गत प्रदेश में सहायता प्राप्त (सवित्त) माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 10,16,26 वर्षों की लगातार सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी लाभान्वित होंगे ? यदि नहीं, तो क्या सरकार अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों

के लिये संशोधित ए0सी0पी0 का शासनादेश जारी करने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)–

जी हां।

जी नहीं।

जी हां।

कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद चन्दौली के मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड नियामताबाद एवं चन्दौली में दी गयी सूची पर हैण्डपम्पों को रि–बोर कराने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र कृत कार्यवाही की जानकारी

12–श्री बब्बन सिंह चौहान–

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चन्दौली के मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड नियामताबाद एवं चन्दौली में दी गयी सूची पर हैण्डपम्पों को रि–बोर कराने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र सं0–ख 5 नं0–321362 दिनांक 7–10–2014 अधिशासी अभियन्ता, जल निगम, चन्दौली को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''–

जी हां।

पत्र पर कार्यवाही करते हुए 16 नग हैण्डपम्पों का रि–बोर कार्य कराया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

ख11.42, नियम–301 के अन्तर्गत की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष–

आज दिनांक 17–03–2015 को नियम 301 के अन्तर्गत कुल 37 सूचनाएं प्राप्त हुईं जिनमें से 16 सूचनाएं स्वीकार की गईं:–

पहली सूचना श्री अमरपाल शर्मा की जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद के कतिपय क्षेत्रों की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है।

दूसरी सूचना डा0 सियाराम सागर की (मा0 सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

तीसरी सूचना डा0 अजय कुमार की (मा0 सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

चौथी सूचना श्री अनिल कुमार की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत मानकों के विपरीत बन रही कतिपय सड़कों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है।

पांचवीं सूचना डा0 धर्म सिंह सैनी की जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र नकुड़ में बने रेत के टीले को जे0सी0बी0 मशीन से हटाये जाने के सम्बन्ध में है।

छठी सूचना श्री सुदेश शर्मा की (मा0 सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

सातवीं सूचना श्रीमती चन्द्रा रावत की (मा0 सदस्या के अनुपस्थित रहने पर)

आठवीं सूचना श्री इन्दल कुमार की विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद में निर्माणाधीन फल मण्डी के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में है।

नवीं सूचना श्री ललितेशपति त्रिपाठी की जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मड़िहान में पैक्सफेड द्वारा बनाई जा रही सी0सी0 रोड के निर्माण में की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है।

दसवीं सूचना श्री दिलनवाज खान की जनपद बुलन्दशहर में तैनात क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड द्वारा की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है।

ग्यारहवीं सूचना श्री दलजीत सिंह की जनपद बांदा के विकास खण्ड तिन्दवारी, बड़ोखर, जसपुरा की कतिपय क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है।

बारहवीं सूचना श्री प्रदीप चौधरी की जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र गंगोह में नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है।

तेरहवीं सूचना श्री उमेश पाण्डेय की जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र मधुवन के ब्लाक दोहरीघाट की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है।

चौदहवीं सूचना श्री आलमबदी की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के कतिपय जर्जर मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है।

पन्द्रहवीं सूचना श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले) की दिनांक 02 जून, 2011 को भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित शासनादेश का अनुपालन जनपद मेरठ में न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है।

सोलहवीं सूचना श्री रामचन्द्र यादव की जनपद फैजाबाद के कतिपय क्षेत्रों में व्याप्त पेयजल संकट का निराकरण कराये जाने हेतु स्थापित हैण्डपम्पों की रि–बोरिंग कराये जाने के सम्बन्ध में है।

आज जिनकी सूचनाएं स्वीकार हुईं उसमें से तीन मा0 सदस्य सदन में उपस्थित नहीं हैं इसलिए तीन मा0 सदस्य जिनकी सूचनाएं अस्वीकार हुई हैं उनकी सूचनाएं ली जायेंगी। इसलिए डा0 सियाराम सागर के स्थान पर श्री सुरेश कुमार खन्ना की सूचना स्वीकार की जाती है। डा0 अजय कुमार के स्थान पर श्रीमती विमला सिंह सोलंकी की सूचना स्वीकार की जाती है। पं0 सुदेश शर्मा के स्थान पर श्री रविन्द्र भड़ाना की सूचना स्वीकार की जाती है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं:–

1–श्री अगयश राम सरन वर्मा 2–श्री राजिव 3–श्री काली चरण सुमन 4–श्री कृष्ण पाल सिंह राजपूत 5–श्री ओम कुमार 6–श्री बब्बन सिंह चौहान 7–श्री जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी 8–श्री पूरन प्रकाश 9–श्री दलवीर सिंह 10–श्री कुंवर कौशल सिंह 11–श्री भीम प्रसाद सोनकर 12–डा0 धर्मपाल सिंह 13–श्री अजय कुमार लल्लू

14–श्री जय प्रकाश निषाद 15–श्रीमती रजनी तिवारी 16–श्री रोशन लाल वर्मा 17–श्री रामहेत भारती 18. डा0 रमेश चन्द बिन्द।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनायें पढ़ी हुई मानी गयीं।)

जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद के कतिपय क्षेत्रों की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमरपाल शर्मा–

ख्महोदय, अवगत कराना है कि जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद के अन्तर्गत वसुन्धरा, वैशाली, बृजबिहार, इन्दिरापुरम्, राजेन्द्र नगर, शालीमार गार्डेन, राजपत नगर, डी0एल0एफ0, नूरनगर सिहानी आदि की वर्षा के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी हैं बहुत ही जर्जर जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं सड़क में बहुत बड़े–बड़े गड्ढे हैं जिससे आवागमन पूर्णता बाधित रहता है। बरसात के समय सड़क के गड्ढों में पानी भर जाता है। आवागमन बाधित होता रहता है। जिससे अनेकों दुर्घटनायें होती रहती हैं। जिसके कारण से क्षेत्रीय जनता को आवागमन हेतु एवं बरसात के समय भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस सम्बन्ध में अनेकों बार विधान सभा सत्र में प्रश्न के माध्यम से एवं पत्राचार के माध्यम से एवं वार्तालाप से शासन को अवगत कराया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई जिससे क्षेत्रीय जनता का सरकार के प्रतिभारी जनाक्रोश है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उक्त कालोनियों की सड़कों का निर्माण कार्य कराये जाने की कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत मानकों के विपरीत बन रही कतिपय सड़कों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार–

ख्महोदय, कृपया अवगत कराना है कि जनपद–मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र 13, पुरकाजी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत बन रही सड़कें :–

1–दधेडू खुर्द से मलीरा फाटक तक वाया ग्राम जटनगला तक।

2–छपार से तेजलहेडा चौराहा सिमर्थी तक।

3–हरिनगर तिराहे से सीकरी तक वाया गोधना, तुगलपुर, कम्हेडा तक।

उपरोक्त सभी सड़कें प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत निर्माण करायी जा रही सड़कों में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण सड़क बनने के उपरान्त कुछ ही दिनों में टूटती जा रही हैं। जिसकी शिकायत मेरे द्वारा

---

uksV %&[ ];g va'k i<+k gqqvk ekuk x;kA

स्थानीय प्रशासन को पत्राचार एवं फोन द्वारा अवगत कराया गया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। सड़कों का निर्माण सही न होने से वहां की स्थानीय जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण क्षेत्रीय जनता का सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में यथाशीघ्र विधान सभा क्षेत्र 13, पुरकाजी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत बन रही उपरोक्त सड़कों का मानक के अनुरूप न निर्माण कार्य कराये जाने की जांच कराये जाने की मांग करती हूं।,

जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र नकुड़ में बने रेत के टीले को जे0सी0बी0 मशीन से हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री धर्म सिंह सैनी–

ख्महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र नकुड़, जनपद–सहारनपुर में विकास खण्ड–सरसावा के ग्राम–दौलतपुर, टोडरपुर, बहादरा, रावणपुर, नथमलपुर, दानतपुर, खेड़ा, खेड़ा मवात, दबकोरा और उग्रपुर के किसान बड़े ही कष्ट और दुःख में जीवन व्यतीत कर रहे हैं क्योंकि बूढ़ी यमुना ने निकला हुआ नाला जो टोडरपुर होते हुए ग्राम–बहादरा में गांगरो नदी में गिरता है। नाला से पानी हमेशा फ्लोओवर होता रहता है। बरसात में गांगरो नदी बहती है और अपने साथ ढेर सारे सिल्ट लेकर आती है और उसके कारण नाले के मुहाने पर रेत के टीले बन गये हैं, चूंकि यह नाला उक्त ग्रामों से होता हुआ गुजरता है और सिल्ट के टीले बन जाने के कारण नाले का मार्ग आगे बन्द हो गया है और ऐसी स्थिति में नाला आगे नहीं बह पा रहा है और पीछे की ओर पानी का स्तर बढ़ता जा रहा है तथा ग्राम–टोडरपुर में एक शुगर मिल है जिसमें अब डिस्ट्रीलरी स्थापित है उससे केमिकल युक्त पानी उसी नाले में छोड़ा जा रहा है। शासन को गुमराह करने के लिये वहां पर वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट लगाया गया है परन्तु स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से, कभी–कभी ग्रामीणों की शिकायत पर वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट चलाया जाता है अन्यथा बन्द रहता है। उक्त ग्रामों के किसानों के खेतों में 12 माह खतरनाक जहरीले रसायन युक्त पानी भरा रहता है इस कारण वह भूमि कृषि योग्य नहीं रहती तथा किसानों की फसलें जल भराव के कारण यूकेलिप्टिस, पापुलर, गन्ना व अन्य फसलें गल–सड़कर बरबाद हो चुकी हैं। वहां के स्थानीय निवासियों को जहरीले रसायन युक्त पानी के कारण विभिन्न प्रकार बीमारियां हो रही हैं। नाला के रेत को हटाने का ग्रामवासियों ने मनरेगा आदि के द्वारा प्रयास किया। उक्त ग्रामों के निवासियों द्वारा धरना–प्रदर्शन से लेकर लिखित, मौखिक सभी जगह से उच्चाधिकारियों से अनुरोध किया कि नाले की रेत को जे0सी0बी0 मशीन लगाकर हटाया जाय परन्तु वहां के प्रशासन ने उनके अनुरोध पर कोई ध्यान ही नहीं दिया। जिससे वहां के रहने वाले किसानों, ग्रामवासियों एवं नगरवासियों में सरकार के प्रति काफी आक्रोश है।

---

uksV %&[ ];g va'k i<+k gqqvk ekuk x;kA

अतः इस लोकमहत्व के अविलम्बनीय विषय पर नाले में बने रेत के टीले, जो नाले के पानी को आगे बढ़ने नहीं दे रही है, को जे0सी0बी0 मशीन लगाकर हटाने हेतु अपेक्षित कार्रवाई की मांग करता हूं।,

विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद में निर्माणाधीन फल मण्डी के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री इन्दल कुमार–

ख्महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र 168–मलिहाबाद जनपद लखनऊ मलिहाबाद फल पट्टी क्षेत्र है विशेष रूप से दशहरी आम के लिये मशहूर है। फल मण्डी मलिहाबाद में निर्माणाधीन है। जिसकी बाउन्ड्री बन गयी है जिसमें अन्दर का कार्य एशिया का प्रथम क्लास की मण्डी का निर्णय प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया था जिसका निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। उक्त अधूरा निर्माण कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। यह क्षेत्रीय जनता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल अधूरा मण्डी का निर्माण कार्य पूरा कराये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराये जाने की मांग करता हूं।,

जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मड़िहान में पैक्सफैड द्वारा बनाई जा रही सी0सी0 रोड के निर्माण में की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ललितेश पति त्रिपाठी–

ख्महोदय, लोक महत्व एवं जनहित के विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि जनपद मिर्जापुर के मड़िहान विधान सभा क्षेत्र में संचालित अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजना (ए0सी0पी0) में वित्तीय वर्ष 2014–2015 में पैक्सफेड द्वारा बनायी जा रही सी0सी0 रोड में अनियमितताएं हो रही हैं। कार्यदायी संस्था बिना टेण्डर कराये लगभग 5.50 करोड़ के कार्य अनुभवहीन फर्मों एवं सप्लाई तथा अप्रशिक्षित लोगों द्वारा कराया जा रहा है जो अधोमानक है जो कार्यदायी संस्था पूर्व में ब्लैक लिस्टेड थी उसका चयन करके उसे निर्माण कराना अपने आप में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। निर्माण के समय गुणवत्ता परीक्षण भी नहीं किया जा रहा है। उक्त सी0सी0 रोड के अधोमानक निर्माण से उसका भविष्य संदेहास्पद है। उक्त परियोजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास से सम्बन्धित है। यह क्षेत्र अति संवेदनशील क्षेत्र है। इसलिये जब तक यहां पर प्रस्तावित परियोजनाओं का कार्य समुचित ढंग से नहीं कराया जायेगा तब तक यह क्षेत्र अविकसित ही रहेगा। ऐसी स्थिति में जनपद मिर्जापुर के मड़िहान विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2014–2015 की अवधि में अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजना (ए0सी0पी0) द्वारा कराये जा रहे सी0सी0 रोड निर्माण कार्य समुचित एवं मानक अनुरूप

---

uksV %&[ ];g va'k i<+k gqqvk ekuk x;kA

कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। इस क्षेत्र में उक्त योजना के तहत बनायी जाने वाली अधोमानक सी0सी0 रोड के कारण क्षेत्र की जनता में सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद मिर्जापुर के मड़िहान विधान सभा क्षेत्र में अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजना (ए0सी0पी0) द्वारा कराये जा रहे सी0सी0 रोड निर्माण कार्य को समुचित एवं मानक अनुरूप कराये जाने हेतु शीघ्र कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद बुलन्दशहर में तैनात क्षेत्रीय अधिकारी, उ0 प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दिलनवाज खान–

ख्महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए अवगत कराना चाहता हूं कि जनपद बुलन्दशहर में तैनात क्षेत्रीय अधिकारी, उ0 प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भ्रष्ट कार्यशैली से बड़े उद्यमी तथा लघु उद्यमियों का शोषण हो रहा है। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी द्वारा बड़े उद्योगपतियों से पैसा लिया जाता है। छोटे उद्यमियों से भी डरा–धमका कर अनुचित पैसे की मांग की जाती है तथा पैसा न मिलने की दशा में उनका उत्पीड़न किया जाता है। सरकार की मंशा लघु उद्योग को प्रोत्साहन देने का है किन्तु क्षेत्रीय प्रदूषण बोर्ड अधिकारी, बुलन्दशहर की कार्यशैली सरकार विरोधी है तथा जो नोटिस लघु उद्योगों को भेजी जा रही है, वे नियमाविरुद्ध है, जिस कारण जनपद में लघु कुटीर उद्योग बन्द होने की कगार पर है। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उद्यमियों पर अनुचित दबाव डालने के लिये अपना सीधा सम्बन्ध उ0 प्र0 प्रदूषण बोर्ड के उच्चाधिकारियों से बताया जाता है, उनके नाम का दुरुपयोग किया जाता है। क्षेत्र में दलालों के माध्यम से उद्योगपतियों से अवैध वसूली की जाती है, जिसकी पुष्टि उनके मोबाइल की सी0डी0आर0 से की जा सकती है।

उक्त के क्रम में यह तथ्य भी मा0 सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर तथा उनके परिवार के सदस्यों द्वारा आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित कर रखी है, वर्तमान क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण बोर्ड, बुलन्दशहर सामान्य डिप्लोमा होल्डर इन्जीनियर हैं। विभागीय निर्धारित योग्यता के आधार पर इनकी नियुक्ति क्षेत्रीय अधिकारी के पद के लिये अमान्य है। जो एक गम्भीर जांच का विषय है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर जनहित में तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग करता हूं।,

जनपद बांदा के विकास खण्ड तिन्दवारी, बड़ोखर, जसपुरा की कतिपय क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दलजीत सिंह–

नोट :–ख , यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

ख्महोदय, जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि जनपद–बांदा, विकास खण्ड–तिन्दवारी, बड़ोखर, जसपुरा की मुख्य सड़कें व गांवों को जोड़ने वाली सड़कों में बड़े गड्ढे हो गये हैं। लोगों को चलने में बहुत ही परेशानी उठानी पड़ रही है। आये दिन दुर्घटना होती रहती हैं तथा रोड किनारे रहने वाले लोगों को धूल की वजह से जीना दूभर हो गया है। सड़कें निम्नलिखित हैं :– पैलानी डेरों से कानाखेड़ा नरौली चंदवारा सवहदा तक, नरौली से बड़ागांव तक, पपरेन्दा से पैलानी जसपुरा होकर सिकहुला तक, भाथा से पड़ोहरा तक, कानाखेड़ा से पिपरोदर बगिया से पिपरहरी तक, कालेश्वर बाबा से खपिटिहा होकर साड़ी अमानडेरा तक तथा अलोना तक, बेन्दा से जलालपुर तक, तिन्दवारी से तेरही पिपरगवां, गोधनी विलवई तक, मटौंध से बसेहरी तक, पलस से नरी तक, दोहतरा से पदारधपुर तक, जसपुरा सिकहुला मार्ग से रामपुर तक तथा सिन्धन अदरी रोड से लसड़ा होते हुए गुरगवां तक के मार्ग का शीघ्र निर्माण कराया जाना जनहित में नितान्त आवश्यक है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र गंगोह में नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप चौधरी–

ख्महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र गंगोह, जनपद सहारनपुर में कोई भी नेत्र चिकित्सालय नहीं है। इससे क्षेत्रवासियों को नेत्रों के इलाज हेतु लम्बी दूरी तय करनी पड़ती है तथा ठीक प्रकार से इलाज नहीं हो पाता। गंगोह क्षेत्र में एक उच्च कोटि के नेत्र चिकित्सालय का निर्माण कराया जाना नितान्त आवश्यक है जिसके लिये जमीन भी आसानी से उपलब्ध हो जायेगी और क्षेत्रवासियों को सुविधा भी मिल जायेगी।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र मधुबन के ब्लाक दोहरीघाट की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री उमेश पाण्डेय–

ख्मान्यवर, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र मधुवन के ब्लाक–दोहरीघाट के अन्तर्गत ग्राम सभा करौदी नरायनपुर में स्व0 रामचन्दर यादव के आवास से सूरजपुर मुख्य सड़क आरा मशीन तक (ल0 लगभग दो कि0मी0) की सड़क अत्यन्त क्षतिग्रस्त अवस्था में है, उक्त क्षतिग्रस्त सड़क में जगह–जगह पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गये हैं जो कि वर्षा के समय तालाब का रूप धारण कर लेते हैं। उक्त क्षतिग्रस्त सड़क पर काफी संख्या में प्रतिदिन वाहनों का आवागमन होता है। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्रीय जनता एवं राहगीरों

नोट :–ख , यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

को आने–जाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वहां पर आये दिन राहगीरों के साथ सड़क दुर्घटनायें हो रही हैं। जिससे क्षेत्रीय जनता एवं राहगीर घायल हो रहे हैं। क्षेत्रीय जनता द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कराये जाने हेतु कई बार उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया जा चुका है, परन्तु सरकार द्वारा अभी तक क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण हेतु कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। जिसके कारण क्षेत्रीय जनता में अत्यधिक रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतएव आपके माध्यम से सरकार से जनहित में ब्लाक–दोहरीघाट के अन्तर्गत ग्राम सभा करौदी नरायनपुर में स्व0 रामचन्दर यादव के आवास से सूरजपुर मुख्य सड़क, आरा मशीन तक सड़क निर्माण कराये जाने की मांग करता हूं।,

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के कतिपय जर्जर मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आलमबदी–

ख्महोदय, श्रीमन् उपरोक्त के सम्बन्ध में आप द्वारा माननीय लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि मुख्य ग्रामीण मार्गों के बीच छूटे हुए खड़न्जे जनहित में आवागमन में जनता के लिये कठिनाई के कारण बने हुए हैं। कृपया इन छूटे खड़न्जों के भाग को लेपन स्तर तक निर्माण कराने का कष्ट करें। मार्गों की सूची निम्नवत् है :–

<u>विकास खण्ड–तहबरपुर–</u>

1–लखनूपुर हरैया सम्पर्क मार्ग एवं खलीफतपुर सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.100 कि0मी0।

2–ओहनी सिकन्दरपुर मार्ग एवं बेलवा विशूनपुर सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 1.50 कि0मी0।

3–पण्डिताड़न की पुलिया से करियावर सम्पर्क मार्ग एवं तहबरपुर–बैरनपुर सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.600 कि0मी0।

4–मेहमौनी अनुसूचित बस्ती सम्पर्क मार्ग से मेहमौनी राय बस्ती सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.500 कि0मी0।

5–सरायसागर सम्पर्क मार्ग एवं बनकट सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.800 कि0मी0।

<u>विकास खण्ड–मिर्जापुर</u>

6–मुडियार–दुर्वासा मार्ग से मद्दोपुर नहर होते हुए कलवारी मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.550 कि0मी0।

7–खण्डवारी नहर मार्ग से गंगापुर बिजौरा मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 2.10 कि0मी0।

नोट :–ख्, यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

<u>विकास खण्ड–रानी की सराय</u>

8–श्रीकान्तपुर यादव बस्ती सम्पर्क मार्ग एवं भैरोपुर सम्पर्क मार्ग के बीच अवशेष भाग का निर्माण कार्य, लम्बाई 0.800 कि0मी0।,

दिनांक 02 जून, 2011 को भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित शासनादेश का अनुपालन जनपद मेरठ में न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले)–

ख्महोदय, उ0 प्र0 सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण की नई नीति में शासनादेश सं0–632/एक–13–11–20 (29) 2004 दिनांक 02 जून, 2011 राजस्व अनुभाग–13 द्वारा पैरा–5 द्वितीय में स्पष्ट आदेश है कि प्रभावित भू–स्वामी यदि प्रतिकर प्राप्त होने की तिथि से एक वर्ष के अन्दर प्रतिकर की धनराशि की सीमा तक कृषि भूमि क्रय करते हैं तो भूमि क्रय करने पर देय स्टाम्प ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क से उन्हें छूट प्रदान की जायेगी। लेकिन मेरठ जनपद के अधिकारी नेशनल हाई–वे के लिये अधिकृत भूमि पर इस प्रकार की छूट नहीं दे रहे हैं। शासनादेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण किसानों में भयंकर आक्रोश व्याप्त है। मेरठ जनपद में नेशनल हाई–वे के साथ–साथ हवाई अड्डा, ट्रान्सपोर्टनगर व अन्य कार्यों के लिये भी भूमि का अधिग्रहण हुआ है लेकिन उनमें भी स्टाम्प ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट नहीं दी जा रही है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए शासनादेश का अनुपालन कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद फैजाबाद के कतिपय क्षेत्रों में व्याप्त पेयजल संकट का निराकरण कराये जाने हेतु स्थापित हैण्डपम्पों की रि–बोरिंग कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम चन्द्र यादव–

ख्महोदय, जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत विकास खण्ड मवई, रूदौली में पेयजल का गम्भीर संकट है। ग्राम पंचायत द्वारिकापुर, बघेड़ी, संड़वा, तालगांव, रतनपुर, शेरपुर, अमौली, रामपुर जनक, देवईत, नौगवांडीह, हंसराजपुर समगढ़, हरिचन्दपुर, रेंच, उमापुर, बदलेपुर, गनेशपुर, सुनबा बिहारा सहित दर्जनों गांव में पानी का स्तर बहुत ही नीचे चला गया है। जिसके कारण गांव में इण्डिया मार्का–2 हैण्डपम्प असफल हो रहे हैं। नौगवां डीह में सुरेश तिवारी के दरवाजे पर स्थापित इण्डिया मार्का–2 हैण्डपम्प का पानी जांच के बाद प्रदूषित पाया गया। इस इलाके की दर्जनों ग्राम पंचायतों का पानी खारा है। यहां पर पानी पीने के लिये ट्यूबवेल से व्यवस्था करनी पड़ती है या तो गोमती नदी से पानी लाना पड़ता है। जिले की बैठकों में, क्षेत्र पंचायतों की बैठकों में पेयजल की इस समस्या को जनप्रतिनिधियों द्वारा बार–बार उठाया जा रहा है परन्तु अभी तक समस्या के निदान के लिये अभी तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया

नोट :–ख्, यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

गया। क्षेत्र के सैकड़ों हैण्डपम्प फेल हो गये हैं जिन्हें रि–बोर कराया जाना है। परन्तु अभी तक जल निगम द्वारा फेल हैण्डपम्पों की रि–बोरिंग नहीं करायी गयी जिसके कारण ग्रामवासियों में आक्रोश है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कराये जाने की मांग करता हूं।,

श्री गिरीश हरिदास निवासी गुरगंवा, पो0–भडेरी, जिला शाहजहांपुर को लोकतंत्र सेनानी पेंशन तथा अन्य सुविधायें दिये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

ख्महोदय, आपातकाल के दौरान दिनांक 09 जनवरी, 1976 से 21 मार्च, 1977 तक डी0आई0आर0 की धारा–33 एवं मीसा में अपराध संख्या–643/75 थाना सदर बाजार जनपद शाहजहांपुर में श्री गिरीश हरिदास पुत्र श्री राम किशन हरिदास जिला कारागार शाहजहांपुर में बन्द रहे। लेकिन इनको अब तक लोकतंत्र सेनानी के रूप में पेंशन नहीं दी जा रही और न ही अन्य सुविधायें मिल रही हैं। जेल से रिकार्ड मंगाया गया तो जिला कारागार से यह कह दिया गया कि रिकार्ड समाप्त कर दिया गया है। जनहित में थाना सदर बाजार से रिकार्ड मंगाकर गिरीश हरिदास वर्तमान निवासी ग्राम गुरगवां, पो0–भडेरी, जिला शाहजहांपुर को लोकतंत्र सेनानी पेंशन तथा अन्य सुविधायें दी जायं।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए गिरीश हरिदास को लोकतंत्र सेनानी की पेंशन तथा अन्य सुविधायें दिये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।,

जनपद बुलन्दशहर के सिकन्द्राबाद तथा गुलावटी में सीवर व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती विमला सिंह सोलंकी–

ख्महोदय, जनपद बुलन्दशहर की नगरपालिका परिषद् सिकन्द्राबाद नगरपालिका परिषद् सिकन्द्राबाद की आबादी लगभग 1 लाख तथा गुलावटी की आबादी लगभग 70 हजार है लेकिन दोनों नगरपालिकाओं में सीवर की व्यवस्था नहीं है। अभी भी दोनों स्थानों पर काफी संख्या में लोग खुले में शौच जाते हैं। काफी घरों में आज भी पुराने तरीके के बने शौचालय प्रयोग में लाये जाते हैं। जिनका मल खुली नालियों में बहता है। कुछ घरों में भूमिगत टैंक बने हैं लेकिन उनके ओवर फ्लो होने पर गन्दा पानी खुली नालियों में बहता हुआ नालों तथा नदियों में गिरता है इससे एक तरफ दोनों शहरों में गम्भीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। वहीं प्रदेश तथा केन्द्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे नदियों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छ भारत अभियान को धक्का लगता है। जनहित में दोनों नगरों में सीवर व्यवस्था का होना अति आवश्यक है।

नोट :–ख्, यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः नियम–301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोकमहत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की मांग करती हूं।,

जनपद मेरठ में मेरठ दक्षिण विधान सभा की कतिपय टूटी सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम–301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रवीन्द्र भडाना–

ख्महोदय, मेरठ जिले की मेरठ दक्षिण विधान सभा क्षेत्र में निम्न टूटी सड़कों को पुनः बनाये जाने की आवश्यकता है। इन्द्रापुरम् क्षेत्र की सड़कें, परतापुर–दिल्ली रोड पर सरस्वती इण्डस्ट्रियल एरिया की सड़कें टूट चुकी हैं। परतापुर इन्डस्ट्रियल एरिया की सड़कें टूट गई है। दिल्ली रोड से मोहकमपुर–शिवपुरम् रोड, परतापुर से महरौली मार्ग, रिठानी से घोपला मार्ग, जुर्रानपुर फाटक से नरहाडा होते हुए हापुड़ रोड का चौड़ीकरण करके पुनः निर्माण जो टूट चुकी है, कताई मिल से ईटायरा रोड एम0डी0ए0 क्षेत्र में गगोल तीर्थ से गोटरा व गगोल के बाहर होते हुए गुमी होकर बाईपास तक के मार्ग का चौड़ीकरण टूटी सड़क का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में, गगोल तीर्थ से जो एम0डी0ए0 का क्षेत्र है। चान्दसारा होकर सलेमपुर होते हुए हापुड़ रोड मिलाने वाला मार्ग टूट चुका है, चौड़ीकरण कर पुनः निर्माण, ग्राम फफून्डा से 69 नं0 ट्यूबवेल से होकर पीपलीखेड़ा जाने वाला सम्पर्क मार्ग कच्चे को पक्का किया जाना चान्दसारा से खेड़ागांव का सम्पर्क मार्ग, गढ़ रोड पर दामोदर कालोनी, प्रेम प्रयाग एवं राजवंश बिहार, भोपाल बिहार की सड़कों का निर्माण शास्त्री नगर की सेक्टर–1 की टूटी सड़कों का निर्माण अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उक्त मार्गों का अविलम्ब निर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।,

ख11.45, औचित्य के प्रश्न की सूचना

श्री अध्यक्ष–

आज नियम–300 में श्री राम अगयश राम सरन वर्मा की जनपद पीलीभीत में शासकीय स्तर की बैठकों एवं सम्मेलनों में जन प्रतिनिधियों के बैठने हेतु उपयुक्त स्थान न दिये जाने एवं उनके प्रति प्रोटोकाल का पालन न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में एक सूचना जो पोषणीय नहीं है।

अब मद संख्या–2 माननीय पंचायती राज मंत्री जी।

लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या–04–2008 (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)

पंचायती राज मंत्री (श्री कैलाश)–

माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या–04–2008 (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त अधिनियम, 1975 की धारा–12 की उपधारा (7) के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2015

प्रमुख सचिव विधान सभा (श्री प्रदीप कुमार दुबे)–

श्रीमन्, आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2015, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 10 मार्च, 2015 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 10 मार्च, 2015 की बैठक में पारित किया था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 12 मार्च, 2015 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2015 का उत्तर प्रदेश का पहला अधिनियम बन गया।

श्री अध्यक्ष–

सदस्यों की गिरफ्तारी व निरोध की कोई सूचना नहीं है।

उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की लोक लेखा समिति (2013–2014) का षष्ठ प्रतिवेदन[४]

डा0 धर्म सिंह सैनी–

मान्यवर, आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की लोक लेखा समिति (2013–2014) का षष्ठ प्रतिवेदन, जो भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक का 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिये प्रतिवेदन (राजस्व प्राप्तियां) में उल्लिखित वन विभाग तथा कर एवं निबन्धन (स्टाम्प–रजिस्ट्रेशन) विभाग से सम्बन्धित आडिट आपत्तियों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (2013–2014) का बारहवां प्रतिवेदन४

श्री शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिवबाबू–

मान्यवर, आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (2013–2014) का बारहवां प्रतिवेदन, जो खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्राक्कलनों वर्ष 2009–2010, 2010–2011 तथा 2011–2012 के परीक्षण के सम्बन्ध में है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (2013–2014) का तेरहवां प्रतिवेदन[४]

श्री शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिवबाबू–

मान्यवर, आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (2013–2014) का तेरहवां प्रतिवेदन, जो प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्राक्कलनों वर्ष 2009–2010, 2010–2011 तथा 2011–2012 के परीक्षण के सम्बन्ध में है, प्रस्तुत करता हूं।

कार्य–स्थगन प्रस्ताव की सूचनायें

श्री अध्यक्ष–

---

[४] छापा नहीं गया।

[४] छापा नहीं गया।

मद संख्या–8, 9 व 10 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या–11 कार्य–स्थगन की सूचनायें।

आज दिनांक 17–03–2015 को नियम–56 के अन्तर्गत कुल 24 सूचनायें प्राप्त हुईं, जिनमें शलाका के आधार पर निम्नलिखित सूचनायें चयनित की गई। प्रथम तीन सूचनाओं को ग्राह्यता हेतु सुना जायेगा। शेष सूचनाओं पर शासन का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है।

पहली सूचना श्री अमर पाल शर्मा जी की जनपद गाजियाबाद के साथ ही पूरे प्रदेश में प्रबन्ध समितियों द्वारा चलाये जा रहे पब्लिक स्कूलों में मनमाने ढंग से शिक्षा शुल्क की वसूली से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

दूसरी सूचना श्री स्वामी प्रसाद मौर्य व उनके दल के मा0 सदस्यों की देश में जन्मे विभिन्न संतों के सम्मान में स्थापित प्रेरणा स्थलों आदि के रख–रखाव, सुरक्षा तथा बिजली, पानी के आपूर्ति के अभाव में उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

'श्री अमर पाल शर्मा–

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने नियम–56 के इस बड़े महत्वपूर्ण प्रश्न पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्ष–

हालांकि यह बात कल आपको बोलनी चाहिए थी, कल आप बोल नहीं सके।

श्री अमर पाल शर्मा–

माननीय अध्यक्ष जी, पिछले वर्ष भी मैंने यह प्रश्न इसी विधान सभा में उठाया था। जो पब्लिक स्कूल हैं उनके द्वारा आम जनता का इतना शोषण हो रहा है कि जो लोग नौकरी पेशे वाले हैं वह अपने बच्चों को नहीं पढ़ा पा रहे हैं, उनकी सबसे बड़ी दिक्कत क्या है कि हर वर्ष पब्लिक स्कूल मनमाने ढंग से 40–50 प्रतिशत से 60–70 प्रतिशत, फीस हर वर्ष बढ़ाते हैं जिससे आये दिन आम जनता के अंदर अपनी रोजी–रोटी को चलाने के लिए हर चीज में उनको कटौती करनी पड़ती है कि वह अपने बच्चों को पढ़ायें या अपने घर को चलायें। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है पिछली बार भी माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि हम इसमें जल्दी ही कुछ कर रहे हैं। सरकार जल्दी ही इसमें कुछ करने जा रही है। लेकिन न सरकार की तरफ से ऐसा कोई व्हिप जारी हुआ कि इसमें कुछ न कुछ उन स्कूलों पर नकेल कसी जाए न कोई ऐसा आदेश जारी हुआ कि फीस का मानक तय किया जाय कि हर वर्ष या तो 10 प्रतिशत या पांच प्रतिशत आप फीस बढ़ा सकते हैं जब उन्होंने देखा कि सरकार भी कुछ नहीं कर रही है तो इस वर्ष उन्होंने डबल काम कर दिया पहले वह 25 प्रतिशत फीस बढ़ा रहे थे अब 60–60 फीसदी फीस बढ़ाना उन्होंने चालू कर दिया। यही नहीं जो बच्चा तीसरी क्लास में पढ़ रहा है या सातवीं क्लास में पढ़ रहा है जब वह आठवीं में आता है तो उनसे भी शुल्क लिया जाता है जबकि यह एक रूटीन है कि जो

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

बच्चा उसी स्कूल में पढ़ रहा है उससे इस तरह की फीस किसलिए। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी इस पर कोई कार्यवाही करें क्योंकि आपकी खुद की इच्छा रहती है कि समाज जब पढ़ेगा–लिखेगा नहीं तो आगे कैसे जाएगा। भ्रष्टाचार की सीढ़ी यहीं से स्टार्ट होती है क्योंकि आदमी भ्रष्टाचार कब करता है मेरी सोच में वह भ्रष्टाचार में तब लिप्त होता है जब वह यह देखता है कि मेरे बच्चे का एडमीशन कराना है।

श्री अध्यक्ष–

आप ग्राह्यता पर बोलें दर्शन की बात क्यों समझा रहे हैं।

श्री अमर पाल शर्मा–

मैं उसी पर आ रहा हूं। जब उसे लगता है कि मुझे अपने बच्चे का एडमीशन कराने के लिए लाखों रुपए खर्च करने पड़ेंगे तो वह संतुष्ट नहीं होता है और कहीं न कहीं डगमगा जाता है। हम इन स्कूलों के खिलाफ ऐसा कोई नियम बना दें कि जितने भी पब्लिक स्कूल हैं वह अपनी मर्जी से फीस न बढ़ा सकें। ताकि आम जनता के लिए बहुत बड़ी राहत हो जाए और बच्चे कायदे से पढ़ लें मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि वह ऐसा कोई निर्देश दे दें ताकि स्कूलों को निर्देश चला जाए कि सरकार आपके कहने से नहीं चल रही है सरकार जनता के हित में काम कर रही है और जनता के हित में फैसला करेगी। अध्यक्ष जी आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

'बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री रामगोबिन्द चौधरी)–

माननीय सदस्य ने जो सवाल उठाया है वह है तो वाजिब अध्यक्ष जी मैंने अखबार में ही पढ़कर इस पर अधिकारियों को निर्देश दिया था कि पब्लिक स्कूल जो अधिक फीस ले रहे हैं व अभिभावकों को जो परेशानी हो रही है उसको कैसे दूर किया जाए और कैसे फीस घटाई जाए एक हमारे सामने दिक्कत आ रही है कि यह जो स्कूल हैं कुछ तो मिशनरी के स्कूल हैं कुछ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड से मान्यता लिए हैं। हमारे विभाग से जो मान्यता लिए हैं उनको तो मैंने कंट्रोल किया हुआ है लेकिन इन स्कूलों की हम मान्यता भी समाप्त नहीं कर सकते हैं। क्योंकि उनकी मान्यता सी0बी0एस0ई0 बोर्ड से है इसलिए हमारे पास अधिकार ही नहीं है। सी0बी0एस0ई0 बोर्ड केन्द्र से संचालित होता है हम इसमें लगे हुए हैं कि फीस को कम कराएं। यह स्कूल किसी न किसी बहाने से फीस बढ़ा देते हैं कभी कापी के नाम पर कभी किताब के नाम पर कभी खेल के नाम पर कभी कूद के नाम पर यह गम्भीर समस्या है। लेकिन हमारी भी मजबूरी है हम न तो उनकी मान्यता खत्म कर सकते हैं न उस पर एफ0आई0आर0 कर सकते हैं। केन्द्र सरकार इस बात पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड को अगर यह निर्देश दे राज्य सरकार को पावर दे उनके निरीक्षण की उनकी मान्यता समाप्त करने की तो मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि ऐसे स्कूलों की मान्यता हम समाप्त कर देंगे जो इस तरह से फीस लेते हैं लेकिन यह हमारे अधिकार में है नहीं।

श्री अध्यक्ष–

प्रस्तुत सूचना पर मैंने अमर पाल शर्मा को सुना मंत्री जी को सुना यह सूचना नियम–56 में नहीं आती इसके लिए अग्राह्य किया जाता है।

श्री अमर पाल शर्मा–

मान्यवर, मेरा कहना है कि आप इसकी जांच करवाएं यह गम्भीर मामला है।

श्री अध्यक्ष–

अब आप बैठ जाएं मैंने अगला नाम पुकार लिया है। कल तो आपने इस पर कुछ बोला नहीं।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)–

माननीय अध्यक्ष जी इसमें दो तीन काम हो सकते हैं एक जब यह मान्यता दी जाती है तो यह डी0आई0ओ0एस0 और हमारे कमिश्नर की रिकमण्डेशन पर दी जाती है आइन्दा जब एन0ओ0सी0 दी जाए ऐसे एप्लाई करने वालों को तो उनसे एक अण्डर टेकिंग ली जाय कि जब तब आप रीजनेबुल फ़ीस नहीं लेंगे हम आपको एन0ओ0सी0 नहीं देंगे। हम एक चेक लगा सकते हैं। दूसरा सुप्रीमकोर्ट का बड़ा स्पीकिंग आर्डर है कि 25 प्रतिशत गरीब बच्चों की फीस माफ करेंगे। जिसको लागू नहीं किया है यह दो हथियार हमारे पास ऐसे हैं जिनका हम इस्तेमाल कर सकते हैं इसके अलावा मैंने सदन में पहले भी कहा था कि अगर यह ज़िम्मेदारी हम सब लोग अपने ऊपर ले लें क्योंकि हम लोग समाज के वह लोग हैं जिनका अपना प्रभाव है इसीलिए यहां चुनकर आए हैं। अगर हम एक स्कूल भी पांचवें, छठे तक का नहीं खोल सकते सी0बी0एस0ई0 बोर्ड का, तो फिर आप राजनीति ही क्या कर रहे हैं। हमने एक स्कूल खोला बच्चियों का, किस कद्र कामयाब रहा वो। बच्चों का खोल रहे थे, परसों एडमिशन्स थे। इतनी भीड़ थी कि हमें पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस कन्ट्रोल नहीं कर सकी तो मैं यह एनाउन्स करके चला गया कि अब दो दिन बाद हम टाइम देंगे ताकि बैरीकेटिंग कर सकें, दाख़िला करा सकें सी0बी0एस0ई0 बोर्ड का। हम पहल तो करें, अगर हम यह ज़िम्मेदारी ले लेंगे तो यह ज़ितने मिशनरी स्कूल चल रहे हैं सबके दिमाग ठीक हो जायेंगे। हमारे शहर से लीजिये आप यह सबक कि हमारे यहां सी0बी0एस0ई0 के और दूसरे जितने भी स्कूल अंग्रेज़ी माध्यम के हैं उन्होंने फ़ीस बढ़ाने के बजाय फ़ीस घटाई है। कम की है फीस। तो इस पर भी थोड़ा विचार करें कि हम लोग अपने भी स्कूल खोलने की शुरुआत करें। राजनैतिक तौर पर भी यह हमारे लिये फ़ायदेमंद होगा।

श्री अध्यक्ष–

माननीय मौर्या जी, संक्षेप में जल्दी–जल्दी कहें। आज बहुत बड़ा बजट है।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)–

माननीय अध्यक्ष जी, इस देश में जन्मे संतों, गुरुओं, महापुरुषों के नाम पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अनेक स्मारक बनवाये गये हैं। मान्यवर, जिसमें से डा0 अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल स्मारक, सामाजिक परिवर्तन प्रतीक स्थल, परिवर्तन चौक, मां0 कांशी राम ईको गार्डन, मां0 कांशी राम स्मारक प्रेरणा स्थल, मा0 कांशी राम जी ग्रीन गार्डन, बौद्ध विहार। लेकिन मान्यवर, कहीं न कहीं राजनीतिक कुन्ठा से ग्रसित

हो करके सरकार अपनी ही सम्पत्ति की रखवाली, रख–रखाव, रक्षा और बिजली, पानी आदि देने में कहीं न कहीं कोताही कर रही है। चूंकि मान्यवर, इन स्मारकों पर लाखों की तादात में इन सामाजिक परिवर्तन के महानायकों के अनुयायी यहां पर देखने के लिये आते हैं और यही नहीं मान्यवर, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अति महत्वपूर्ण स्थल होने के नाते शाम–सुबह हजारों की तादात में छोटे–छोटे बच्चे, महिलाएं अपने अभिभावक के साथ डा0 अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल को देखने के लिये आते हैं लेकिन जब वहां अन्धेरा रहता है। रख–रखाव में असुविधा होती है, साफ सफाई नहीं होती है और बड़े पैमाने पर वहां पर गन्दगी होती है तो कहीं न कहीं उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचती है और मान्यवर, इस अच्छी जगह को जिस तरीके से देखने के लिये आते हैं तो उनको निराशा हाथ लगती है। यही नहीं, मान्यवर, कुछ ऐसे भी मौके आते हैं जब बड़े पैमाने पर 15 मार्च, 14 अप्रैल, 6 नवम्बर, और 9 अक्टूबर आदि तिथियों को बड़े पैमाने पर जिस तरीके से कार्यकर्ता लाखों की तादात में यहां आते हैं और यहां की हालात को देखकर चिन्ता व्यक्त करते हुए जाते हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसमें भारतीय संविधान निर्माता परम पूज्य डा0 अम्बेडकर का भी स्मारक है, वहीं पर सामाजिक परिवर्तन के महानायक ज्योतिबा राव फूले का भी है, आरक्षण के नायक छत्रपति शाहू जी महाराज जी का भी है पेरियार रामा स्वामी नारायणन गुरू का भी है और साथ ही साथ सामाजिक परिवर्तन के आन्दोलन के मान्यवर महारथी मा0 कांशी राम जी का भी है। मान्यवर, यह राज्य सरकार की सम्पत्ति है, यह बहुजन समाज पार्टी की सम्पत्ति नहीं है, किसी व्यक्ति विशेष की सम्पत्ति नहीं है, लेकिन सरकार अपनी ही सम्पत्ति के साथ कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रह और कुन्ठा से ग्रसित हो करके भेदभाव करने का काम करती है इसलिये मान्यवर, देश के तमाम करोड़ो–करोड़ों अनुयायी, समर्थक जब यहां पर आते हैं देखते हैं, इस दयनीय हालत को तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचती है। मान्यवर, उनमें जनाक्रोश भी है, इसलिये इस अति लोक महत्व के प्रश्न पर मैं सदन की सारी कार्यवाही को रोक करके चर्चा कराने की मांग करता हूं और अपेक्षा करता हूं कि जो यहां पर रख–रखाव पर कटौती की जा रही है, बिजली पानी में कटौती की जा रही है, भेदभाव किया जा रहा है मान्यवर, वह दूर हो जिससे कि आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इसलिए मान्यवर मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सदन की सारी कार्यवाही को रोककर इस पर चर्चा करायें। ताकि जो समस्यायें हैं उन समस्याओं का निराकरण हो सके।

श्री मोहम्मद आजम खां–

मान्यवर, नेता प्रतिपक्ष ने इस सवाल को उठाया है नियम–56 के माध्यम से, मैं यह तो नहीं कहूंगा कि आप गलत कह रहे हैं लेकिन यह ज़रूर कहूंगा कि आप सही नहीं कह रहे हैं। जिस तरह से वह आपके लिए सम्माननीय हैं उसी तरह से समाजवादी पार्टी के लिए और किसी भी देशवासी के लिए है, और कोई भावना ऐसी नहीं है कि इसलिए सफ़ाई न कराई जाए या इसलिए कर्मचारी हटाए जाएं कि उनको अपमानित करना है, ऐसा कोई भाव नहीं है, ऐसा मन में नहीं रहना चाहिए। ज़ाहिर है कि वह एक

क़ीमती ज़ायदाद है सही और ग़लत की बहस का अब समय नहीं रह गया है, लेकिन क्योंकि बनाया है और हर ग़रीब मेहनतकश मजदूर का खून पसीना उसमें लगा हुआ है, जो गाढ़ी कमाई थी ग़रीबों की उससे यह बड़े–बड़े पार्क बनाये गए हैं पत्थर का बहुत क़ीमती सैकड़ों हजारों करोड़ों का काम है ज़ाहिर है कि यह ग़रीबों की मेहनत का पैसा है किसानों की मेहनत का पैसा है और गरीबों किसानों की ख़ून पसीने की कमाई का पैसा है जो इसमें लगाया गया है तो इसका ध्यान रखना सरकार की ज़िम्मेदारी है हम रखते हैं उसका ख़्याल।

श्री अध्यक्ष–

अब मौर्या जी उन्होंने कह तो दिया। हो गया।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

हो कहां गया, जो समस्या है उसके निदान की बात तो कही नहीं।

श्री अध्यक्ष–

उन्होंने कह दिया कोई दुर्भावना नहीं है। ऐसा भाव नहीं है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मैं माननीय मंत्री जी से इस बात का आश्वासन चाहता हूं कि जो बिजली पानी की कटौती हो रही है उस समस्या को तत्काल दूर करेंगे। रख–रखाव की जो बेहतर सफाई होनी चाहिए जो पूर्व में हो रही थी उसको बहाल करना चाहिए ताकि वहां जाने वाले लोगों को वहां नाक दबाकर न जाना पड़े। असुविधा न हो इसलिए मान्यवर, इन समस्याओं का, जिनका मैंने जिक्र किया उनके निदान का आश्वासन नहीं आया।

श्री मोहम्मद आज़म खां–

मान्यवर, यह सीधे लांछन है सरकार पर और मेरा आग्रह है नेता प्रतिपक्ष से कि चुनाव क़रीब होने का मतलब यह नहीं है कि वह असत्य से काम लें। ऐसी बात वह न करें जिससे समाज के लोगों में आपस में कटुता और नफ़रत पैदा हो। आप इस तरह की बातें करके आपसी भाईचारे को नुक़सान पहुंचाएंगे। कटुता पैदा करेंगे, वोटों के लिए इतना गिरकर अपनी बात कहेंगे यह मुनासिब नहीं है। मान्यवर, अगर कोई रुटीन फ़ाल्ट हो जाए, उसमें कहीं तार जल गया, कहीं ट्रांसफ़ार्मर फुंक गया उसकी बुनियाद पर अगर कभी लाइट न रही हो तो उसके लिए मैं कुछ नहीं कह सकता, फ़ौरी तौर पर उसको ठीक किया जाता है। क्योंकि तन्हा उस पार्क को लाइट नहीं दी हुई है वह कालोनी से जुड़ा है बहुत लोग अंधेरे में चले जाएंगे। सिर्फ़ पत्थरों का स्थल ही अंधेरे में नहीं चला जाएगा ज़िन्दा इंसानों को भी इससे तकलीफ़ पहुंचेगी, इसलिए इसका कोई सवाल नहीं उठता कोई पक्षपात नहीं है।

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मान्यवर, निश्चित जानकारी के हिसाब से तथ्य रख रहा हूं। माननीय मौर्य जी ने कहा कि महापुरुषों के नाम से जो स्मारक बने हैं उसमें बिजली, पानी सफाई को लेकर कहा है लेकिन मैं इससे हटकर दूसरी बात कहना चाहता हूं मान्यवर, इन स्मारकों की सुरक्षा का भी ख्याल सरकार को रखना चाहिए। यह सरकारी सम्पत्ति है जैसा कि संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा है चाहे जिस रूप में कहा हो, लेकिन यह आपकी

जिम्मेदारी बनती है मेरी निश्चित जानकारी है कि जो बुद्धा गार्डन है मान्यवर, तांबे के जो हाथी बने हैं उनको लोग काटकर ले गए कटर लाकर हाथी काटकर ले गए। जांच मंत्री जी करा लें, आप नहर पर चले जाएं कांसीराम जी की स्मारक है इको गार्डन के चौराहे पर बुद्धा जी की मूर्ति लगी है उसमें ग्रे नाइट के इतने खूबसूरत पत्थर लगे हैं, तस्तरियां लगी हैं उनको लोग काटकर ले गए। ताबें के गेट काटकर ले गए तो इसमें सरकार की जिम्मेदारी बनती है सरकार इसका ध्यान रखे, सरकार उसकी सुरक्षा करे।

श्री मोहम्मद आजम खां–

मान्यवर, यह दिखवा लिया जाएगा और मैंने फिर कहा आपसे कि बहुत कीमती ग्रेनाइट लगा, मेहनतकश मजदूरों के पैसे से, बहुत कीमती पीतल लगा उन गरीबों की मेहनत से जिनके पास झोपड़ी नहीं है, जिनके पास खाने को रोटी नहीं है यकीनन यह चिन्ता का विषय है कि इतना कीमती इतना मंहगा काम हुआ, खजाना खाली हो गया, उसकी रखवाली होनी चाहिए। क्योंकि यह किसी राजनैतिक दल की धरोहर नहीं है, महापुरुषों के नाम पर बनाई गई यह कीमती, बेशकीमती, मुगल बादशाहों जैसी इमारतें, तो जिस तरह से मुगल बादशाहों की यादों को जिन्दा रखा जा रहा है। उनकी चीज़ों को संजोया जा रहा है तो बिल्कुल उसी पैटर्न पर जो इमारतें बनी हैं उन इमारतों को देखकर ऐसा लगता है जैसे दौर–ए–बादशाहत आ गया है। मान्यवर, मुग़लों और आज के लोकतंत्र के बीच का जो फ़ासला था उस फ़ासले को आपने कम किया है, बल्कि ख़त्म किया है। ग़रीबों का, मेहनतकशों का, मज़दूरों का, कमज़ोरों का, लाचारों का पैसा इसमें लगा है। हमें अपनी बात कहने दीजिये। आप इतने गुस्से से काम न लीजिये। आपने पिछले पांच वर्षों में बहुत गुस्सा किया है, थोड़ा गुस्सा कम कीजिये। ग़रीबों और मेहनतकशों के पैसों से जो कुछ बना है उसका सम्मान कीजिये। आप बैठें। आप लोकतंत्र की शराफ़त को पहचानें। आपकी तेज आवाज़ से और आपके बुलडोज़रों से कोई डरने वाला नहीं है।

(बहुजन समाज पार्टी के अनेक सदस्यों द्वारा खड़े होकर एक साथ बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

श्री इन्द्रजीत सरोज–

आपकी सरकार अब जाने वाली है। आप कोई काम करें तो अच्छा है और हम कोई काम करें तो गलत है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, हमारी सरकार में बनाये गये स्मारकों को पत्थर कहकर के जिस तरीके से मजाक उड़ाकर के अपनी घिनौनी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। जिस तरीके से दलितों की उपेक्षा की, जिस तरीके से दलितों का अपमान किया, जिस तरीके से दलित समाज के साथ मजाक किया उसी प्रकार से दलित समाज में पैदा होने वाले महापुरुषों का भी अपमान किया है।

श्री मोहम्मद आजम खां–

मान्यवर, यह समाज के अन्दर दरार पैदा करने वाले लोग हैं। यह समाज के अन्दर नफ़रत पैदा करने की कोशिश है। यह कमज़ोर को कमज़ोर से लड़ाने की कोशिश है। यह इंसानों को इंसानों से लड़ाने वाले लोग हैं। इनकी नीति ही नफ़रत पैदा कराना है।

(नेता विरोधी दल श्री स्वामी प्रसाद मौर्य अपने सभी सदस्यों के साथ सदन के वेल में आकर नारे लगाने लगे)

श्री अध्यक्ष–

अब आपने अपना विरोध प्रकट कर दिया है। अब आप अपनी सीटों पर चलें। आपने अपनी बात कह ली और अपना विरोध भी प्रकट कर दिया। आपसे निवेदन है कि आप अपनी सीटों पर चलें। मा0 मौर्य जी, आपने अपनी बात उठा दी और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा कि उनका सम्मान करते हैं और कोई ऐसी बात नहीं है। बाद में आप लोगों की बातें चलीं, लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है जिसमें उन्होंने अपमान प्रदर्शित किया हो। आपसे आग्रह है। आपने अपना रोष प्रकट कर दिया। आपने अपना गुस्सा दिखा दिया और आपकी बात आ गई है अब आप अपनी सीटों पर चलिये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, जिस तरीके से महापुरुषों के सम्मान में स्थापित स्मारकों को पत्थर कहकर मजाक उड़ा रहे हैं और कहते हैं कि मजदूरों के खून और पसीने का पैसा लगा है तो यह उन्हीं गरीबों के मसीहा हैं। अगर बसपा सरकार में उनको यह सम्मान दिया गया है तो उसकी खिल्ली उड़ाने का अधिकार उनको नहीं है। मान्यवर, यह रक्षा नहीं कर सकते, लेकिन ऐसी बात करके यह अपनी ख्ग ग ग, मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी इसकी निंदा करती है।

(व्यवधान जारी)

(वेल से बहुजन समाज पार्टी के सदस्य सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे)

(व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

अब आप लोग अपने स्थानों पर चलें। माननीय नेता प्रतिपक्ष, आपकी पार्टी ने अपने रोष को प्रकट कर लिया, सारे सदन और सारे लोगों ने आपके गुस्से को देखा, आपकी भावनाओं को समझा। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप लोग अपनी सीटों पर चलें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, जिस तरीके से संसदीय कार्य मंत्री समस्याओं को निदान कराने के बजाय उस पर व्यंग करके महापुरुषों का अपमान कर रहे हैं, बहुजन समाज

नोट :–ख्ग ग ग, यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

पार्टी, सरकार की इस ख्या ग ग , मानसिकता को देखते हुए सदन से बहिर्गमन करती है।

(बहुजन समाज पार्टी के नेता श्री स्वामी प्रसाद मौर्या अपने दल के सदस्यों सहित सदन से बहिर्गमन कर गए)

श्री अध्यक्ष–

दूसरी सूचना श्री अनुग्रह नारायण सिंह जी की है।

(श्री दलवीर सिंह के खड़े हो जाने पर)

श्री अध्यक्ष–

दलवीर सिंह जी, आपका भट्टा परसौल का है, ध्यान आकृष्ट किया है, अभी पढ़ देता हूं, आप बैठिए।

अखिलेश प्रताप जी, आपने जो यह सूचना दी है, इस पर आप संक्षेप में कह लीजिए। यह हमसे या इस विधान सभा से सम्बन्धित प्रश्न नहीं है, यह दिल्ली का मामला है, यह पार्लियामेण्ट में उठना चाहिए, यह यहां नहीं उठना चाहिए। इसका यहां से कोई मतलब ही नहीं है।

श्री अखिलेश प्रताप सिंह–

अध्यक्ष जी, हमारे सांसद इसी प्रदेश से हैं और वह हिन्दुस्तान के सबसे ज्यादा फर्स्ट परसेप्शन के व्यक्ति हैं। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी जहां भी जाते हैं, वहां की होती है। मान्यवर, श्री अनुग्रह नारायण सिंह जी आ गए हैं, कानक्लूड करना चाहें।

माननीय अध्यक्ष जी, भारत 1947 में आजाद हुआ, 15 अगस्त, 1947 को फासिस्ट और साम्प्रदायिक तत्वों ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी। यह देश में पहली बार हुआ है, पूरी दुनिया में कि जिस व्यक्ति ने आजादी दिलायी, जिसका योगदान रहा, जिसको राष्ट्रपिता कहा गया, उसकी 6 महीने में साम्प्रदायिक और फासिस्टी ताकतों ने हत्या कर दी। इस सम्बन्ध में कई विचार थे, राजनीतिक दलों के, लेकिन बाद में इस समय सारे राजनीतिक दलों के लोग और दुनिया के लोग उनको यह मानते हैं कि हां वह शान्ति के दूत थे और उन्होंने लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ी। वह कांग्रेस से सम्बन्धित थे।

श्री अध्यक्ष–

आप विषय पर आइये। आप वहां कहां चले गए जो विषय है, उस पर बोलिए, आप इतिहास बतायेंगे तो इतना समय नहीं है।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

मान्यवर, यह सुरक्षा की बात है, इसी के बाद उन्हीं तत्वों ने 31 अक्टूबर, 1984 को श्रीमती इन्दिरा गांधी, प्रधानमंत्री की हत्या करा दी। फिर इसी के बाद 21 मई, 1991

को देश के ही प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी जी की हत्या जातीय तत्वों ने कर दी, वह भी कांग्रेस के ही थे। कांग्रेस के तीन लोगों की हत्या आजादी के बाद से हुई। राहुल गांधी जी भी इन्हीं श्रीमती इन्दिरा जी के पौत्र और राजीव जी के पुत्र हैं और चूंकि प्रधान मंत्री के परिवार को एस0पी0जी0 सुरक्षा–व्यवस्था दी जाती है, इसलिए इन लोगों को भी प्राप्त है। सारी जानकारियां पूरे राष्ट्र को, पूरे गुप्तचर विभाग को इन लोगों के सम्बन्ध में है। अभी 14 मार्च को दिल्ली पुलिस के कुछ लोग उनके घर पर गए। ऐसी जानकारियां जो किसी के भी जीवन की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती हैं उन सबको संकलित करने की उन्होंने चेष्टा की। यह जानकारियां अगर किसी के पास हैं तो कहीं पर भी किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। राहुल गांधी जी अमेठी से सांसद हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। उनको उत्तर प्रदेश में तथा देश में सब जगह आना–जाना पड़ता है और उनके यहां पर दो–दो घटनाएं ऐसी हो चुकी हैं। इसलिए यह सूचनाएं उनके जीवन के लिए बहुत ही खतरनाक हैं।

श्री अध्यक्ष–

यह तो वहीं का विषय है यहां से उसे कोई मतलब नहीं है।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

मान्यवर, यह कहा जा रहा है कि यह जानकारियां 546 लोगों की ली जा रही हैं।

श्री अध्यक्ष–

आप अमेठी से सम्बन्धित बात करिए जो दिल्ली की बात है वह यहां नहीं आयेगी। क्यों आप समय नष्ट कर रहे हैं।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

मान्यवर, मैं राहुल गांधी जी की सुरक्षा की बात कर रहा हूं कि यह कहा जा रहा है कि जानकारियां सभी लोगों की ली जा रही हैं। किन्तु यह एक जनरल सर्वे नहीं है। मैं इस बात का संज्ञान दिलाना चाहता हूं कि आज सबका साथ सबका विकास, सबके लिए मन की बात, इस तरह की बनावटी चीजें हो रही हैं। अगल–बगल के देशों को शपथ ग्रहण में बुलाया जा रहा है। क्रिकेट मैच हो रहा है तो सब देश को शुभकामनाएं देते हैं। यह कोई बात गलत नहीं है। आज भारत का सुरक्षा सलाहकार जासूस है।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अखिलेश प्रताप सिंह–

मान्यवर, इन्हें क्या परेशानी है। यह लोग नहीं चाहते हैं किसी की सुरक्षा पर बात करना। राहुल जी की उत्तर प्रदेश में सुरक्षा की बात की जा रही है। समस्या इनको शुरू हो रही है। वह अमेठी से सांसद हैं। उनकी सुरक्षा से न इंतजामी यह रखते हैं।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

मान्यवर, मैंने किसी को कुछ नहीं कहा। ऐसी कोई बात नहीं की। ये चोर की दाढ़ी में तिनका है यह सवाल क्यों आ गया। मैंने किसी का कोई नाम नहीं लिया।

श्री अध्यक्ष–

मैं इसे अग्राह्य करता हूं। यह विषय यहां से सम्बन्धित नहीं है। इसलिए इस पर यहां बात नहीं हो पायेगी। चलिए हो गया। सुरेश राणा जी आप बताओ न। अपने वाले विषय पर बोलो।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्य वेल में आ गए)

(घोर व्यवधान जारी)

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

केन्द्र सरकार विशेष लोगों की विशेष जांच करा रही है। मान्यवर, मैंने किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं लिया। मैंने कहा राहुल गांधी जी की सुरक्षा यहां के अन्य लोगों से अलग है। सोनिया जी की सुरक्षा अन्य लोगों से अलग है। प्रियंका गांधी जी की सुरक्षा अन्य लोगों से अलग है।

श्री अखिलेश प्रताप सिंह–

मान्यवर, यह इनकी मानसिकता को दर्शा रहा है।

श्री अध्यक्ष–

सीटों पर चल कर कहिए।

(इसी बीच भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी के कई सदस्य एक साथ अपनी बातें कहते रहे लेकिन घोर व्यवधान के कारण उनका भाषण सुना नहीं जा सका)

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

मान्यवर, इसे कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री सतीश महाना–

मान्यवर, यह कहा गया है कि महात्मा गांधी कांग्रेस के थे। सब जगह यह बात तय होनी चाहिए। ये मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गए हैं।

श्री अध्यक्ष–

कांग्रेस के सभी सदस्य बैठ जाएं क्यों व्यवधान की स्थिति पैदा कर रहे हैं। जहां बोलना है उस पर बोलते नहीं हैं।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्री अध्यक्ष–

मैं 10 मिनट के लिए सदन को स्थगित करता हूं।

(व्यवधान के कारण 12 बजकर 20 मिनट पर श्री अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी)

(12 बजकर 30 मिनट पर डिप्टी मार्शल ने सदन को सूचित किया कि माननीय अध्यक्ष ने सदन का स्थगन दस मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(12 बजकर 40 मिनट पर सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई)

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

माननीय अध्यक्ष जी, हमारी स्पष्ट मांग है कि इनको कार्यवाही से निकाला जाये। यह बातें किसी भी हालत में कार्यवाही का हिस्सा नहीं हो सकतीं।

श्री अध्यक्ष–

अब नियम–56 की कोई सूचना नहीं ली जायेगी अब बजट पर चर्चा। माननीय मंत्री जी मद संख्या–12 बजट।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्यगण सदन के वेल में आ गये)

श्री अध्यक्ष–

आप लोग अपनी सीट पर जाइये। आप न बोलिये।

(तत्पश्चात् भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्यगण अपने स्थान पर वापस चले गये)

श्री अध्यक्ष–

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी इनका कहना है सुरक्षा के बारे में कि उत्तर प्रदेश में कोई माननीय आये तो उनकी सुरक्षा के बारे में बात हो। हम अब कुछ बात नहीं करेंगे। हम बजट पास करा लेंगे आप ऐसे ही रह जायेंगे।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यगण सदन के वेल में आ गये)

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

जो कुछ भी कांग्रेस के सदस्यों ने कहा उसे कार्यवाही से निकाला जाये। वह कार्यवाही का हिस्सा नहीं हो सकता।

श्री अध्यक्ष–

आप लोग अपनी जगह जायें। जो असंसदीय होगा उसे निकाल दिया जायेगा। अब आप लोग अपनी सीट पर चलिये।

(तत्पश्चात् भारतीय जनता पार्टी के सदस्यगण अपने स्थान पर वापस चले गये)

श्री अध्यक्ष–

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी यह इनकी डिमांड है जैसा कि इनका कथन है कि माननीय राहुल गांधी जी जब उत्तर प्रदेश में आवें तो उनकी सुरक्षा के बारे में बस। यह कह चुके हैं बस इतना ही कहना है।

श्री मोहम्मद आजम खां–

माननीय अध्यक्ष जी किसी भी राजनैतिक दल को दूसरे राजनैतिक दल से विवाद हो सकता है, विरोध होता है तभी लोकतंत्र मजबूत होता है लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि नेहरू परिवार ने जिस तरह से नुकसान उठाया है, पूरा देश उससे परिचित है और उनके पूरे परिवार के साथ सुरक्षा कारणों से बल्कि असुरक्षा कारणों से ख़ास व्यवस्था की गयी है। उन्हें केवल प्रधानमंत्री की ही सुरक्षा नहीं है, क्योंकि श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की हत्या हुई, खुद अपने घर में हुई। फिर राजीव गांधी जी की हत्या हुई, पड़ोसी राज्य में हुई। मान्यवर, अब क्योंकि राहुल गांधी जी के बारे में बड़ी फिक्रमंदी है कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को, हालांकि यह सही बात है कि यह इश्यू उत्तर प्रदेश विधान सभा का नहीं है।

श्री अध्यक्ष–

हां, इसे उत्तर प्रदेश विधान सभा में नहीं उठना चाहिए।

श्री मोहम्मद आजम खां–

लेकिन चूंकि, वह उत्तर प्रदेश से सांसद हैं और उत्तर प्रदेश सरकार की यह ज़िम्मेदारी है कि वह हर व्यक्ति के जान–माल की आबरू की हिफ़ाज़त करे और ऐसे नेता जो ख़ुद यहां से सांसद हों और बड़ी पार्टी के उपाध्यक्ष हैं, किसी भी प्रकार का उन्हें अगर ख़तरा होता है तो उसे विशेषरूप से देखा जायेगा, ख़ासतौर से उसकी मॉनीटरिंग की जायेगी और किसी तरह का उन्हें ख़तरा न हो, सरकार इसके लिए वचनबद्ध है। सरकार ऐसा माहौल हरगिज़ नहीं चाहती, जैसा अन्य राज्यों में है, कमजोर लोगों के साथ, ऐसा नहीं होने देंगे कि किसी 72 साल की नन के साथ बलात्कार हो जाय। तो यह बहुत ख़तरनाक हालत है, ऐसे हालात में उत्तर प्रदेश सरकार की बड़ी पैनी नज़र है हालात पर और सरकार कोई ऐसा मौका नहीं देगी जिससे साम्प्रदायिक ताक़तों को उत्तर प्रदेश में किसी तरह से सिर उठाने का मौका मिले।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है, मा0 मंत्री जी बजट प्रस्तुत करें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, एक अनुरोध है, मा0 मंत्री जी बजट प्रस्तुत करें, उसके पहले मा0 अध्यक्ष जी, नियम–56 में जो अन्य सूचनायें हैं, उस पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का कष्ट करें।

श्री अध्यक्ष–

अच्छा सभी जो आये हैं, मैं उन पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर दे रहा हूं। मैं पढ़ दे रहा हूं–

चौथी सूचना श्री सुरेश राणा की जनपद शामली अन्तर्गत तितावी शुगर मिल द्वारा किसानों के बकाये का भुगतान न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत।

पांचवी सूचना श्री दलवीर सिंह, श्री सुदेश शर्मा की दिनांक 07–05–2011 को जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्राम भट्टा परसौल में भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों

द्वारा किये जा रहे आन्दोलन में किसानों पर दर्ज किये गये मुकदमों को वापस न लिये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत।

छठी सूचना श्री राजेश त्रिपाठी की जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत दिनांक 11–11–2014 को उप जिलाधिकारी, गोला को दी गई सूचना के बावजूद श्री अरविन्द ओझा द्वारा आत्मदाह किये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत।

सातवीं सूचना श्री बब्बन सिंह चौहान की जनपद चन्दौली के नगर पालिका, मुगलसराय में लगाई गई निम्न गुणवत्ता की सोलर लाइट से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकृत की गईं :–

1. श्री सतीश महाना
2. श्री सलिल विश्नोई
3. श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत
4. श्री अगयश रामसरन वर्मा
5. श्री श्यामदेव राय चौधरी (दादा)
6. श्री जन्मेजय सिंह
7. श्री सुदेश शर्मा
8. (1) श्री पूरन प्रकाश 'एडवोकेट' (2) श्री राकेश बाबू
9. श्री सुरेश कुमार खन्ना, श्री धर्मपाल सिंह, डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल
10. डा0 धर्मपाल सिंह
11. श्री प्रदीप चौधरी
12. श्री अवस्थी बाला प्रसाद
13. श्री अखिलेश प्रताप सिंह
14. श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले)
15. श्री रोशन लाल वर्मा
16. श्री रामचन्द्र यादव

श्री सतीश महाना–

मान्यवर, मेरी सूचना भी स्वीकार कर लें।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है, मैं उस पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

ख12.47, वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान–अनुदान संख्या–54 लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान)

'लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर मैं आपकी अनुमति से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–54–लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 19,74,61,23,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

अनुदान संख्या–55–लोक निर्माण विभाग (भवन) मतदान–अनुदान संख्या–56 लोक वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), मतदान–अनुदान संख्या–57, लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु) एवं मतदान–अनुदान संख्या–58–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़कें) (स्वीकृत)

श्री अध्यक्ष–

मा0 मंत्री जी, सब एक ही साथ रख दीजिए, ये सब आप ही से रिलेटेड हैं। क्यों मा0 नेता विरोधी दल ये सारे जो लोक निर्माण विभाग के बजट हैं, एक ही आदमी कटमोशन करेगा या अलग–अलग।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, मा0 मंत्री जी जितने लोक निर्माण विभाग से सम्बन्धित बजट रखेंगे, सब पर बीजेपी के श्री धर्मपाल सिंह जी कटौती का प्रस्ताव रखेंगे।

श्री अध्यक्ष–

फिर आप सब एक साथ रख दीजिए।

लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–55–लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,74,47,50,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

अनुदान संख्या–56–लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,95,00,00,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

अनुदान संख्या–57–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 13,99,56,02,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

अनुदान संख्या–58–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,19,28,69,57,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

मा0 अध्यक्ष जी, आज उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के इस ऐतिहासिक बजट को रखते हुये मैं एक सर्वविदित तथ्य का उल्लेख करना चाहूंगा कि अपना उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। यहां पूरे देश के 16.50 फीसदी लोग निवास करते हैं। पूरी दुनिया के 216 देशों में से केवल 04 देशों, चीन, भारत, अमेरिका और इण्डोनेशिया की ही पॉप्युलेशन उत्तर प्रदेश से अधिक है। इतने बड़े प्रान्त के हर चेहरे पर हम मुस्कान लाना चाहते हैं और प्रत्येक कदम तक अच्छी सड़कें पहुंचाना हमारा संकल्प है। मा0 अध्यक्ष जी, लोहिया जी भी कहते थे और हम सभी का अनुभव भी है कि शरीर के विकास में जो योगदान और महत्व धमनियों और शिराओं का है, वही योगदान और महत्व प्रदेश के विकास में सड़कों और सेतुओं का है। पूरे देश का क्षेत्रफल 02 लाख 40 हजार 928 वर्ग कि0मी0 है और हमारी सरकार 01 लाख 99 हजार 600 वर्ग कि0मी0 सड़क पहुंचा चुकी है।

हमारी सरकार जब बनी थी तो उत्तर प्रदेश की अर्थ व्यवस्था नाजुक मोड़ पर थी, गाड़ी पटरी से उतर चुकी थी। बड़ी मेहनत के बाद हम उस गाड़ी को पटरी पर लाये हैं। हमारी सरकार के विकास कार्यों की वजह से हमारे प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय जो 22,000 रुपये थी, वह आज लगभग 40,000 पहुंच चुकी है। मा0 अध्यक्ष जी, इसलिये हमने कहा है कि बिना सड़कों के और बिना पुलों के प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। आपने तो स्वयं हमारे साथ देखा है जब हम आपके जिले में पुलों का शिलान्यास करने गये थे। आजादी के 60 साल के बाद भी हमने गांवों में देखा है और सभी विधायक भी महसूस कर रहे होंगे कि आजादी के 60 साल के बाद भी पुलों और सड़कों के न होने के कारण आज हमारे प्रदेश में बहुत से ऐसे लोग हैं जिन्होंने आज तक अपना जिला मुख्यालय नहीं देखा है। यहां तक कि बड़े दुःख की बात है, विडम्बना है कि ऐसे–ऐसे लोग हैं जो बिना सड़कों की वजह से, बिना पुलों की वजह से रेल गाड़ी में बैठना तो दूर उन्होंने रेल गाड़ी देखी भी नहीं है। ऐसा भी है हमारे उत्तर प्रदेश में और आप भी जानते हैं कि बहुत से जिले आज भी सड़कों और पुलों के न होने के कारण विकास से दूर हैं। आज हमारे प्रदेश को जिस स्थिति में होना चाहिये था, नहीं है लेकिन हमने प्रयास किया, हमारी सरकार ने बहुत तेजी के साथ प्रयास किया है। मैंने कहा कि हमारी सरकार बनने के पहले जो प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था थी वह नाजुक थी और यहां तक कि बहुत से अधिकारियों की, हमारे बहुत से इंजीनियरों को भी काम करने की आदत खराब हो गयी थी। बहुत मुश्किल से, बहुत मेहनत के बाद आज हम उनको काम पर लाये हैं। मा0 अध्यक्ष जी, हम जो बजट लाये हैं उसमें मुझे 01 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में बाई–पास का निर्माण करना है और उसके लिये हमने 43 करोड़ रुपये का प्राविधान किया है।

डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्रामों के मुख्य आबादी वाले क्षतिग्रस्त मार्गों, 1 हजार से अधिक आबादी के ग्रामों को जोड़ने वाले क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्गों के निर्माण के लिए 50 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित की है और पहले से ढलाई की जा चुकी बहुत सी

पुलियों के निर्माण हेतु ढलाई कार्यशाला के निर्माण के लिए 5 करोड़ की व्यवस्था की है। प्रदेश में दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों को चिन्हित, सुधार करने एवं सुरक्षा कार्य के लिए 10 करोड़ बजट की व्यवस्था की है। जनपदों में विभाग के हॉट मिक्स्ड प्लान्ट की स्थापना के लिए मशीनों को स्थापित करने हेतु आरक्षित निधि के अन्तर्गत हमने 20 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित की है।

बुन्देलखण्ड एवं पूर्वान्चल में सड़कों के निर्माण के लिए विशेष ध्यान दे रहे हैं। अन्य योजनाओं के साथ–साथ पूर्वान्चल विकास के मद में बुन्देलखण्ड विकास निधि की योजनाओं के लिए 223 करोड़ एवं 72 करोड़ की बजट की व्यवस्था की है। इण्डो–नेपाल बार्डर मार्गों की परियोजना हेतु वर्ष 2015–16 में निर्माण कार्यों का 250 करोड़ तथा भू–अध्याप्ति हेतु 120 करोड़ की बजट की व्यवस्था की है। विश्व बैंक परियोजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में 393 किलोमीटर लम्बाई में राजमार्गों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण लखीमपुर में शारदा नदी पर पचपेड़ी घाट पर लगभग 5 किलोमीटर लम्बाई में दीर्घ सेतु का कार्य चिन्हित किया है। वर्ष 2015–16 में इस परियोजना के कार्य हेतु 362 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की है। एशियन डेवलपमेंट बैंक परियोजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में 350 किलोमीटर लम्बाई में प्रमुख अन्य जिला मार्गों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण के कार्य चिन्हित किये गए हैं। वर्ष 2015–16 में इस परियोजना हेतु 307 करोड़ की बजट की व्यवस्था की गई है। राजमार्ग प्राधिकरण का गठन निजी सहभागिता के आधार पर पी0पी0पी0 पद्धति पर राजमार्गों का विकास, अनुरक्षण और प्रबन्धन करते हुए किया गया है। उपसा को सहायक अनुदान के रूप में 200 करोड़ बजट की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। राष्ट्रीय मार्गों को छोड़कर शेष मार्गों के सामान्य अनुरक्षण, विशेष मरम्मत एवं नवीनीकरण हेतु 3000 करोड़ की बजट की व्यवस्था की है। रेल उपरिगामी सेतुओं एवं नदी सेतुओं के निर्माण हेतु कुल 1779 करोड़ के बजट की व्यवस्था प्रस्तावित है। सेतुओं के अनुरक्षण हेतु 19 करोड़ बजट की व्यवस्था है। अब तक कुल 207 नदी सेतु, 60 उपरिगामी सेतु कुल 267 सेतुओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। कुल 5 पुल गंगा नदी पर, यमुना नदी पर 4, घाघरा पर 2 सेतु अभी तक निर्माण किये गए। गंगा नदी पर कुल 14 सेतु स्वीकृत किये हैं, यमुना नदी पर 15 सेतु तथा घाघरा नदी पर 04 कुल 33 बड़े पुल और इसके अलावा 218 छोटे–छोटे पुल, 91 रेल उपरिगामी सेतु (आर0ओ0बी0 पुल) कुल 309 सेतुओं का निर्माण बहुत तेजी के साथ प्रगति पर है। (मेजों की थपथपाहट) 90 छोटे–छोट पुल, 33 रेल उपरिगामी सेतुओं का निर्माण कार्य पूरा करा दिया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2015–16 में 66 नदी सेतु, 32 रेल उपरिगामी सेतुओं कुल 89 सेतुओं का निर्माण पूर्ण किया जाना है, अभी मार्च तक हो जाएंगे। अवशेष कार्यों को 2016–17 में पूरा करा दिया जायेगा। 181 लघु सेतु 395 करोड़ लागत की स्वीकृतियां जारी कर दी गयी हैं 2014–15 के अन्त तक 96 लघु छोटे पुल पूर्ण करा लिये जायेंगे। 2015–16 में 50 सेतुओं का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है इसके साथ हम सेतुओं के अतिरिक्त लोक निर्माण विभाग के राजकीय भवनों का निर्माण और अनुरक्षण का कार्य किया जाना है आवास योजना तथा अन्य आयोजनागत कार्यों के

लिए 80 करोड़ की व्यवस्था तथा अनुरक्षण कार्यों के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर, इस तरीके से आज हम जो समय की जरूरत है एक विश्वस्तरीय साइकिल ट्रैक का भी निर्माण किया जा रहा है। रोड सेफ्टी द्वारा महत्वपूर्ण, क्योंकि यह समय की आवश्यकता है इसलिए इस पर विशेष रूप से बल दिया जा रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मैने संक्षेप में लोक निर्माण विभाग की नीतियां और उपलब्धियों एवं कार्यक्रमों को आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन में प्रस्तुत किया। मुझे विश्वास है कि इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए सदन के सभी पक्ष और विपक्ष का भरपूर मुझे सहयोग मिलेगा। मैं आपके माध्यम से इस सदन के समस्त माननीय सदस्यों से अनुरोध करना चाहूंगा कि प्रदेश के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के विकास हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों में हमारा पूरा सहयोग करें। हमें भरोसा है और हमें विश्वास है कि माननीय सभी सदस्य, आपसे अनुरोध हम करेंगे, प्रदेश के विकास में पूरा अपना सहयोग देंगे। इसलिए आज यह लोक निर्माण विभाग का बजट जो हम लायें हैं मुझे भरोसा है कि आप सब लोग मिल करके इसको पास करायेंगे, सर्वसम्मति से करा देंगे तो बहुत अच्छा होगा क्योंकि आज पूरे उत्तर प्रदेश में लगभग या जो मैंने बताया है 1 लाख 99 हजार 316 किलोमीटर सड़के हैं उसमें 7 हजार 600 किलोमीटर भारतीय राष्ट्रीय मार्ग हैं और लगभग 7 हजार 500 स्टेट मार्ग हैं और 7 हजार 500 मुख्य मार्ग हैं और 39000 ग्रामीण मार्ग हैं तो हमारा प्रयास है जो उत्तर प्रदेश में, जो हमारे उत्तर प्रदेश का मैंने बताया 2 लाख 40 हजार किलोमीटर जो वर्ग क्षेत्र हैं उसमें हमने लगभग एक लाख निन्यानवें हजार तीन सौ के लगभग हमने सड़कें बना दी हैं आज जो सड़कों की स्थिति को जो हम ठीक से लाये हैं उसमें आप लोगों को पूरा सहयोग रहेगा तो यह उत्तर प्रदेश की सड़के बहुत जल्दी ठीक हो जायेंगी तो हमें विश्वास है कि आप सब लोग सर्वसम्मति से जो हम लोक निर्माण विभाग का बजट लाये हैं इसे सर्वसम्मति से आप सब लोग पास करा देंगे तो हमारा उत्तर प्रदेश निश्चित विकास के रास्ते पर जायेगा और निश्चित हमारा उत्तर प्रदेश हिन्दोस्तान के मामले में नम्बर एक पर होगा यह हम आज आपको भरोसा दिलाते हैं।

श्री धर्मपाल सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या–54–लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या–55–लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या–56–लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या–57–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या–58–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़कें) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

माननीय अध्यक्ष जी, लोक निर्माण विभाग बहुत महत्वपूर्ण विभाग है। माननीय मंत्री जी वर्ष 2012 में भी और इससे पहले भी लोक निर्माण विभाग का बजट रख चुके हैं। मान्यवर, सड़कों का महत्व बहुत है। सच में जैसे लोक निर्माण विभाग इसका नाम है, वास्तव में यह विभाग लोक का निर्माण करता है। प्राचीन काल से ही सड़कों पर ध्यान दिया गया, इनकी आवश्यकता प्राचीन काल और आदिकाल से चली आ रही है। मान्यवर, तब न मोटर कारें थीं, न मोटर साइकिल थी और न ही स्कूटर थे। मैं आपका ध्यान पांच हजार वर्ष पहले आकर्षित करना चाहूंगा जब मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा संस्कृति की खुदाई का काम हुआ था तब पक्की सड़कें प्राप्त हुई थीं, तांबे के रथ और पहिया प्राप्त हुये थे। मान्यवर, सम्राट अशोक ने भी सड़कों का निर्माण कराया था। देश की सबसे लम्बी सड़क जी0टी0 रोड शेरशाह सूरी ने बनवाई थी। चन्द्रगुप्त मौर्य ने भी पश्चिमी सीमान्त से पाटिलीपुत्र, जो आज का पटना शहर कहलाता है, तक सड़कें बनवाई थी। मान्यवर, दुनिया में सबसे पहली सड़क सूडान में बनी थी। आज सड़कों की आवश्यकता उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि सभी जगह है, देखना यह है कि हम अन्य प्रदेशों की तुलना में आज कहां खड़े हैं ? मान्यवर, आज जब उत्तर प्रदेश में मोटरगाड़ियां बढ़ रही हैं, क्या हम उस अनुपात में सड़के बना पा रहे हैं ? आज मान्यवर, आज भी जाते होंगे और सभी विधायक अपनी विधान सभा क्षेत्र में जाते हैं, तो आज गांव के लोग भी मिट्टी और खड़न्जे की मांग नहीं करते हैं। सभी लोग कहते हैं कि साहब हमारे गांव की सड़क पक्की होनी चाहिये। माननीय मंत्री जी ने जो कहा है अभी उत्तर प्रदेश के बहुत सारे गांव जो महत्वपूर्ण गांव भी हैं, सड़कों से बहुत दूर हैं, जिनमें जाना बहुत मुश्किल काम हो रहा है। मान्यवर, आज माननीय मंत्री जी ने अपना संकल्प और इच्छाशक्ति सदन के सामने प्रस्तुत की है, जबकि आज उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में सड़कों की स्थिति में बहुत पीछे है। माननीय मंत्री जी चाहे मध्य प्रदेश हो, गुजरात हो, राजस्थान हो, अन्य प्रदेशों की तुलना में उत्तर प्रदेश कहां पर खड़ा है ? मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने जब सन् 2012 में बजट प्रस्तुत करते हुये कहा था कि हम नई सड़कें नहीं बनायेंगे,

सबसे पहले जो सड़कें पुरानी खराब हो चुकी हैं, जिनमें गड्ढे पड़ गये हैं, पहले हम उन सड़कों को ठीक कराने का काम करेंगे। चाहे आप लखनऊ से गोरखपुर जाने का काम करिये, लखनऊ से चित्रकूट जाने का काम करिये, लखनऊ से बरेली जाने का काम करिये।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर शोर)

श्री अध्यक्ष–

आप लोग शांत रहिये, आप लोग शांति से सुनिये।

श्री धर्मपाल सिंह–

माननीय मंत्री जी मुझे याद है आपने उत्तर प्रदेश की सड़कों को इतना चिकनी करने की बात कही थी और किसी के गालों की तुलना भी करी थी कि हम इनकी तरह उत्तर प्रदेश की सड़कों को बनवा देंगे। माननीय मंत्री जी आप जाइये और बरेली की तरफ चले जाइये, आप कहीं भी चले जाइये। आज सड़कें बहुत ही खराब हैं, आप उन पर जा नहीं सकते, मैं व्यवहारिकता में आपसे यह बात कह रहा हूं। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी द्वारा 10 किमी0 सड़कों को ठीक कराने के लिये पत्र गया था। मैं आपके पी0डब्लू0डी0 विभाग की ही बात बता रहा हूं। लेकिन किसी विपक्षी विधायक से पूछा तक नहीं गया और न ही संज्ञान लिया गया कि आपके यहां सड़कें ठीक होनी हैं। उधर आप लोगों की सड़कें ठीक हो गयी हों तो अलग बात है, लेकिन हमारे इधर के लोगों की सड़कें ठीक नहीं हुयीं।

मैं एन0एच0 की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि मैं ग्रामीण सड़कों की बात कह रहा हूं। मान्यवर, यहां पर आपने मार्ग विकास नीति की बात कही है, इसमें पैसा भी नहीं लगना था और यह मार्ग विकास नीति आप अभी तक नहीं बना पाये। दो साल में आप अपनी सड़क की विकास नीति नही बना पाये। जब आप सड़क नीति बना देंगे जो प्रस्तावित है, यदि यह विकास नीति बन जाती तो जो सड़क पर दुर्घटनायें होती हैं, उन दुर्घटनाओं में कमी आती और सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में जब सड़क पर व्यक्ति पड़ा रह जाता है, उसको कोई उठाने वाला नहीं होता। तो इस सड़क नीति से सड़क पर सुरक्षा का एक चक्रव्यूह बन जाता और उससे लोगों को फायदा मिलता। माननीय मुख्य मंत्री जी इस समय सदन में बैठे हैं अभी तक तो समझ में आता था कि समाजवादी पार्टी के लोग बलवान हैं लेकिन अब समझ में आता है कि समाजवादी पार्टी के लोग ज्ञानवान भी हैं। अभी कल प्रस्ताव किया गया है कि माननीय मुख्य मंत्री जी को विकास पुरुष घोषित किया है तो मुझे लगता है कि शब्दों के नाम से माननीय मुख्य मंत्री जी विचार कर लेंगे कि अभी विकास हो नहीं रहा है, तीन साल में उत्तर प्रदेश का कोई विकास नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी के पुरोधा ने कुछ सोचा होगा कि विकास पुरुष नाम से कुछ विकास कर दें तो यह समझ में आ जायेगा कि माननीय मंत्री जी, माननीय मुख्य मंत्री जी विकास का भी कुछ काम करेंगे।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)–

ऐसा नहीं कहा है बल्कि सबके अंदर यह भावना पैदा करने की कोशिश की गयी है, हर जनमानस में, वह आप भी हैं और सदस्य भी हैं, आम जनता के लोग भी हैं कि जो इसमें अपना सहयोग देंगे, मदद करेंगे, उनको यह लक़ब दिया जायेगा। तो यह सबके लिये है।

श्री धर्मपाल सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, अब देखना यह है कि कैसे विकास होता है। माननीय शिवपाल सिंह यादव जी के पास पी0डब्लू0डी0 विभाग है और माननीय अखिलेश सिंह जी मुख्य मंत्री हैं। प्रदेश के विकास का पैमाना सड़कें ही हुआ करती हैं। जब सड़कें ठीक हों तो विकास ठीक है, सड़कें ठीक हैं तो जी0डी0पी0 ठीक है, विकास दर ठीक है। मान्यवर, अब यह देखना है कि यहीं पर बैठकर, जहां पर माननीय अखिलेश यादव जी बैठे हैं, माननीय मुलायम सिंह जी बैठे थे और इसी स्थान पर माननीय शिवपाल सिंह यादव ने लोक निर्माण विभाग का बजट प्रस्तुत किया था। मैं नाम इसलिये कोड कर रहा हूं कि माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने पी0डब्लू0डी0 बजट प्रस्तुत होने के समय उसी दिन सभी सम्मानित विधायकों को 10–10 किमी0 सड़क देने की घोषणा की थी और आज देखना यह है कि विकास पुरुष माननीय अखिलेश यादव विकास से संबंधित पी0डब्लू0डी0 विभाग को माननीय शिवपाल यादव जी के माध्यम से इस परीक्षा की घड़ी में, इस परीक्षा की कसौटी में खरे उतरने का काम करेंगे तो हम समझते हैं कि यह विकास पी0डब्लू0डी0 का विकास नहीं बल्कि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास होगा यदि नहीं तो विकास में बाधा पड़ने वाली है, का विकास में बाधा नहीं पड़ने वाली है।

श्री धर्मपाल सिंह –

मैं एक बात बहुत ही गम्भीरता के साथ कहना चाहता हूं, मा0 शिवपाल सिंह यादव जी की नीयत भी ठीक है नीति भी ठीक है इन्होंने कई बार कहा है कि हमारा पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग बहुत इमानदारी से काम करे, अगर कुछ खाना ही है तो दाल में नमक की तरह खाने का काम करे लेकिन यह पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग मानता ही नहीं है, यह पूरी की पूरी दाल पिये जा रहा है। आज मैं गम्भीरता से कह रहा हूं कि पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग ठेकेदार ओरिएन्टेड हो गया है। ठेकेदार ही सारी योजनाओं को स्वीकृत करा करके ले जाते हैं, किसी विधायक से पूछा नहीं जाता है, ठेकेदार कहते क्या हैं कि आप पैड लिख करके दे दो हम आपकी सड़क का निर्माण करा देंगे। हम मा0 मंत्री जी से कहना चाहते हैं कि आप इस ठेकेदारी परम्परा पर लगाम कसने का काम कीजिए। अपने विभाग के अधिकारियों को ठीक करने का काम कीजिए ताकि कमीशनखोरी की व्यवस्था में परिवर्तन आये और विभाग का काम ठीक से होने लगे। आज सड़कों में गुणवत्ता है ही नहीं, सड़कें आगे–आगे बनती जाती हैं और पीछे–पीछे टूटती जाती हैं। इस तरीके से आपके पास टास्कफोर्स भी है, चेकिंग की भी व्यवस्था है और मान्यवर, अनुश्रवण समिति की बैठकें जिले में होती हैं जो कि डी0एम0 की अध्यक्षता में होती हैं और उसमें विधायकगण भी आते हैं।

सड़कों की आज स्थिति क्या है चाहे सड़क जिला योजना की हो, नाबार्ड की हो, स्पेशल कम्पोनेंट प्लान की हो, समग्र विकास की हो, रामशरण दास आदि–आदि की हों, सभी सड़कों का निरीक्षण भी होता है। अभी मा0 विधायकगण बात कर रहे थे कि आज सड़कों की गुणवत्ता इसलिए नहीं है कि उनकी देखभाल नहीं हो रही है तथा उनके निरीक्षण का काम नहीं किया जा रहा है। अभी बहुत सारे अधूरे काम पूरे करने हैं। आपने पुल बनवाने की बात की है वास्तव में पुल बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, पुल बनवाने चाहिए और जहां पर पुल बहुत ही आवश्यक हों वहां पुलों की दूरी के मानक को कम करना चाहिए। मान्यवर, हमारी विधान सभा में एक रामगंगा नदी है वहां पर नाव डूब गई और 18 लोगों की मृत्यु हो गई हमने वहां पर एक पुल बनवाने के लिए एक प्रश्न लगाया और यहां उत्तर गया कि 10–20 किलोमीटर की दूरी पर पुल बना हुआ है इसलिए बनाया नहीं जा सकता है। मान्यवर, मेरी तरफ एक पुल है जो स्वीकृत है उसको अभी पैसा नहीं दिया गया है इसलिए मैं चाहूंगा कि मा0 मंत्री जी उसके लिए पैसा आवंटित कर दें ताकि पुल के निर्माण का कार्य पूरा हो सके, मान्यवर, बिहार और यू0पी0 को जोड़ने वाले गंगा नदी पर बक्सर और भरौली, ये पुल है भागलपुर और गंगा नदी पर, यह बिहार के बार्डर पर है। मान्यवर, इधर काफी मंत्रीगण भी बैठे हैं यह बलिया, सोनौली को जोड़ता है इसमें थोड़ी कमी है यदि इसकी मरम्मत हो जायेगी तो उधर का आना–जाना भी ठीक हो जायेगा और निर्माण सामग्री आनी चाहिए वह भी आ सकती है, इसलिए इस पुल को ठीक कराने का काम कीजिए। मान्यवर, आपने 5 सौ से अधिक आबादी के गांवों को जोड़ने की बात कही है अभी बहुत सारे ऐसे गांव हैं जिन्हें जोड़ा नहीं जा सका है। मान्यवर, चाहे डॉ0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना हो, चाहे राम शरण दास ग्राम सड़क योजना हो, सच में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी, दोनों की कार्यशैली लगभग एक जैसी है। समाजवादी पार्टी में डॉ0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना, मुझे नाम से कुछ लेना देना नहीं है, अच्छा नाम है। श्री राम शरण दास ग्रामीण सड़क योजना, इसमें धन देने की बात कही है, अच्छी बात है दीजिए, किसी योजना से बनवायें परन्तु बनवायें। लेकिन मान्यवर, इस योजना से भी अभी सड़कें बनायी नहीं जा रही, इसमें भी कम पैसा देने का काम किया है।

मान्यवर, इसी तरीके से जो परिस्थितियां बनी हैं अभी कहते हैं कि बहुत अच्छा काम करेंगे। इन्होंने स्वयं ही बजट कम दिया है गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बजट ही कम दिया है, तो यह सड़कों का उद्धार कहां से करेंगे ? सन् 2014–2015 में 399.07 करोड़ रुपया दिया था जिससे 898.235 कि0मी0 सड़क बनने की बात कही थी। 2015–2016 में 400 करोड़ रुपया दिया, सड़क कितनी बनायेंगे इसका पता नहीं ? अब राम शरण दास ग्रामीण सड़क योजना में धन दिया है इसमें कुछ बताया नहीं कि किस तरीके से इस योजना में लगायेंगे। वर्ष 2014–2015 में नये कार्यों हेतु 200 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव था लेकिन 2015–16 में आपने पहले से 05 करोड़ रुपया कम कर दिया। माननीय अध्यक्ष जी, इस तरीके से हर योजना में बजट कम करने का काम किया है तो यह उत्तर प्रदेश में सड़कों का निर्माण कैसे करेंगे ? जब बजट का

प्राविधान ही नहीं कर रहे हैं तो यह सड़क कहां से बनायेंगे ? अभी बार–बार कहते हैं कि केन्द्र सरकार धनराशि उपलब्ध नहीं कराती है, केन्द्र से पैसा नहीं मिलता है, मान्यवर, केन्द्र सरकार से इन्हें वर्ष 2013–2014 में 19,643.30 लाख रुपया मिला है और अभी 2014–2015 में 24,626.00 लाख रुपया मिला है। अभी इसमें से 5054.92 लाख ही खर्च कर पाये हैं, धनराशि इनके पास पड़ा है। धनराशि होने के बाद भी माननीय अध्यक्ष जी, यह सड़कों का निर्माण नहीं करा पा रहे हैं तो काम कैसे करेंगे ? अभी इन्होंने बुन्देलखण्ड विकास निधि, पूर्वान्चल विकास निधि में क्रमशः 300 करोड़ व 100 करोड़ रुपया प्रस्तावित है जो वास्तव में कम है। लेकिन इसमें माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मंत्री जी को सुझाव देना चाहता हूं कि चाहे बुन्देलखण्ड विकास निधि हो, चाहे पूर्वान्चल विकास निधि हो, इसमें धनराशि और बढ़ाने का काम करिये और इसी के तर्ज पर मध्यांचल और पश्चिमांचल विकास निधि की भी घोषणा करेंगे तो सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का समग्र विकास होगा। उत्तर प्रदेश का समग्र विकास नहीं हो रहा है, कुछ स्थान विशेष का विकास हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी आप भी सेतु बनाने का काम करिये सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच में। विकास सभी का होना चाहिए, जहां सड़कों की आवश्यकता है, वहां सड़कें बननी चाहिए इसलिए मान्यवर, मैं चाहता हूं कि इस निधि में माननीय सदस्यों से कोई सुझाव नहीं लिया जाता, अधिकारी कमीशन लेते हैं और जो काम 05 लाख का होता है वह काम 20 लाख रुपये का करते हैं तो इस तरीके से इस पर नियंत्रण होना चाहिए, इस निधि की लूट नहीं होनी चाहिए। विकास का धन विकास में ही लगना चाहिए। इस तरीके से आज उत्तर प्रदेश में सड़कों का बुरा हाल इसलिए है कि देखभाल कम हो रही है और दूसरा जो बजट कम है, हर जगह, चाहे पूर्वान्चल विकास निधि हो, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हो। पी0एम0जी0एस0वाई0 में भी सुधार करने की आवश्यकता है।

एक सदस्य–

पी0एम0जी0एस0वाई0 में दो साल से पैसा ही नहीं मिला है।

श्री अध्यक्ष–

माननीय सदस्य आप बैठिये, बोलने दीजिए जब आप बोलियेगा तब बताइयेगा।

श्री धर्मपाल सिंह–

मान्यवर, यह पैसे की बात कर रहे हैं, आवश्यक सड़कों को ठीक नहीं किया जाता। अभी माननीय मंत्री जी ने 162 करोड़ से साइकिल रोड बनाने की बात कही। हम तो स्वदेशी हैं हमारे पैर कमजोर नहीं हैं, हमारे घुटने मजबूत हैं, अब अमेरिका के लोगों, विदेशी लोगों को साइकिल चलाने दीजिए, आप रोड बनवाइये, उत्तर प्रदेश के लोग तो वैसे ही बहुतेरा काम कर लेते हैं, परिश्रमी हैं तो मान्यवर, जो 162 करोड़ रुपया आपने दिया है, ठीक है लेकिन जो सड़कें एकदम टूटी हैं उन टूटी हुई सड़कों को बनाने का काम करेंगे तो हम समझते हैं कि उत्तर प्रदेश में सड़कों का चहुमुखी विकास होगा। चहुमुखी विकास होने के बाद उत्तर प्रदेश अपने विकास में आगे बढ़ने का काम करेगा।

अधूरे काम जो पड़े हैं अध्यक्ष जी बरेली जनपद में आंवला–भमोरा मार्ग पर जो रामपुर को जोड़ता है इस पर 11 करोड़ रुपए दिया जा चुका है अभी मार्ग अधूरा है इसके लिए प्रस्तावना में पैसे की जरूरत है इसे पूरा कराने की जरूरत है। इस तरीके से सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में जो भी सड़कें अधूरी पड़ी हैं पहले उन अधूरी सड़कों को पूरा करने का काम करिए। इसके बाद नए काम में हाथ बंटाने का काम करिए वैसे तो उत्तर प्रदेश में सड़कों का बहुत ही अभाव और यहां पर ठेकेदारी प्रथा पर लगाम लगाने का काम करेगे तो वास्तव में काम होगा। जहां–जहां पुलों की आवश्यकता है छोटे स्थानों पर सड़कों की आवश्यकता है। जहां आवागमन की जरूरत है वहां आवश्यकतानुसार सड़क और पुल बनवाने का काम करेंगे तो हम समझते हैं कि जनकल्याण होगा निश्चित रूप से जो विभाग में ठेकेदारी कमीशनखोरी चल रही है उस पर लगाम लगाने का काम होगा तो हम समझते हैं कि उत्तर प्रदेश का विकास होगा। अध्यक्ष जी शेष बातें उत्तर भाषण में रख देंगे।

'श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय–

आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया मैं आपको इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूं। आज जो लोक निर्माण विभाग का बजट हमारे लोक निर्माण मंत्री आदरणीय श्री शिवपाल जी के द्वारा रखा गया है यह बजट भागीरथ माडल का बजट है इस बजट के माध्यम से विकास की गंगा बहेगी यह बजट किसान, गरीब, नौजवान मजदूर, मजलूम और उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम करेगा। मैं निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि यह लोक निर्माण विभाग का बजट उत्तर प्रदेश को ऐतिहासिक रूप से विकास के पथ पर ले जाने का काम करेगा। विगत तीन वर्षों में मुझे इस बात को कहते हुए हर्ष महसूस हो रहा है कि विगत तीन वर्षों में हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में हमारे लोक निर्माण मंत्री आदरणीय शिवपाल सिंह यादव के नेतृत्व में जो काम किए गए हैं उससे निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। अभी आदरणीय नेता श्री धर्मपाल सिंह जी कटौती का प्रस्ताव रख रहे थे इन्होंने बताया कि यहां लखनऊ से लेकर गोरखपुर तक रोडें खराब हैं इन्होंने कई रोडों की चर्चा की आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं यह सारी रोडें राष्ट्रीय राजमार्ग हैं और इनको ठीक करने की जिम्मेदारी भारत सरकार की है। आप आंकड़े उठाकर देख लीजिए उत्तर प्रदेश में एन0एच0आई0 की सात हजार कि0मी0 सड़कें हैं और उनकी पूरी तरह से दुर्दशा है। भारत सरकार के लोक निर्माण मंत्री श्री नितिन गडकरी जी आए थे और श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश की सड़कों को ठीक करेंगे जो राष्ट्रीय राजमार्ग हैं उनको ठीक करने का काम करेंगे। एनेक्सी में मीटिंग हुई हमारे उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी व श्री शिवपाल यादव जी भी उस मीटिंग

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

में मौजूद थे। उत्तर प्रदेश के मीडिया के लोगों ने नितिन गडकरी से सवाल किया कि आप इस प्रदेश की सड़कों को सुधारने के लिए कितना पैसा दे रहे हैं मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि जो उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग हैं इसको ठीक करने के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए की आवश्यकता है और भारत सरकार के मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने केवल 14 करोड़ रुपया इन सड़कों को ठीक करने के लिए दिया है।

आज मैं आपसे कहना चाहता हूं आज आप सड़कों को ठीक करने की बात कर रहे हैं सड़कों को अच्छा करने की बात कर रहे हैं जो बजट भारत सरकार से मिलना चाहिए था उसको आपने देने का काम नहीं किया है। आज जब लोक सभा का चुनाव हुआ तो आपके प्रधानमंत्री ने आपकी सरकारों ने बहुत लम्बे–लम्बे वायदे किए थे पूरे प्रदेश और देश को अच्छा करने का वायदा किया था लेकिन आज लगभग 10 महीने के अन्दर आपने इस उत्तर प्रदेश की धरती पर क्या किया उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने का क्या काम किया यह आपके लिए सोचने का विषय है। मैं तो इस अवसर पर कहना चाहता हूं कि अगर उत्तर प्रदेश सरकार के काम की समीक्षा कर ली जाय माननीय मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी के कामों की समीक्षा कर ली जाय कि उन्होंने कितनी सड़कों और पुलों को बनवाया है और केन्द्र के कामों की समीक्षा कर ली जाए तो मुझे लगता है कि 90 और 10 के अनुपात में आप खड़े होंगे। 90 नम्बर उत्तर प्रदेश सरकार को मिलेगा और 10 नम्बर भी आप पाने के लायक नहीं हैं मुझे दुष्यंत कुमार की वह लाइनें इस मौके पर याद आ रही हैं। जो मैं इस सदन में कहना चाहता हूं कि '**कहां तो तय था चिरागां हर एक घर के लिये, कहां तो तय था चिरागां हर एक घर के लिये यहां तो रौशनी भी मयस्सर नहीं सहर के लिये और वह मुतमईन हैं, यह मुतमईन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता यह बेकरार हैं आवाज में असर के लिये, यह बेकरार हैं आवाज़ में असर के लिये।**'

मान्यवर, आज उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जी उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाना चाहते हैं। आज हमारी सरकार, आज हमारे आदरणीय लोक निर्माण मंत्री जी, माननीय मुख्य मंत्री जी 14–14 जनपदों को, मुख्यालयों को फोर लेन बनाने का काम कर रहे हैं, जोड़ने का काम कर रहे हैं। आज आने वाले समय में शामली, मुजफ्फरनगर, आजमगढ़, दोहरीघाट, सुल्तानपुर, शाहगंज, भदोही, मिर्जापुर मार्ग यह सारे मार्ग फोर लेन करने की योजना है। आज आने वाले समय में सम्भल, श्रावस्ती, फर्रुखाबाद को भी फोर लेन करने की योजना है। यह सारे प्राविधान हमारे लोक निर्माण मंत्री, हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय अखिलेश यादव जी ने किया है। आज हम कहना चाहते हैं, अभी आप साइकिल ट्रैक के बारे में चर्चा कर रहे थे। आज हम आपसे कहना चाहते हैं कि साइकिल ट्रैक बनाकर हमारे माननीय मंत्री जी ने जो हमारे विद्यार्थी हैं, जो हमारे बच्चे हैं उनको चलने के लिये अच्छी सुविधा प्रदान की है। आज जो बड़े बुजुर्ग हैं जो सुबह साइकिल चला करके अपने स्वास्थ्य को ठीक रखना चाहते हैं उसके लिये सराहनीय कदम उत्तर प्रदेश की धरती पर हमारे आदरणीय

मुख्य मंत्री जी ने उठाने का काम किया है, इसलिये हम माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं और मैं कहना चाहता हूं कि जो हमारे भारतीय जनता पार्टी के विधायक यहां बैठे हैं आप लोग माननीय मुख्य मंत्री जी के आवास के सामने जो साइकिल ट्रैक बना है सुबह से लेकर रात तक आप देखिये उस पर बड़े, बुजुर्ग, बच्चे विद्यार्थी सारे लोग साइकिल से आते–जाते आपको दिखाई पड़ेंगे। इस सराहनीय कार्य के लिये, पूरे प्रदेश में जो साइकिल ट्रैक माननीय मुख्य मंत्री जी बनवा रहे हैं इसके लिये हम माननीय मुख्य मंत्री जी की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हैं। नौजवानों की तरफ से, किसानों की तरफ से, दूध बेचने वालों की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी को ढेर सारी बधाई और शुभकामना देना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने अपने बजट को रखा। सन् 2012 के पहले जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार इस प्रदेश में थी तो इस प्रदेश का क्या हाल था वह किसी से छिपा नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की सरकार में केवल टेन्डर हुआ करते थे, रोड कभी नहीं बनती थीं। पैसा इनके अधिकारी और कौन लोग खाते थे यह बात किसी से छिपी नहीं है। करोड़ों, हजारों रुपये के टेन्डर हो गये, केवल एक बार सड़क बनी और हफ्ते, दस दिन, एक महीने में उखड़कर टूट जाया करती थी लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि आज लोक निर्माण विभाग मंत्री आदरणीय शिवपाल सिंह यादव जी ने और माननीय मुख्य मंत्री आदरणीय अखिलेश यादव जी ने कामों की गुणवत्ता करके, कामों को अच्छा करके आज तीन साल में जो व्यवस्था को बहुजन पार्टी की सरकार ने बिगाड़ने का काम किया था आज उस काम को ठीक करके हमारी सरकार ने, उत्तर प्रदेश की सरकार ने ठीक करके अच्छी सड़कों का निर्माण करने का काम किया है। आज माननीय अध्यक्ष जी, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि आज लोहिया समग्र ग्रम योजना के अन्तर्गत हमारे ग्रामीण अंचल में सड़कें बनाई जा रही हैं जिससे गांव के गरीब का विकास हो रहा है। आज राम शरण दास योजना के अर्न्तगत हमारी सड़कें बनाई जा रही हैं जिससे क्षेत्रों का विकास हो रहा है। आज पूर्वांचल विकास निधि से हमारी सड़कें बनाई जा रही हैं जिनका विकास हो रहा है और अभी हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने बताया कि एक लाख से ज्यादा आबादी के क्षेत्रों में हम बाई पास बनाने का काम करेंगे। तो आज गांव को, शहर को तरक्की के रास्ते पर ले जाने का काम हमारी समाजवादी पार्टी की सरकार, माननीय मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी की सरकार कर रही है इसलिये हम आपको बधाई देना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष–

अब आप समाप्त करें।

श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय–

मान्यवर, दो मिनट में कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा। मान्यवर, भारत और नेपाल की सीमा पर जो उससे सटे हुए 7 शहर हैं वहां पर भी सड़कें बनाने के लिये पैसे का प्राविधान हमारी सरकार ने किया है। दूसरी तरफ हम बताना चाहते हैं अध्यक्ष जी कि सन् 2003 से लेकर 2007 तक जब इसके पहले हमारी सरकार थी, हमारे नेता माननीय

मुलायम सिंह यादव जी मुख्य मंत्री थे, और लोक निर्माण मंत्री आदरणीय शिवपाल सिंह यादव जी थे, तो सन् 2003 से लेकर 2007 के बीच में 516 पुल स्वीकृत किये गये थे जिसमें 412 पुल पूरा करने का काम हमारी सरकार ने किया था और जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनी तो उन्होंने पांच साल के अन्दर केवल 386 पुल बनाने का काम किया यह हम आपको बताना चाहते हैं और आज सन् 2012 से लेकर 2015 के बीच में 267 बड़े पुल समाजवादी पार्टी की सरकार ने पूरे किये हैं और 309 पुलों पर काम चल रहा है। यह हम इस सदन को अवगत कराना चाहते हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं एक बात और कहना चाहता हूं, हम फैजाबाद के रहने वाले हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की धरती के रहने वाले हैं।

श्री अध्यक्ष–

अब समाप्त करें। आपका समय हो गया।

श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय–

अध्यक्ष जी, दो मिनट, बहुत महत्वपूर्ण बात है। हमारे बगल में अम्बेडकर नगर जिला है कलवारी टांडा पुल जिसका शिलान्यास माननीय नेता जी ने वर्ष 2005 में किया था यहां पर हमारी सरकार जब चली गई तो फिर जहां पर माननीय मायावती जी सांसद थीं। लालजी वर्मा वित्त मंत्री जी थे, रामअचल राजभर जी कैबिनेट मंत्री थे, धर्मराज निषाद जी कैबिनेट मंत्री थे, आपने उस कलवारी टांडा पुल को रोक दिया और जब दुबारा अखिलेश यादव जी की सरकार बनी तो उस पुल को पूरा कराकर जनता को समर्पित कर दिया।

श्री अध्यक्ष–

आपका समय खत्म हो गया है। (शोर)

श्री तेजनारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय–

वनगदा पर भी आपने रोक दिया उसको भी समाजवादी पार्टी ने पूरा कर समर्पित करने का काम किया। दो लाइन कहकर अपनी बात खत्म करना चाहता हूं। मान्यवर, जब इनकी सरकार थी, हमारे फैजाबाद में एक कवि सम्मेलन हुआ उसमें कवि ने कहा था यहां सरकार में तो सिर्फ अंधे, गूंगे, बहरे लोग बसते हैं खुदा जाने यहां जलसा कैसे हुआ होगा।

श्री अध्यक्ष–

हो गया अब आप बैठिए। यह तरीका ठीक नहीं है। समय ज्यादा हो गया।

श्री तेजनारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय–

मान्यवर, मैं दो लाइन कहना चाहता हूं–

नई बुलन्दियों को छूने में वक्त लगता है, नई इमारतों को बनाने में वक्त लगता है।

श्री अध्यक्ष–

यह कवि सम्मेलन नहीं है यहां बजट पर चर्चा हो रही है।

श्री इन्द्रजीत सरोज–

बहुत–बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी....

(कुछ सदस्यों के मा0 मुख्य मंत्री जी के पास खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष–

मा0 मुख्य मंत्री जी सबकी बात सुनेंगे। आप लोग अपने स्थानों पर जाइए।

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मान्यवर, लोक निर्माण मंत्री जी के द्वारा जो आज लोक निर्माण विभाग का बजट रखा गया है उस पर हमारे भा0ज0पा0 के नेता ने जो कटौती का प्रस्ताव रखा है उस पर बल देने के लिए मैं खड़ा हूं। लोक निर्माण विभाग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है और आम जनजीवन से जुड़ा हुआ विभाग है। क्योंकि मेरा अपना मानना है कि बिना रोडों के न तो देश का विकास हो सकता है और न प्रदेश का विकास हो सकता है और न ही गांव का विकास हो सकता है। रोड से ही इस प्रदेश का विकास बढ़ सकता है किसान का विकास बढ़ सकता है, मजदूर का विकास बढ़ सकता है, व्यापारी का विकास बढ़ सकता है और रोड सबके लिए लाभदायक है। माननीय मंत्री जी ने अभी बजट अपना रखा है, लम्बा चौड़ा बजट है मैंने कैलकुलेशन किया है। लगभग साढ़े पन्द्रह हजार करोड़ का बजट आया है लोक निर्माण विभाग का, यह अच्छा बजट है इसका सही ढंग से उपयोग किया जा सके तो मैं समझता हूं कि उत्तर प्रदेश का विकास हो सकता है। लेकिन इन तीन सालों में जो देखा गया है वह कहीं भी यह देखने को नहीं मिला, उत्तर प्रदेश में चारों तरफ रोडें बनाई गई हैं।

माननीय मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों के चेहरों पर हमें मुस्कान लानी है जैसे शरीर का विकास धमनियों से है उसी तरह से प्रदेश का विकास सड़कों से है, अगर मान्यवर, धमनियां सारी काम करेंगी तो शरीर सही चलेगा, रोडें उत्तर प्रदेश में नहीं बनेंगी तो सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास संभव नहीं हो सकता है। वह आज तक देखने को मिला है। माननीय मंत्री जी काफी सम्मानित नेता हैं कई बार का उन्हें अनुभव है, मुझे भी कई बार मंत्री बनने का मौका मिला है चाहे जो विभाग हो, जब बजट का आवंटन होता है बजट की स्वीकृतियां जारी होती हैं उसमें वित्त विभाग का बड़ा रोल होता है। कोई भी मंत्री नहीं चाहता है कि हमारे विभाग में अच्छा काम न हो, लेकिन वित्त विभाग द्वारा बार–बार अड़ंगा डाला जाता है और लास्ट में इसको ले जाया जाता है मार्च के महीने में, और मार्च के महीने में फटाफट स्वीकृतियां जारी होती हैं। मा0 मंत्री जी जब 11 महीने में आपके विभाग के अधिकारी काम नहीं कर सकते हैं तो एक महीने में बजट आवंटन करने पर कितना विकास कर सकते है। मा0 मुख्यमंत्री जी बैठे हैं। मैं भी मंत्री था। सुश्री मायावती जी जब मुख्य मंत्री थीं तो उन्होंने व्यवस्था बनायी थी कि विभागीय मंत्री हर महीने अपने विभाग की समीक्षा करेगा। इस सरकार में आज तक हर महीने विभाग की समीक्षा की कोई व्यवस्था ही नहीं बनायी गयी है। मैं कोई

आलोचनात्मक बात नहीं कह रहा हूं, मैं अपना अनुभव बता रहा हूं और मैं यह देख रहा हूं। मान्यवर, यदि हर महीने समीक्षा होगी तो अधिकारियों की कमियां सामने आयेंगी। प्रदेश में कहां क्या हो रहा है, कितने सेतु अधूरे हैं, कितनी सड़कें अधूरी हैं, कहां जरूरत है वह खुलकर मंत्री जी के सामने आयेगा तब मंत्री जी उन पर प्रेशर बनायेंगे फिर वित्त विभाग के अधिकारी बजट आवंटित करेंगे तो विकास होगा। मान्यवर, मैंने देखा है कि अभी यह नारे के रूप में बहुत अच्छा लग रहा है– 'राइजिंग उत्तर प्रदेश' मैंने देखा है कि 'राइजिंग उत्तर प्रदेश' जगह–जगह लिखा है। अब 'राइजिंग उत्तर प्रदेश' को तो तीन साल हो गये और दो साल बाकी हैं। हमारे एक मित्र हैं बगल में बैठे हैं इन्होंने 'शाइनिंग इंडिया' कहा था। इनका क्या हाल हुआ था 'शाइनिंग इंडिया' के बाद ? स्वर्गीय प्रमोद महाजन जी ने एक स्लोगन दिया 'शाइनिंग इंडिया', उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के लोगों का क्या हाल हुआ ? आज 'राइजिंग उत्तर प्रदेश' का नाम दिया जा रहा है इनका क्या होगा वह तो 2017 में भविष्य बतायेगा ? (सत्ता पक्ष के अनेक मा0 सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान) मुझे देखेंगे, मुझे 2017 में उस तरफ देखेंगे, मैं गारण्टी से कह रहा हूं।

मान्यवर, मा0 मुख्य मंत्री जी ने आपकी तुलना मा0 मौर्य जी के बराबर की है तो उनकी अक्ल की नकल भी कीजिये। अक्ल की नकल कीजिये, केवल यहां पर गोलमोल करने से कुछ नहीं होता। मान्यवर, 'शाइनिंग इंडिया' का क्या हाल हुआ और 'राइजिंग उत्तर प्रदेश' का क्या हाल होगा, आने वाले वक्त में यह पता चल जायेगा, दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। मैं मा0 मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि आप हनकदार मंत्री हैं। आप अपने अधिकारियों के माध्यम से समय से बजट खर्च क्यों नहीं करा पाते हैं ? समय से बजट खर्च कराइये और सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास कीजिये। मान्यवर, मेरा मानना है कि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास तभी सम्भव है जैसे घुड़साल में बांधे हुये हर घोड़े को आपको मजबूत करना है तो आपको सामूहिक दाना डालने की आदत छोड़कर अलग–अलग बंधे हुये घोड़े को जब तक दाना नहीं खिलायेंगे तब तक हर घोड़ा मजबूत नहीं होगा। अगर सामूहिक रूप से दाना डालेंगे तो जो मजबूत घोड़ा है तो वह कमजोर घोड़े को दोलत्ती मारकर गिरा देगा और स्वयं पूरा खाना खा जायेगा। उसी तरह आप उत्तर प्रदेश के हर कोने का विकास कराना चाहते हैं।

'पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)–

मा0 अध्यक्ष जी, पूर्व मंत्री जी बहुत अनुभवी हैं और वह अपने अनुभव से बहुत सारी बातों को बता रहे हैं और बजट की चर्चा इसीलिये होती है कि ज्ञान की और अनुभव की बातें आ सकें। आपने घोड़े को दाना डालने वाली जो बात कही है तो यह बता देंगे कि किस–किस घोड़े को कौन–कौन सा दाना डाला गया ताकि हम लोगों को थोड़ी सुविधा हो जायेगी और हम लोग इस पर विचार कर लेंगे।

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मान्यवर, मैं यह बताना चाहता हूं कि सुश्री मायावती जी की सरकार थी। यहां 403 विधायक चुनकर आते हैं और हमारी तत्कालीन सरकार में मा0 मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि हम उत्तर प्रदेश का सम्पूर्ण विकास करायेंगे और हर विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने अम्बेडकर गांव का चयन किया था। प्रतिवर्ष एक लक्ष्य तय किया था कि हर विधान सभा क्षेत्र में इतने अम्बेडकर गांव चयनित किये जायेंगे, उसमें रोडें बनेंगी, सी0सी0 रोडें बनेंगी, नालियां बनेंगी और उसकी अवस्थापना सुविधाओं से उसको परिपूर्ण किया जायेगा। जब तक यह व्यवस्था नहीं की जायेगी सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास नहीं हो सकेगा, मात्र 10–12 जिलों का विकास हो सकेगा। उत्तर प्रदेश के मात्र 10–12 जिलों तक यह बजट जा रहा है उसके अलावा तो कहीं दिखाई नहीं पड़ रहा है। यह हमारे मित्र बैठे हैं, हाथ हिला रहे हैं, इनके यहां चले जायें, गोण्डा में तो कमर टूट जायेगी, वहां ऐसी रोडें हैं।

श्री योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भैय्या'–

आपको जानकारी नहीं है, गोण्डा फोर लेन स्वीकृत हो गया है।

(कई सदस्यों के बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

आप लोग बैठिए, अभी बोल लीजिएगा। आप लोग शान्त रहें, बोलने दीजिए।

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश की रोडों की बहुत दुर्दशा है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने और इस सरकार ने घोषणा किया है कि हम उत्तर प्रदेश के सभी जिलों को फोर लेन से जोड़ने का काम करेंगे। हमारे नेता, माननीय स्वामी प्रसाद मौर्य जी ने बता ही दिया है कि आटोमैटिक पहले से ही कितने जिले फोर लेन से जुड़े हैं। अभी तो उत्तर प्रदेश में जिन जिलों को, शहरों को जोड़ना है, फोर लेन से उन सभी जिलों की कार्य योजना ही नहीं बनी है। मान्यवर, हमारे कोने पर बैठे हैं, प्रतापगढ़ वाले बता दें कि उनकी फोर लेन वाली सड़क किधर से जुड़ रही है, उनका शहर किधर से जुड़ रहा है, मुझे तो नहीं पता। फोर लेन से किस तरफ से प्रतापगढ़ जुड़ रहा है, अभी तो मुझे कहीं यह नजर नहीं आ रहा है।

खाद्य एवं रसद मंत्री (श्री रघुराज प्रताप सिंह)–

माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से अवगत कराना चाहेंगे, फोर लेन प्रतापगढ़ की कोई ऐसी तहसील नहीं है, जो मुख्यालय से न जुड़ी हो। अभी फोर लेन जेठवारा–कुण्डा स्वीकृत हो गई है, इसके पहले जेठवारा–लाल गोपालगंज स्वीकृत हो गई है, पट्टी से जुड़ी हुई है। आप प्रतापगढ़ तो आइये, कमर सलामत रहेगी।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)–

मान्यवर, क्योंकि बात प्रतापगढ़ की आई है और वह मेरा भी जनपद है।

श्री अध्यक्ष–

आप तो माइग्रेट कर गए हैं, कुशीनगर।

(हंसी)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष महोदय जी, क्योंकि प्रतापगढ़ मेरी जन्मभूमि है, जनपद है तो लगाव तो रहेगा ही, रहेगा, इसलिए अनुरोध करना चाहता हूं, माननीय मंत्री जी अगर सही बात करते तो मेज थपथपाकर उनका स्वागत करते। सही बात तो यह है कि जिला मुख्यालय से अभी तक कोई भी सड़क फोर लेन नहीं हुई है। जिस सड़क की बात यह कर रहे हैं, चौड़ी जरूर हुई है, लेकिन फोर लेन कोई सड़क नहीं है, यह मेरी निश्चित जानकारी है क्योंकि दो दिन पहले ही मैं लौट कर आया हूं। इसलिए माननीय मंत्री, अंधेरे में मत रखिए और आपको चाहिए कि मा0 मंत्री जी से निवेदन करके पैसा ले जाइये, धन ले जाइये, फोर लेन उनको करवाइये, हम भी अनुरोध करते लेकिन आप तो ऐसा बता रहे हैं कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को जो पैसा देना भी होगा, वह भी नहीं देंगे क्योंकि आप बता रहे हैं कि फोर लेन हो चुकी है।

श्री रघुराज प्रताप सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, नेता प्रतिपक्ष, आदरणीय मौर्या जी, हमारी विधान सभा के ही निवासी हैं और शायद बात आपने ठीक से सुनी नहीं, मैंने यह कहा है कि जेठवारा–लाल गोपालगंज जो आपके घर के सामने से जाती है सड़क, वह अभी हाल ही में फोरलेन स्वीकृत की गयी है, माननीय मंत्री जी द्वारा, इसमें कहीं से कोई गलतबयानी नहीं है। जेठवारा से कुण्डा बन ही गयी है और एक निवेदन आप से भी है कि आप अपने घर भी आया करिए तो अपने घर की सड़कों का हाल भी देखिए।

श्री अम्बिका चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, यह फोर लेन की बात तो हो गयी, उनकी शंका का समाधान भी हो गया। नेता प्रतिपक्ष ने अपने जिले में होने के कारण स्वागत भी कर लिया, बहुत–बहुत धन्यवाद। फोरलेन का झगड़ा नहीं है, जो कमर की तकलीफ की बात हुई है, यह बड़ा गंभीर सवाल है। कमर की जो गड़बड़ी है, कमर की बात है, वह बताया आपका। वह सिर्फ फोरलेन के होने और गड्डे के नाते नहीं है, पेट जब ज्यादा निकल जायेगा और तब कमर पर जो ज्यादा लोड आयेगा, उससे ज्यादा बड़ी गड़बड़ी है और पेट क्यों ज्यादा निकलता है, वह आप जानते हैं। इसलिए मान्यवर, इसको बचा कर रखें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, बात उसकी नहीं है, आप भी उसके भुक्तभोगी हैं। जब आप मान्यवर, सिद्धार्थनगर से आते हैं तो जिस तरह से खराब हालत सड़कों पर आप चलते हैं तो हम समझते हैं कि आने के बाद दो दिन तक आपको भी कमर दर्द का एहसास होता होगा।

श्री अध्यक्ष–

ऐसा नहीं है मौर्य जी हमारी सड़क नेशनल हाइवे है और बहुत अच्छी बनी है। पहले हम छः घण्टे में आते थे अब हम चार घण्टे में आते हैं। बस्ती से इटवा अच्छी सड़क बन गई है।

श्री अम्बिका चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री जी ने अध्यक्ष जी का बहुत ध्यान रखा है। अपनी बुआ जी के लिए जो गाड़ी आई थी वह अध्यक्ष जी को चढ़ने के लिए दे दी। वह हिलती नहीं है।

(हंसी)

श्री अध्यक्ष–

देखिए ऐसे वार्तालाप में समय नष्ट हो रहा है। बहुत लोगों को बोलना है।

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मा0 अध्यक्ष जी, फोरलेन का मामला है। चूंकि, भाई अनुग्रह नारायण तो दिख नहीं रहे हैं। इलाहाबाद के गामा पाण्डेय जी डा0 अजय हैं मा0 वाचस्पति हैं तमाम लोग बैठे हैं। इलाहाबाद शहर को आज तक फोरलेन से जोड़ने की योजना ही नहीं बनाई गई। जी0टी0 रोड चालीस किलोमीटर पोखराज से कटकर हंडिया चली जाती है। आज तक न तो कानपुर रोड से इलाहाबाद फोरलेन जुड़ा न तो लखनऊ से इलाहाबाद फोरलेन से जुड़ा न बनारस रोड से इलाहाबाद फोरलेन से जुड़ा न तो रीवां रोड से इलाहाबाद तक फोरलेन जुड़ा। आज तक कोई कार्य योजना ही नहीं बनी। यह फोरलेन केवल कागजों पर ही है जमीन पर अभी तक अवतरित नहीं हुई। मैं अपने विधान सभा की बात करता हूं। कोई भी योजना लम्बित होती है तो मंहगाई बढ़ती है उसका खर्चा बढ़ता है। लगभग चार साल हो गए हमारे क्षेत्र टेंवा पश्चिम सरीरा मार्ग पर स्वीकृति भी हुई थी, कार्य भी प्रारम्भ हुआ था। कनैली बखण्ड्रा रोड का काम आधे से ज्यादा हो गया था। मूरतगंज राजापुर मार्ग, राजा भइया जी उठ कर चले गए हैं वह चित्रकूट ज्यादा जाते हैं चार साल के बाद भी आज तक वह सड़कें पूरी नहीं हो पाई हैं। तीन साल इस सरकार के हो गए हैं। उसकी लागत बढ़ रही है। मा0 मंत्री जी अगर आप उन्हें निरस्त कर दें तो कम से कम उनके गड्ढों की भराई हो जाएं। वह सड़कें चलने लायक हो जाएं। आपके अधिकारियों से बात करो तो वह कहते हैं सरकार ने इनको निरस्त नहीं किया है इसलिए हम उनका पुनर्निमाण नहीं करा सकते हैं। उनको चाहे निरस्त कर दीजिए मत बनवाइये उनका पुनर्निमाण तो हो जाए। मा0 मुख्य मंत्री जी आप भी बैठे हैं कौशाम्बी और प्रतापगढ़ को जोड़ने के लिए एक नायाब पुल बना है। मा0 नेता जी का पत्थर भी लगा है।

2003 में जब नेता जी मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने ही इसका शिलान्यास किया था। अब वह पुल बन कर खड़ा है लेकिन उसकी एप्रोच रोड ही नहीं बनाई गई है। मैं बार–बार विधान सभा के नियमों में इसे लगाता हूं अभी अध्यक्ष जी ने उसे नियम–51 में स्वीकार भी किया है। जब तक आप उस पुल के लिए जो लहदरी घाट पर बना है

उसके लिए एप्रोच रोड नहीं बनायेंगे आवागमन की सुविधा नहीं मिल पायेगी। आपका कई करोड़ का पुल बना है वह जनहित के काम आए इसलिए इसे भी दिखा लीजिए। सुश्री मायावती जी की सरकार में हमारे विधायक चन्द्रभान पटेल बैठे हैं इनके क्षेत्र चित्रकूट जिले से कौशाम्बी को जोड़ने के लिए महिला घाट मऊ में यमुना नदी पर अधूरा पुल बना है। उसका सारा सामान उठ कर चला गया। निर्माण कार्य बंद है। इसको भी मा0 मंत्री जी को दिखवाना चाहिए। मैंने देखा मा0 मुख्य मंत्री जी का काफिला जाता है मा0 लोक निर्माण मंत्री भी जाते हैं सुश्री मायावती जी ने लोहिया पथ के साइकिल ट्रैक पर सोचा था कि इसको हटा दिया जाए। बहुत हल्ला मचा कि यह नहीं टूटेगा खैर उसको नहीं छुआ गया आपने हटा दिया। वह जनता की सुविधा के लिए ठीक था। उसको आपने हटा दिया और रेलिंग भर लगा हुआ है। मैं जब रोज इधर से बहुखण्डी की तरफ जाता हूं तो उस पिल्लर के ऊपर जो लट्टू लगाया गया है डी0जी0पी के कार्यालय की तरफ जैसे ही नाले से मुड़ते हैं एक पिल्लर आज भी टेढ़ा पड़ा हुआ है। जबकि भुगतान ले लिया गया होगा। यह हनक देखने को मिल रही है। अरे आप हनकदार मंत्री हैं आप ऐसे अधिकारियों को सस्पेंड करिये जो अधूरा कार्य छोड़कर चले जाते हैं। उत्तर प्रदेश में जैसे अम्बेडकर गांवों का विकास किया गया था उस तरह लोहिया गांवों का आप विकास कर रहे हैं। ठीक है। लेकिन उसके आप मानक तय करिये। हर विधान सभावार लोहिया गांव बनाइये। जो मौजूदा बजट आप दे रहे हैं वह बहुत कम है। लोहिया गांवों के लिए आपको और बजट देना चाहिए। मा0 मुख्य मंत्री जी आप तो विदेश में पढ़े हैं मुझे भी यूरोप में घूमने का मौका मिला है। आपकी जो साइकिल ट्रैक योजना है यह सही है। शुरू करना चाहिए अच्छी बात है लेकिन साइकिल ट्रेक तो तभी कारगर होगा जब ट्रेफिक व्यवस्था सही हो। मैंने यूरोप में देखा है कि साइकिल ट्रेक बने हैं, ट्राम्प ट्रैक बने हैं, चार पहिया के ट्रैक बने हैं। एक ही रास्ते से यह वाहन जाते हैं। लेकिन वहां जो ट्रैफिक सिस्टम है उसकी तर्ज पर पहले यहां ट्रैफिक सिस्टम तो सुधारिये। साइकिल ट्रेक आपने बना दिया। कोई तेजी से जाएगा विक्रमादित्य चौराहे पर लड़ जाएगा। एक्सीडेंट हो जाएगा मर ही जाएगा। यहां पुलिस वाले के रोकने पर तो रुकते नहीं हैं लोग गाड़ी घुसाते हुए चले जाते हैं। साइकिल ट्रैक बनना चाहिए लेकिन पहले ट्रैफिक व्यवस्था सुधारिये।

आप विदेश में पढ़े आप नई–नई बातें लाये, उसको लागू करेंगे। स्वागत है। लेकिन इसके पहले अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर दुरुस्त करिये। मैं तीन साल से लगातार सुन रहा हूं कि लखनऊ, आगरा एक्सप्रेस–वे, कितना बना, कहां तक बना कुछ पता ही नहीं चलता। उसके प्रचार–प्रसार में कितने करोड़ रुपया खर्च किया जा रहा है। ट्रांस गंगा सिटी का प्रचार किया जा रहा है। केवल कागज में अच्छा–अच्छा देखने को मिलता है। जमीन पर कुछ देखने को नहीं मिलता है। उसको धरातल पर लागू करने का काम करिये। मान्यवर, मैं ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि पूर्वांचल विकास निधि, बुन्देलखण्ड विकास निधि इसकी परिकल्पना इसलिए की गयी थी कि प्रदेश का समुचित विकास हो। आप लगातार बजट घटाते चले जा रहे हैं। अबकी बार हम पूर्वांचल के लोग आधा बजट

भी नहीं पाये। उस पर कटौती कर दिया और अबकी बार इस बजट में और कटौती कर रहे हैं। बुन्देलखण्ड के लोग बैठे होंगे, बुन्देलखण्ड के लोग करोड़ों रुपया पाते थे। वह बता रहे हैं कि नेता जी ने शुरू किया था। तो नेता जी ने जो काम शुरू किया उसमें यह कटौती कर रहे हैं। तो इसको बढ़ाने की जरूरत है। क्योंकि मा0 जनप्रतिनिधिगण उसमें अपने क्षेत्र के विकास की योजनायें लिखते हैं उसके लिए वह स्वतंत्र होते हैं और पूर्वांचल या बुन्देलखण्ड का समुचित विकास होता है। तो यह निधियां बढ़नी चाहिए इसको खत्म नहीं करना चाहिए। तो मेरा तो सिर्फ यह कहना है कि मा0 मंत्री जी आप हनक दिखायें। इनका पैसा बढ़ना चाहिए। जो मैंने कुछ बिन्दु उठाये हैं, या तो पुरानी योजनाओं को कैंसिल कर दीजिए ताकि उनकी रिपेयरिंग हो सके। और रिपेयरिंग के नाम पर आप पैसा दे देते हैं जो सही योजनायें हैं उसमें पैसा खर्चा नहीं होता। एक तरफ रोलर चलता है डामर पड़ता है दूसरी तरफ झाड़ू लगता है। इस तरह मार्च में दनादन पैसा निकालने का काम होता है। मैं कहना चाहूंगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी की सोच अच्छी है। मा0 मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि अवस्थापना सुविधाओं पर ध्यान करेंगे। लेकिन आप मजबूत अवस्थापना सुविधाओं पर ध्यान करियेगा ताकि जो चीजें बनें वह टिकाऊ होनी चाहिए। तो इसलिए यह जो बजट आया है इसका कोई औचित्य नहीं है। आप समय से खर्च नहीं कर पा रहे हैं। आप अधूरे कामों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। पहले पुराने कामों को पूरा करना चाहिए। मा0 धर्मपाल सिंह जी ने जो कटौती का प्रस्ताव रखा है उस पर बल देते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। बहुत–बहुत धन्यवाद।

(सदस्य श्री जाहिद बेग के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष–

आपका विवेकपूर्ण भाषण बाद में मुख्य मंत्री जी सुनेंगे। अभी बैठिये। शादाब फातिमा जी आप संक्षेप में बोलिये।

'श्रीमती सैय्यदा शादाब फातिमा–

मान्यवर, आपने मुझे लोक निर्माण विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग के बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। निश्चित रूप से यह अब तक का सबसे अच्छा बजट रहा है और बहुजन समाज पार्टी ने लोक निर्माण विभाग का जो अपना अन्तिम बजट पेश किया था वह लगभग साढ़े सात हजार करोड़ का था, उससे यह वर्तमान बजट लगभग दूने का है। लेकिन इसका महत्व केवल इसलिए नहीं है कि इसका आकार दूना हो गया है बल्कि कुछ विशेष कारण रहे हैं। हलांकि अभी माननीय इन्द्रजीत सरोज जी जब खड़े थे तो उन्हें कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था, कुछ भी शलाध्य नजर नहीं आ रहा था। पता नहीं कहां से उन्होंने घोड़े की बात निकाली कि अलग–अलग खाने में करके उनको चने देना चाहिए। मुझे लगता है कि अलग–अलग खाने में करके कुछ घोड़ों को इतना ज्यादा चना खिलाया गया कि बाद में जो उनको

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

कमर दर्द की समस्या बता रहे थे, उस समस्या से ग्रसित हो गये और पता नहीं शायद जेल की हवा भी कुछ लोगों को खानी पड़ी हो लेकिन जो पुलों की बात आप कर रहे थे कि पुल पड़े रह गये, अप्रोच नहीं बनी।

आज हम इस बात को कह सकते हैं कि जनवरी, 2015 तक, मैं 2012 से नहीं जोड़ रही हूं मात्र वित्तीय वर्ष 2014–15 की बात कर रही हूं कि उसमें जो लक्ष्य था कि जनवरी, 2015 तक 62 सेतुओं का निर्माण हुआ है जिसमें 33 बड़े सेतु थे, 16 मध्यम थे और 13 रेलवे ऊपरी सेतु थे। बात हो रही थी पुलों की कि अप्रोच नहीं हो सका मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि बलरामपुर जिले में एक पुल था, कुण्डरी घाट का पुल। भाजपा के भी लोग बैठे हुए हैं, यह पुल उनके विकास पुरुष माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी का भी सपना था और उस क्षेत्र की तमाम जनता का भी। वह पुल बना, अप्रोच बनी और 05 साल तक आपके शासनकाल में उस पुल का उद्घाटन नहीं हो सका, वह निष्प्रयोज्य था। इस कारण कि जो नदी थी उसने अपनी धारा को बदल दिया था और जब हमारी सरकार बनी है वर्ष 2012 में तो माननीय लोक निर्माण मंत्री जी वहां गये और साथ में लोक निर्माण विभाग के अभियंता साथ में सिचांई विभाग के अभियंता भी वहां गये। जो काम आपको असम्भव प्रतीत हो रहा था कि नदी की धारा को कैसे मोड़ें, उन्होंने उस नदी की धारा को मोड़ कर 05 वर्ष से निष्प्रयोज्य पड़े हुए पुल को बनाकर जनता को समर्पित करके दिखाने का काम किया और यह साबित कर दिया कि –

'मुश्किलें कुछ भी नहीं अज्म जवां के आगे,
हौसले आज भी दीवार गिरा देते हैं'

आपके पास हौसला नहीं है। क्या 05 साल तक लोक निर्माण विभाग मंत्री विहीन था ? क्या 05 साल तक लोक निर्माण विभाग में प्रमुख अभियंता नहीं थे ? प्रमुख अभियंता जो विभागाध्यक्ष थे वो तो आपकी नजर में इतने काबिल थे कि उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनको एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन दिया गया। फिर भी वह पड़ा रह जाता है। भगीरथ प्रयास अगर कोई करता है तो आदरणीय लोक निर्माण मंत्री जी ने करके दिखाया। वित्तीय वर्ष 2015–16 में जो कि वर्तमान वर्ष है, इसमें पुलों के लिए 1749 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था की गयी है और हमारा लक्ष्य 130 पुलों के निर्माण का है।

आदरणीय सरोज जी कह रहे थे कि आपके पास कोई विजन नहीं है, कहां है फोर लेन का काम ? मैं उनसे कहूंगी कि आज शायद आपके वह सदस्य नहीं आये हैं परन्तु भाजपा के माननीय सदस्य सामने बैठे हुए हैं, जो फोर लेनिंग की आप बात कर रहे थे, हमारी सरकार ने बजट में जिला मुख्यालय को फोरलेन से जोड़ने के लिए 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की और माननीय भाजपा के बलिया के सदस्य बैठे हुए हैं। बलिया के मऊ जनपद से फोर लेनिंग का काम शुरू हो गया है या नहीं, इसका जवाब हम नहीं देंगे, इधर के लोग नहीं देंगे, उधर के लोग देकर बतायें कि क्या मेरा कथन असत्य है ? आपके सदस्य बलिया वाले मा0 उमाशंकर जी मौजूद नहीं हैं, वरना वह बता

देते कि फोरलेन उनका चालू हो रहा है कि नहीं हो रहा है। आप कह रहे हैं कि सड़कों का कार्य कहां हो रहा है, आप देखिये तो सही कि क्या हुआ है इसमें कि हजारों किमी0 सड़कें अनुरक्षण के अभाव में, देख–रेख के अभाव में टूट गई थीं, चलने के लायक नहीं थीं, उनको चलने योग्य बनाने के लिए इस वित्तीय वर्ष में सामान्य अनुरक्षण, नवीनीकरण और स्पेशल रिपेयर के लिए तीन हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में करके हमने दिखाया है कि समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है, हम गांव का भी विकास चाहते हैं, नगरों का भी विकास चाहते हैं, क्या आपके पास विकास की कोई ऐसी अवधारणा थी। सबसे पूछ करके बताइये कि आपने उन सड़कों के लिए क्या किया, सड़कें जर्जर अवस्था में थी। बात अभी मा0 पवन पाण्डेय जी ने कही थी अकबरपुर, अम्बेडकरनगर से हो करके जो सड़कें जाती हैं आपके आजमगढ़ तक चार–चार, पांच–पांच मंत्री थे, मा0 लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष भी आजमगढ़ के थे, उस सड़क का क्या हाल था, वह सड़क भी फोरलेन में आ गई और उसके ऊपर निर्माण का कार्य शुरू हो गया। सवाल तो यह है कि अगर आप देखना न चाहें तो कोई क्या कर सकता है, लेकिन अगर आप देखना चाहें तो आपको जरूर नजर आयेगा ऐसी कोई बात नहीं है।

प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्योंकि पर्यटन भी जरूरी होता है। अभी पर्यटन के लिए एक टूरिज्म हेड फण्ड बनाया गया, ताकि पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके, 25 करोड़ उसके अन्तर्गत रखे गये। आप लोग कह रहे थे कि आपके जमाने में अम्बेडकर गांव का विकास हुआ, आपके पास कोई योजना नहीं है, योजना थी, आप देखना न चाहं तो बात अलग है और इसी का नतीजा है कि जो वर्ष अभी बीत रहा है यह वित्तीय वर्ष इसके अन्तर्गत विभिन्न योजनाएं चाहे वह जिलायोजना हो, आई0आर0डी0पी0 हो, स्पेशल कम्पोनेण्ट प्लान हो या कोई व्यापार विकास निधि हो इन सबके अन्तर्गत लगभग 29 सौ ग्राम और बसावटें ऐसी हैं, जिनको पूरा करने के लिए 1943 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की गई थी जो पिछला बजट था। अभी वर्तमान बजट में जो लोहिया गांव हैं उनके विकास के लिए निर्माण के लिए जो चालू कार्य हैं उनके लिए दो सौ करोड़ रुपये और जो नए कार्य हैं उनके लिए भी दो सौ करोड़ रुपये कुल मिला करके लगभग चार सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की गई है। इतना ही नहीं कि प्रदेश में जो कोर रोडों का नेटवर्क था, उस कोर रोड के नेटवर्क को सही करने के लिए भी साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की गई। इतना सुन्दर बजट होने के बावजूद, चाहिए तो यह था कि कटौती प्रस्ताव नहीं आता। मा0 धर्मपाल जी ने कहा कि शाहजहांपुर, बरेली यहां तक सड़कें टूटी पड़ी हुई हैं, वह सड़कें राष्ट्रीय राज मार्ग हैं, यदि आप उन्हें उत्तर प्रदेश को हस्तांतरित करना चाहते हों, तो बात अलग है, लिखा–पढ़ी में करके उत्तर प्रदेश को हस्तांतरित कर दीजिए, हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि अगले वर्ष में वह सड़कें बन करके तैयार हो जायेंगी। अगर आप यह नहीं कर सकते हैं तो वहां से गडकरी जी से आप फण्ड ले करके आइये और यह भी सम्भव नहीं हो सकता हो तो मेरा मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से अनुरोध है कि कृपया एक बोर्ड जितनी राष्ट्रीय राज मार्ग की सड़कें हैं, उन पर एक

बोर्ड लगवा दें कि यह भारत सरकार की सम्पत्ति है और जब सड़कें बन जायं तो बोर्ड हटा लीजिएगा। अन्त में यही कहूंगी कि कार्य को करने के लिए हौसला होना चाहिए। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद।

'श्री नदीम जावेद–

मा0 अध्यक्ष जी, मैं बहुत शुक्रगुजार हूं आपका कि आपने लोक निर्माण विभाग जैसे महत्वपूर्ण सब्जेक्ट पर बात करने के लिए और आदरणीय श्री धर्मपाल सिंह जी ने जो कटमोशन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, उसके पक्ष में बात रखने का मौका दिया। हमारे सत्ता पक्ष के मित्रों ने बहुत अच्छे शेर सुनाये और जब वे शेर सुनाये तो मुझे भी एक शेर याद आ रहा था, उसी से बात शुरू करता हूं।

श्री अध्यक्ष–

अरे, इसको मुशायरा न बनाइये।

श्री नदीम जावेद–

मान्यवर, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं कि–

नये सफर का नया इंतजाम कह देंगे,
हवा को धूप, चिरागों को शाम कह देंगे।

अध्यक्ष जी, सड़कें किसी भी विकास के लिये, किसी भी देश के लिये, राज्य के लिये, समाज के लिये और गांव के लिये बड़ी आवश्यक हैं और होनी चाहिये लेकिन हमारा जो विकास का माडल है उस विकास के माडल में जब सड़कें बनती हैं तो हम नेचर के साथ यानी प्रकृति के साथ कितना समझौता करते हैं। अध्यक्ष जी, जब सड़क बनती है तो उसमें गिट्टी लगती है, गिट्टी पहाड़ों को तोड़कर, नेचर के साथ समझौता करके आती है। उसमें बालू लगती है जो नेचर का हिस्सा है। उसमें सीमेण्ट लगती है, उसमें मिट्टी लगती है और जितनी चीजें लगती हैं वे नेचर का हिस्सा हैं। हम नेचर के साथ, प्रकृति के साथ समझौता करके हम अपना विकास का माडल डेवलप करते हैं। अध्यक्ष जी, यूरोप में सबसे पहले जर्मनी में शुरू हुआ कि जो सड़कों का निर्माण है वह पुरानी सड़कों को तोड़कर उसी सड़क को रिसाइकिल करके उसके प्रोडक्ट को वापस सड़क में इस्तेमाल किया जाये। अध्यक्ष जी, यह जर्मनी में सफलतापूर्वक हो चुका है, यह आस्ट्रेलिया में हो रहा है, यह नीदरलैण्ड में हो रहा है और यह लगभग यूरोप के सारे देशों में हो रहा है। अध्यक्ष जी, पिछले वर्ष दिल्ली में जो सड़कों का निर्माण हुआ तो उसमें भी बहुत सारी जगहों पर जो हमारी एग्जिस्टिंग सड़क थीं उनको तोड़कर नई सड़क बनाई जा रही है। उसी के प्रोडक्ट को रिसाइकिल करके नये सिरे से सड़क का निर्माण हो रहा है और जो नेचर के हिस्से थे वे दिल्ली के प्रयोग में 40 से 60 प्रतिशत वही सड़क दोबार इस्तेमाल करके बनी है। अध्यक्ष जी, दूसरी एक और महत्वपूर्ण बात है। मैं लोक निर्माण मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि हम लोग पूरे राज्य में एक साथ नहीं कर सकते लेकिन पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किसी जगह कर सकते हैं। दूसरी

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

अध्यक्ष जी, एक महत्वपूर्ण बात है कि सीमेण्ट की रोड की बात होती है। अभी एक रिसर्च निकल कर आई है और यह रिसर्च की गई है आई0आर0सी0 इण्डियन रोड कांग्रेस के द्वारा जो रोड इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी ऑर्गेनाइजेशन है इंजीनियर्स की, उन्होंने एक सर्वे किया है। उन्होंने कहा कि थर्मल पावर प्लाण्ट से जो ऐश निकलती है, जो राख निकलती है उस राख को हम लोग सीमेण्ट के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

अध्यक्ष जी, वह राख जो थर्मल पावर प्लाण्ट से निकलती है, उसको डिस्पोज करने के लिये यानी जो उसका वेस्ट है उसको कहां ले जाया जाये, यह एक बड़ी समस्या है इस देश के अन्दर और राज्य के अन्दर भी। अब उसको इंजीनियर्स ने यह कहा है कि उसको हम रोड कन्स्ट्रक्शन में इस्तेमाल कर सकते हैं, यानी उस राख का इस्तेमाल किया जा सकता है और मैं उसको बढ़ाने की बात कर रहा हूं। तीसरी बात अध्यक्ष जी, जो स्टील प्लाण्ट है, स्टील प्लाण्ट से जो स्लज निकलता है, जो कॉपर इण्डस्ट्री का स्लज निकलता है उसे रोड के निचले हिस्से में इस्तेमाल किया जा सकता है जिससे हमारी कन्स्ट्रक्शन कॉस्ट कम हो जायेगी, ज्यादा सस्टेनिबिल सड़क बनेगी और हमारे वेस्ट का सही तरीके से प्रयोग किया जा सकेगा। चौथी बात, अध्यक्ष जी, जो सड़कें बन रही हैं आमतौर से, उन सड़कों का 5 वर्ष से 10 वर्ष का कार्यकाल होता यानी उनकी जो जिन्दगी होती है वह 5 से 10 वर्ष की होती है। अध्यक्ष जी, भारत सरकार अभी एक प्रयोग कर रहा है। भारत सरकार ने जितने सीमेण्ट के बड़े उद्योगपति थे उनको बुलाया है। बुलाने के बाद यह कहा कि वे कम रेट पर हमें सीमेण्ट प्रोवाइड करायें। उन्होंने कहा है कि 140 रुपये से 160 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से अगर सीमेण्ट मिलती है तो सीमेण्ट की सड़क बने। अध्यक्ष जी, अगर सीमेण्ट की सड़क बनती है तो उसकी लाइफ 15 से 20 वर्ष के बीच होती है लेकिन सीमेण्ट की सड़क बनने की जो कॉस्ट है वह 30 प्रतिशत अधिक होती है इसलिये अध्यक्ष जी, अगर हम लोग भारत सरकार ने जो माडल एडॉप्ट करने की कोशिश की है अगर उसी तरह के माडल को राज्य में एडॉप्ट करते हैं और सीमेण्ट अगर हम सड़क बनाते हैं तो वह ज्यादा सस्टेनिबिल होगी और जो 5 से 10 वर्ष की आयु सड़क की होती है, हम उसको बढ़ा पाने में कामयाब होंगे। अध्यक्ष जी, एक बात और कहनी है। मैं जौनपुर से आता हूं। एक सड़क जो जौनपुर से शुरू होती है भदोही आती है। भदोही से जौनपुर आती है, जौनपुर से अकबरपुर जाती है। अध्यक्ष जी, वह सड़क पूरी तरह से 10 वर्षों से टूटी हुई है। मैंने उसका डेटा निकाला तो यह पता चला कि राज्य सरकार ने 7 वर्ष पहली पी0पी0पी0 माडल में डाल दिया, पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप में। अध्यक्ष जी, कोई भी इन्वेस्टर उस जगह पर पैसा लगाने के लिये तैयार नहीं होगा जहां पर उसको प्रॉफिट न हो। ऐसी सड़कें जिनको राज्य सरकार पी0पी0पी0 में डालती है मगर कोई इन्वेस्टर आने को तैयार नहीं है तो फिर ऐसी सड़कों को ई0पी0सी0 माडल में डाला जाये ताकि वह सड़क जल्द से जल्द बन पाये। उसकी मरम्मत के लिये हमारे ललई भइया बगल के विधायक हैं समाजवादी पार्टी से और हम बगल के हैं, हमारा तीन पुश्तों से रिश्ता भी है। इन्होंने प्रयास किया है और सड़क की मरम्मत का काम तो हो रहा है लेकिन अध्यक्ष जी, जो

पैच लगते हैं इन पैच की क्वालिटी ऐसी होती है और माननीय मुख्य मंत्री बैठे हुए हैं। इनकी क्वालिटी ऐसी होती है माननीय अध्यक्ष जी कि एक बरसात होती है और वह सड़क फिर उसी तरह से टूट जाती है। 40–50 प्रतिशत पैसा खाया जाता है, मैं यह नहीं कहता कि राज्य सरकार के लोग उसमें सम्मिलित हैं, लेकिन चाहे ठेकेदार हो, चाहे जे0ई0 हो, चाहे एक्स0सी0एन0 हो, चाहे ए0ई0 हो अध्यक्ष जी ऐसा लगता है कि जैसे इंस्टीट्यूशन डेवलप हो गया है करप्शन का, उस पर कहीं कोई रोक नही है। माननीय अध्यक्ष जी अगर सरकार गंभीर है और चाहती है कि सड़कों की समस्या का समाधान ढंग से हो तो जो मरम्मत होती है, उसकी क्वालिटी बेहतर की जाए, क्वालिटी कन्ट्रोल किया जाए ताकि हम इस समस्या से निजात हासिल करने में कामयाब हो पाएं। अध्यक्ष जी, आपने बहुत समय दिया चूंकि माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हुए हैं और माननीय लोक निर्माण मंत्री भी यहां बैठे हुए हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि मेरे जनपद की इस सड़क पर, विशेष रूप से चार लेन की चर्चा जो बार–बार हो रही है, वह सड़क ठीक करने का काम करेंगे। ''**मुझको इकतों में, कबीलों में न तख्शीम करो, मैं वहां तक हूं, जहां तक यह सड़क जाती है।''**

'श्री महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू–

मान्यवर, आपने माननीय लोक निर्माण मंत्री आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी के द्वारा रखे गए बजट पर बोलने का अवसर दिया आपको धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, अभी उधर से विपक्ष से बजट के बारे में तमाम उपमायें दी गईं और तरह–तरह की बातें कही गईं, जबकि 2005–06 में हमारे क्षेत्र में बहराइच और सीतापुर को जोड़ने वाला घाघरा नदी का पुल, जिसको चहलारी घाट के नाम से जाना जाता है। वह दो जनपदों को ही नहीं बल्कि दो देशों को जोड़ता है। नेपाल से सीधा सम्पर्क जनपद सीतापुर और बहराइच से इस पुल के जुड़ जाने से हो जाता है। वर्ष 2005–06 में माननीय लोक निर्माण मंत्री जी के द्वारा उस पुल की शुरुआत की गई थी और उस कार्य का शिलान्यास किया गया था, जब समाजवादी पार्टी की सरकार चली गई और बहुजन समाज पार्टी की सरकार आई तो उस काम को रोक दिया गया बल्कि जो भी काम हुआ उसमें दो तरफ से पुल बनाए गए और बीच का जो हिस्सा था, उसको टेढ़ा कर दिया गया। पुल टेढ़ा हो जाने के कारण नदी में जब बाढ़ आई तो उस बाढ़ में बीच का हिस्सा कट गया और उनकी प्लानिंग यह थी कि इसको मिट्टी से पाट दिया जाए, दो पुल इधर–उधर बना दिये जाएं और जो बीच का हिस्सा है उसे मिट्टी से पटवा दिया जाए, जिससे प्रतिवर्ष यह मिट्टी कटे और जब मिट्टी कटे तो उसे अधिकारी बार–बार लगवाये और उससे जो आमदनी हो वह उनकी जेब में जाये। इसलिए यह काम किया गया। मैं माननीय अध्यक्ष जी अनुरोध करना चाहता हूं, माननीय मुख्य मंत्री जी से, माननीय लोक निर्माण मंत्री जी से कि जो चहलारी घाट का जो पुल है वह अधूरा है। उस पुल का माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा निरीक्षण भी किया जा चुका है,

---

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

हेलीकाप्टर के द्वारा। मेरा निवेदन है कि उस पुल के कार्य को पूरा किया जाए। यही हमारा अनुरोध है, इसी अनुरोध के साथ आपको बहुत–बहुत, धन्यवाद।

'श्री लोकेश दीक्षित–

माननीय अध्यक्ष जी, आपने हमें बोलने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, यह बजट के नाम पर छलावा है, मैं बागपत जिले से आता हूं और पूरे जिले की एक भी सड़क ऐसी नहीं है जो चलने के लायक हो। सारी सड़कें जर्जर हैं, टूटी हुई हैं। पहले भी माननीय मंत्री जी ने कहा था कि हर विधायक को गड्ढामुक्त करने के लिए 10–10 किलोमीटर सड़क दी जायेगी, परन्तु पूरे जिले में 10 किलोमीटर भी सड़क ऐसी नहीं है, जो चलने के लायक हो। दिल्ली–यमुनोत्री मार्ग का तो यह हाल है कि वहां एक्सीडेन्ट हो रहे हैं, सड़क टूटने की वजह से एक्सीडेन्ट हो रहे हैं और यह नहीं मालूम पड़ता है कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढ़ा है। एक हमारे यहां मेथला मार्ग है, जो वर्षों से टूटा पड़ा है। वहां पर 90 दिन तक धरना और प्रदर्शन भी चला। कई संस्थाओं ने वहां पर धरना भी दिया, परन्तु माननीय मंत्री जी ने उस पर पैच भी लगवाने का काम नहीं किया। गाड़ी चलाते नहीं बन सकती भैसा बुग्गी चलने लायक नहीं है, धामपुर, लौहारी खेड़ा में बिल्कुल मार्ग नहीं है, आपके माध्यम से माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार को यह भी मालूम नहीं पड़ता कि अरबों का बजट जाता कहां है ?

(इस समय 02 बजकर 20 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मदन चौहान पीठासीन हुए)

हमारे पश्चिम में तो एक भी सड़क ऐसी नहीं है जो चलने के लायक हो। हमारा जिला गन्ना उत्पादन करने में उत्तर प्रदेश में सबसे नम्बर वन है पर शुगर मिल तक एक भी सड़क ऐसी नहीं है जहां तक भैसा बुग्गी या ट्रैक्टर ट्राली से सही सलामत वह गन्ना पहुंचाया जाय तो आपके माध्यम से मैं यह कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी और माननीय मंत्री जी से, माननीय मुख्य मंत्री जी से कि 2–4 जिले में पैसा लगाने से कुछ काम होने वाला नहीं है। इस पश्चिम को भी देख लें वर्ना मैं यह दावे के साथ कहता हूं कि यह दिखाई दे रहा है, आज किसान खून के आंसू रो रहा है वह एक ही बात कहता है कि राज तो माया का बढ़िया था बहन कुमारी मायावती का राज बढ़िया था जिस बहन कुमारी मायावती ने गुण्डों पर लगाम लगाई और पूरा का पूरा प्रदेश का विकास करने का काम किया। पर अब मैं कहना चाहता हूं पुलिस के सामने भी बहुत बड़ी प्राब्लम है उसको नहीं मालुम कि उसकी गाड़ी गुण्डे का पीछा कर पायेगी या नहीं कर पायेगी। हमारे जिले के जितने भी माफिया गुण्डे हैं इस प्रकार से मजबूती से काम करते हैं कि अभी हमारे यहां एक मौलवी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गयी उस मौलवी का नाम था शेर मोहम्मद उर्फ समैद्दी। सड़क का टूटा हुआ भाग इतना है कि पुलिस की गाड़ी गुण्डे को नहीं पकड़ पाती सरेआम गोली से भून दिया जाता है एक हफ्ते के अन्दर 13 मर्डर हमारे बागपत जिले में हैं।

मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि सड़क से पूरे क्षेत्र का विकास हो सकता है और पूरे क्षेत्र का विकास पूरे प्रदेश का विकास यह समाजवादी सरकार नहीं करना चाहती। हमने सुना था जब बजट आता है तो हर जिले में लगता है, हर तहसील में लगता है हर ब्लाक में लगता है पर यहां पर आने पर पता लग गया कि द्वेष–विद्वेष इतना ज्यादा है समाजवादी पार्टी में कि पश्चिम में एक पैसा नहीं लगाना चाहती। आज पश्चिम में ही नहीं पूरा प्रदेश यह कहता है कि बहन कुमारी मायावती जी वर्ष 2017 में पूर्ण बहुमत के साथ मजबूती के साथ आ रही हैं। बीजेपी वाले कहते थे कि हम विकास करेंगे हम दावे के साथ कहते हैं कि प्रधानमंत्री योजना के तहत पूरे जिले में एक तो एक आधा मीटर सड़क भी नहीं बनी जिस तरह से इनका दिल्ली में सूपड़ा साफ हुआ उत्तर प्रदेश में भी पूरी जनता यह कहती है कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी और समाजवादी पार्टी का सूपड़ा साफ होगा और बहन कुमारी मायावती जी एक दलित किसान, मजदूर की बेटी 2017 में पूर्ण बहुमत के साथ इस प्रदेश की मुख्य मंत्री बनेगी।

'श्री राम लाल अकेला–

माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय लोक निर्माण मंत्री ने जो लोक निर्माण विभाग का बजट प्रस्तुत किया है उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं अभी हमारे बसपा के मित्र बोल रहे थे और इसके पहले आदरणीय इन्द्रजीत सरोज जी बोल रहे थे पता नहीं बेचारे हाथी से घोड़े पर सवारी करने लगे मैं सोच रहा था कि हाथी की बात करेंगे लेकिन घोड़े की बात करने लगे। मान्यवर, जिस समय उत्तर प्रदेश में 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार माननीय अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनी यह स्वीकारें या न स्वीकारें लेकिन सारा सदन जानता है कि उत्तर प्रदेश के अन्दर 5 साल में हमारे साथियों ने नई सड़कों के निर्माण की बात तो छोड़ दो, पुलों के निर्माण की बात तो छोड़ दो जो सड़कें बनी हुई थी उन सड़कों का अनुरक्षण करने का काम तक नहीं किया और पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर किसी भी सड़क पर चलना दूभर था सत्ता सम्भालने के बाद हमारे मुख्य मंत्री जी ने हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने कितने आर0ओ0बी0 बनाकर दिखा दिये, बड़ी–बड़ी नदियों पर पुल बनाकर दिखा दिये और कितने शहरों को फोरलेन से जोड़ने का काम किया। विशेष मरम्मत के द्वारा, मरम्मत के द्वारा जो सड़कें टूटी पड़ी थी, उन सड़कों पर फोकस करके और बड़ी ईमानदारी और मेहनत से लगन से हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने उनको ठीक करने का काम किया है। मैं बधाई देना चाहता हूं कि अभी जब लोक निर्माण मंत्री जी अपना बजट रख रहे थे तो उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हम बड़े–बड़े शहरों में जिनकी आबादी एक लाख से ऊपर है, उन सारे शहरों में हम बाईपास बनाने का काम करेंगे। आप जानते हैं कि सड़क के क्षेत्र में हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश की स्पीड को बढ़ाना चाहते हैं। जब तक उत्तर प्रदेश की सड़क ठीक नहीं होगी, तब तक व्यापारी नहीं आयेंगे, निवेश नहीं होगा, उत्तर प्रदेश का विकास नहीं हो सकता।

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

मैं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि इन्होंने सरकार बनते ही सभी शहरों को फोर लेन से जोड़ने का एलान कर दिया था और केवल एलान ही नहीं किया बल्कि पैसा अवमुक्त करके काम करवाया जिससे तमाम शहर आज फोर लेन से जुड़ गये हैं। इसके लिये हम माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं। अभी हमारे इन्द्रजीत सरोज जी एक पुल का हवाला दे रहे थे और कह रहे थे कि वह पुल बन रहा था और आपकी सरकार आते ही उस पर काम रोक दिया गया। हम बहुत दूर नहीं जाना चाहते, हमारे प्रतिपक्ष के नेता बैठे हुये हैं, मैं सम्मान करता हूं उनका, लेकिन जब हमारी सरकार में आदरणीय नेता जी ने लोहिया पथ का निर्माण कराया था और तभी हमारी सरकार चली गई थी। हमने लोहिया पथ का केवल बोर्ड वहां लगाया था और आपको लोहिया पथ का बोर्ड देखने में दिक्कत हो रही थी और आप जब बोर्ड उतारने जा रहे थे और जब समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे थे तब कहीं जाकर वह बोर्ड बचा था। हमारी सरकार ने आपके द्वारा बनाये गये स्मारक और कराये गये कार्यों को कहीं रोकने का कार्य नहीं किया है। जो काम आपने किये थे हमारी सरकार ने उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया है। अभी कल हमारे आदरणीय अम्बिका चौधरी जी डा0 शकुन्ता मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय का जिक्र कर रहे थे, जो आपने बनाया था, लेकिन हमारी सरकार ने पूरी तरीके से उस विश्वविद्यालय को सारी सुविधाओं से सुसज्जित करके उसको विश्व में और देश में पहला विश्वविद्यालय बनाने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो उत्तर प्रदेश के सारे गांवों को लोहिया ग्राम और जनेश्वर मिश्रा ग्राम योजना के माध्यम से पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया है उसके लिये गांव की जनता बहुत खुश है। इसका हमने ऐलान ही नहीं किया, बल्कि बहुत काम हो चुका है। आज जो लोक निर्माण विभाग का बजट आया है, हमें पूर्ण भरोसा है और मैं अपने साथियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि चिंता मत करिये उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी की सरकार बिना किसी भेदभाव के सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का समग्र रूप से विकास करने का विजन रखते हैं और सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास करके हम भारत में उत्तर प्रदेश को रोशन करने का काम करेंगे। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें बोलने का मौका दिया इसके लिये हम आपके बहुत आभारी हैं, इन्हीं शब्दों के साथ हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने जो शानदार बजट रखा है उसके लिये मैं पुरजोर समर्थन करते हुए माननीय मंत्री जी को हार्दिक बधाई देता हूं। बहुत–बहुत धन्यवाद।

'श्री सुरेश राणा–

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे डा0 धर्मपाल सिंह जी द्वारा प्रस्तुत कटौती प्रस्ताव पर बल देने के लिये मौका दिया। माननीय अधिष्ठाता जी, इस सदन में कई बार माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने भाषण के दौरान कहा है कि

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

यदि आप रफ्तार को दोगुना कर लोगे, तो विकास की रफ्तार तीन गुना हो जायेगी। मैं उनकी इस बात से सहमत भी हूं और इसका समर्थन भी करता हूं, लेकिन जब कथनी और करनी दोनों का हम तुलनात्मक अध्ययन करते हैं, तब जाकर उसके रास्ते से विकास निकलता है। माननीय मुख्य मंत्री जी लगातार प्रयासरत हैं इस बात में कोई संदेह नहीं है लेकिन वर्ष 2012–13 का जब बजट आया था तो मुझे याद है कि हमारे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अंदर दो महत्वपूर्ण सड़कों की चर्चा थी और कहा गया था कि मुजफ्फरनगर से लेकर सहारनपुर मार्ग और यमुनोत्री से लेकर दिल्ली मार्ग दोनों सड़कों को हम पी0पी0पी0 माडल से बनवायेंगे। तब हम सबने मेज थपथपाकर स्वागत किया था। .....

श्री अम्बिका चौधरी–

आज कर दीजिये। कहिये कि मैं इस निर्णय का स्वागत करता हूं।

श्री सुरेश राणा–

बहुत–बहुत धन्यवाद। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि आज कैबिनेट में तीनों सड़कें कर दी हैं, मैं इसका बहुत स्वागत करता हूं और बहुत आभार व्यक्त करता हूं। मान्यवर, जब सड़कों के बारे में मैं गंभीरता से सोचता हूं तो जिला योजना एक ऐसा प्लेटफार्म है, ऐसी जगह है, जहां सारे प्रतिनिधि बैठते हैं, सारे अधिकारी बैठते हैं, जिले के अफसर बैठते हैं और बैठकर पूरे जिले के विकास का माडल तय करते हैं। वहां सड़कों के प्रस्ताव आते हैं चूंकि हम लोग क्षेत्रों में रहते हैं तो हम लोगों को सारी जानकारी रहती है कि सड़क की स्थिति क्या है। उन सब प्रस्तावों को हम लोग जिला योजना की बैठक में रखते हैं, मुझे कष्ट के साथ कहना पड़ रहा है, मैं अपने ही जिले की बात कर रहा हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी 2014–2015 में मेरे जिले से 19 करोड़ का प्रस्ताव आया और मात्र 95 लाख रुपये यहां से निर्गत किये गये। यदि 19 करोड़ के सापेक्ष 95 लाख रुपये निर्गत होंगे तो इससे अंदाजा लग जायेगा कि जिले के जो मार्ग हैं, उनके प्रति सरकार की कितनी गंभीरता है। मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि परसों आपने अतारांकित सवाल के जवाब में कहा था कि पूरा पैसा जिला योजना का हमने भेज दिया है, मैं शामली जिले की जिला योजना का उदाहरण दे रहा हूं, आप उसे दिखवा लेंगे तो अच्छा रहेगा।

मान्यवर, इस वर्ष को सरकार द्वारा किसान वर्ष घोषित किया गया है, बहुत अच्छी बात है कि कम से कम किसानों की चिन्ता तो सरकार को हुयी है लेकिन जहां लोहिया ग्राम विकास की बात आती है तो मैंने बजट पुस्तिका से ही देखा है और इससे किसान वर्ष की गंभीरता का अंदाजा लग जायेगा कि डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना में पिछले वर्ष चालू कार्यों के लिये 528 करोड़ का बजट था और नये कार्यो के लिये 300 करोड़ का बजट था। ऐसे कुल मिलाकर 828 करोड़ का बजट था लेकिन इस वर्ष जो बजट रखा गया है, उसमें चालू कार्यो के लिये 200 करोड़ का

और नये कार्यो हेतु भी 200 करोड़ का है। यह कुल मिलाकर 400 करोड़ का है। यानि इस वर्ष 400 करोड़ और पिछले वर्ष 828 करोड़, मान्यवर, इससे अंदाजा लगता है कि सरकार डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के कार्यो के प्रति कितनी संजीदगी अपने दिल में रखे हुये हैं। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि जो सड़कों का नवीनीकरण होता है, इन सड़कों के नवीनीकरण में मौसम का विशेष महत्व है और हो क्या रहा है कि सड़कों के नवीनीकरण का काम मैनें अपने क्षेत्र में देखा, सड़कों का नवीनीकरण हुआ, जब टेम्परेचर डाउन था, जब छोटी सड़कों का निर्माण होता है, तो बड़े ठेकेदारों की नकल की जाती है। जब नवीनीकरण होता है तो लोग वही तारकोल से जनवरी और दिसम्बर में सड़कों का निर्माण करते हैं, क्योंकि उनके पास हाटमिक्स प्लांट तो है नहीं। इसका परिणाम यह होता है कि जैसे ही सड़क का निर्माण पूरा होता है उसके 10 या 15 दिन बाद सड़क निर्माण फटने लगता है। मान्यवर, इस आधार पर दो साल का समय दिया गया है कि दो साल के लिये जो नवीनीकरण है, उसका रख–रखाव ठेकेदारों के द्वारा किया जायेगा। मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि आप इसकी चिंता करा लेंगे क्योंकि नवीनीकरण की गुणवत्ता पर कहीं न कहीं प्रश्नचिन्ह उठ रहा है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी ने कहा है कि एक लाख से अधिक जो आबादी है, उसको हम बाईपास से जोड़ेंगे। मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि आपने इसके लिये 45 करोड़ रुपया दिया है। माननीय मुख्य मंत्री जी आप कहीं न कहीं सड़कों के प्रति गंभीर हैं, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यदि चार भी बाई पास बनाये जायें तो यह 45 करोड़ रुपया खर्च हो जायेगा। आपने कहा कि एक लाख से अधिक बसावट वाली आबादी को हम बाई पास से जोड़ेंगे और बजट रखा है मात्र 45 करोड़। एक और गंभीर विषय है, जहां आप हर विषय को लेकर चिन्तित हैं जैसे हरियाणा हमारा बार्डर है, जब हम हरियाणा से प्रवेश करते हैं तो करनाल से जब घुसते हैं तो डेढ़–डेढ़ फीट के गढ्ढे हैं, सामने लिखा है कि उत्तर प्रदेश में आपका स्वागत है। इसी तरह यमुना नगर से जब हम सहारनपुर आते हैं तो दो–दो फीट के गड्ढे हैं और सामने लिखा है कि उत्तर प्रदेश में आपका स्वागत है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की छवि जैसा आप चाहते हैं कि बेहतर बने, आप उसके लिये प्रयासरत भी हैं लेकिन जो उत्तर प्रदेश के बार्डर हैं, वहां जब दूसरे स्टेट के लोग आते हैं तो उनमें अच्छा प्रभाव जाये, अच्छा संदेश जाये, आवागमन के सही साधन हों, दूसरे प्रदेश के लोगों पर अच्छा इम्पैक्ट पड़े, इसके लिये मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। अभी साइकिल ट्रैक की बात आई, साइकिल ट्रैक का विषय अच्छा है और मैं कहना चाहता हूं कि पिछले तीन साल से।

श्री अम्बिका चौधरी–

साइकिल ट्रैक के बारे में स्पष्टतः यह जान लीजिए कि लखनऊ और आगरा के अलावा साइकिल ट्रैक की दूसरी जगह पर योजना नहीं है। साइकिल ट्रैक पर सहारनपुर में परेशानी बिल्कुल नहीं है इसके लिए आप चिन्ता न कीजिए। यह एक ऐसा कदम है कि इसकी जितनी भी आप सराहना करना चाहें वह कम है लेकिन फिलहाल आप परेशान न हों सहारनपुर में साइकिल ट्रैक नहीं बनेंगे।

श्री सुरेश राणा–

मैं बिल्कुल परेशान नहीं हूं मैं तो यह कह रहा था कि पिछले तीन साल से मा0 मुख्य मंत्री जी लगातार साइकिल दौड़ाने का प्रयास कर रहे हैं प्रदेश के अन्दर मैं इनके प्रयास की सराहना करता हूं लेकिन उनके दायें–बायें ऐसे लोग बैठते हैं जिन्होंने साइकिल को स्टैण्ड पर खड़ा कर दिया है। साइकिल दौड़ तो रही है लेकिन वह स्टैण्ड पर खड़ी है ऐसा दायें–बायें के लोगों ने प्रदेश के अन्दर माहौल बना रखा है। मा0 मुख्य मंत्री जी तो प्रयासरत् हैं लेकिन कुछ लोगों ने साइकिल को स्टैण्ड पर लगा दिया है इससे यह नहीं पता चल रहा है कि साइकिल चल रही है या नहीं चल रही है, साइकिल दौड़ तो बहुत तेज रही है, मा0 मुख्य मंत्री जी प्रयासरत् हैं उसकी मैं सराहना करता हूं। मैं एक निवेदन करते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा कि मेरे क्षेत्र की बाबरी भदौड़ा मार्ग, बुटरडा नहर की पटरी मार्ग, थाना भवन हींड मार्ग, शामली गढ़ीपुरन्ता मार्ग, गढ़ी पुख्तापुर झिंझाड़ा मार्ग, झिंझाड़ा थाना भवन मार्ग, जलालाबाद लौहारी मार्ग, जलालाबाद दुलाव मार्ग, बुनता रजबहा पटरी मार्ग, पानीपत खटीमा से बन्तीखेड़ा मार्ग, बाबरी से गोगमा थाना भवन मार्ग, यह बहुत सारे सम्पर्क मार्ग ऐसे हैं और अगर एक वाक्य को हटा दिया जाए तो मैं समझता हूं कि प्रदेश का भला हो जायेगा। मैं सवाल लगाता था तो जवाब मिलता था कि वित्तीय संसाधनों पर आधारित। मैं मा0 मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो सड़कें महत्वपूर्ण हों, चूंकि आपके बारे में सुना है कि आप काफी मजबूती से काम लेते हैं, जो सड़कें महत्वपूर्ण हों उन सड़कों को आप इस शब्द से मुक्ति दे दें। मैं अन्त में मा0 मुख्य मंत्री जी का वह वाक्य दोहराते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा कि यदि रफ्तार दोगुनी हो जायेगी तो विकास तीन गुना हो जायेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं कटौती के प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

'श्री जाहिद बेग –

मान्यवर, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको धन्यवाद्। मान्यवर, नेता भाजपा ने कटौती का प्रस्ताव रखते हुए जिन सड़कों का नाम लिया उसमें उत्तर प्रदेश सरकार की कोई सड़क नहीं थी, सारी की सारी सड़कें केन्द्र सरकार की थीं। यह इस बात को साबित करता है कि लोक निर्माण विभाग का बजट अपने आप में पूर्ण बजट है। मान्यवर, जब पहला बजट प्रस्तुत किया जाता है उस वक्त नेता विरोधी दल ने कहना शुरू कर दिया था कि एक–एक, दो–दो फिट गड्ढे हो गये हैं, मान्यवर, चुनाव के बाद ही गड्ढा हो गया था लेकिन इस बार के बजट में किसी

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

ने एक फिट या चार फिट गड्ढे का नाम नहीं लिया है, यह इस बात का प्रमाण है कि मा0 मंत्री जी ने और मा0 मुख्य मंत्री जी ने तीन साल में गड्ढे को पाटने का काम किया है और सड़कों को बनाने का काम किया है। पूर्वांचल का नाम आता है, अभी हमारे काबिल नेता इन्द्रजीत सरोज जी कह रहे थे, विधायक निधि से और पूर्वांचल निधि से रोडें नहीं बन सकतीं। पूर्वांचल निधि और विधायक निधि से स्कूल, हैण्डपम्प, दवाओं का काम हो सकता है। जिस पूर्वांचल निधि की आप बात करते हैं, जिस पूर्वांचल की आप बात करते हैं, पूरे पूर्वांचल निधि का जितना पैसा सारे विधायकों के बजट में था उतना पैसा 178 करोड़ रुपया भदोही में लगाया गया जो पूर्वांचल की पहचान है। इसके अलावा बनारस से शक्ति नगर कहां पड़ता है, पूर्वांचल में पड़ता है, श्रावस्ती कहां पड़ता है, पूर्वांचल में पड़ता है, आजमगढ़ कहां पड़ता है, पूर्वांचल में पड़ता है, यह इस बात का प्रमाण है कि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का विकास हमारी सरकार कर रही है और इसके लिए मैं अपने मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। मान्यवर, इसके बाद सेतु, रेलवे ओवर ब्रिज, मान्यवर, आप इनका आंकड़ा निकाल लीजिए।

अधिष्ठाता जी, हमारा ऑकड़ा निकाल लीजिए, आप कमेटी बना दीजिए, आपने कितना बनाया था हमारी सरकार ने तीन साल में कितना बनाया है, दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा ? मैं बहुत ज्यादा नहीं कहना चाहता हूं क्योंकि लालबत्ती जल जायेगी। समीक्षा की बात हो रही थी, हमारे इन्द्रजीत सरोज जी कह रहे थे समीक्षा की बात, हमारे यहां हर महीने समीक्षा होती है लेकिन उस समीक्षा में अधिकारी रोते नहीं हैं, उस समीक्षा के नाम पर वसूली नहीं होती है। पहले समीक्षा इसलिए होती थी कि कौन से जिले से कितना पैसा आता है ? जहां से पैसे कम आता था तो उसको लताड़ा जाता था। आपकी क्वालिटी की हालत यह थी, आपके लोक निर्माण मंत्री कौन थे ? नसीमुद्दीन सिद्दीकी। नसीमुद्दीन सिद्दीकी बांदा जिले के थे, कहां का पुल गिरा था ? आपकी सरकार में बांदा में पुल बन रहा था और नसीमुद्दीन सिद्दीकी लोक निर्माण मंत्री थे उनके जिले में पुल बनने से पहले ही गिर गया, यह इस बात का गवाह है कि गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। (मेजें थपथपायी गयी।) हॉट मिक्स प्लाण्ट के बारे में कहना चाहता हूं, अधिष्ठाता जी, मैं तब विधायक नहीं था।

श्री अधिष्ठाता–

अब समाप्त करिये।

श्री जाहिद बेग–

ट्रेन में जा रहा था तो एक पी0डब्लू0डी0 के एक इंजीनियर से मेरी मुलाकात हो गयी तो मैंने उनसे पूछा कि सड़कों की क्वालिटी कैसे सुधारी जाए तो उन्होंने बताया कि पहले हॉट मिक्स प्लाण्ट हम लोगों के विभाग में होता था उससे क्वालिटी अच्छी होती थी और विभाग की जिम्मेदारी होती थी, आपने हॉट मिक्स प्लाण्ट खत्म कर दिया था डायरेक्ट ठेकेदारों के जिम्मे कर दिया था। हमारे माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने हॉट मिक्स प्लाण्ट लगाकर क्वालिटी को सुधारने का काम किया है। (मेजें थपथपायी गयी।)

हमारे यहां उप चुनाव हुआ था, आप भी गये थे और आपके मुख्य मंत्री के साथ 63 मंत्री गये थे, आप गये होंगे रोडो पर एक–एक फुट के गड्ढ़े थे भदोही से गोपीगंज, दुर्गागंज मार्ग गलत कह रहा हूं तो बता दीजिएगा, भदोही से दुर्गागंज मार्ग दो–दो फुट गड्ढ़े थे। आज स्थिति क्या है मा0 अधिष्ठाता जी, एक कमेटी बना दीजिए उसमें नेता विरोधी दल, भा0ज0पा0 और कांग्रेस के सदस्यों को रख दीजिएगा, अगर गिलास में दूध रखकर गाड़ी से चले जाईयेगा लेकिन दूध नहीं गिरेगा, ऐसी क्वालिटी की सड़क बनी है। (मेजें थपथपायी गयी।) मैं बधाई देना चाहता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी को, भा0ज0पा0 के सदस्य ने एक मांग की, पी0पी0 रोड की मांग की आपको बधाई देना चाहिए कि आपकी सोच से पहले माननीय मुख्य मंत्री जी ने वह काम कर दिया।

श्री अधिष्ठाता–

अब समाप्त करें।

श्री जाहिद बेग–

हमारे जौनपुर के विधायक एक बात कह रहे थे कि भदोही से विन्ध्याचल तक फोरलेन और सीमेन्टेड रोड बनाने की बात कर रहे थे, आपको जानकारी होनी चाहिए कि जहां आप दोनों पार्टियों की सोच समाप्त होती है वहां से माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय लोक निर्माण मंत्री जी की सोच शुरू होती है आपके सोचने से पहले विन्ध्याचल से भदोही सीमेन्टेड रोड और फोरलेन का एलान हो चुका है। (मेजें थपथपायी गयी।)

श्री अधिष्ठाता–

जाहिद बेग जी, अब समाप्त करें।

श्री जाहिद बेग–

भदोही से जौनपुर, भदोही से नैपालापुर, मडियाहू तक की सड़क का टेण्डर हो चुका है इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को व मा0 शिवपाल जी को बधाई देना चाहता हूं।

श्री अधिष्ठाता–

जाहिद बेग जी, अब समाप्त करिये।

श्री जाहिद बेग–

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं समाप्त कर रहा हूं। अभी आपके सामने दो हजार सड़कों की बात आयी है। आपके एक सदस्य ने कहा कि हम सत्ता में आयेंगे, मेरी पार्टी ने नहीं कहा कि हम 2017 में सत्ता में रहेंगे। माननीय नेता विरोधी दल आपके दो विधायकों ने कहा कि मैं सत्ता में रहूंगा, आपकी पार्टी का नाम नहीं लिया है, अगर यही स्थिति रही तो 2017 में वहां से यहां चले आयेंगे, इधर नहीं आयेंगे, जनता इस बात को बता देगी। आपके विधायकों के अन्दर डर पैदा हो गया है। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

(इस समय 02 बजकर 50 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

'श्री बंशी सिंह पहाड़िया–

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय आपने मुझे माननीय श्री धर्मपाल सिंह के कटमोशन पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आभारी हूं। मान्यवर, अभी पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी बता रहे थे दो लाख 40 हजार सड़कों के बारे में बता रहे थे और एक लाख 99 हजार 940 कि0मी0 सड़कें इन्होंने रिपेयर की हैं। मान्यवर, 40 हजार कि0मी0 सड़कें बची हैं और बजट का स्वरूप भी इन्होंने जो घटाया है तो लगता है कि इनकी जानकारी में सही रिपोर्ट नहीं है। मान्यवर, मैं यह तो मान सकता हूं कि सड़कों पर काम हुआ है लेकिन बहुत धीमी गति से हुआ है और अभी एक माननीय मंत्री द्वारा यह बात कही गई थी कि पांच करोड़ के प्रस्ताव मांगे हैं लेकिन मान्यवर, 10 दिन बाद कहा कि दो करोड़ के मांगे हैं सच्चाई यह है पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी यहां बैठे हैं माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हुए हैं पिछले वित्त वर्ष में मैं नहीं जानता कि प्रदेश का क्या हाल हुआ होगा लेकिन जनपद बुलन्दशहर में पी0डब्लू0डी0 सहित जिला योजना का पैसा भी 2014–15 का नहीं गया है। न ही कोई नई सड़क बनाई गई मान्यवर, हमारे मुख्य मंत्री जी सिकन्दराबाद गए थे मुख्य मंत्री जी ने यह घोषणा की थी कि खुर्जा से चोला, खुर्जा से झांझरपुर और जो अभी ग्रामीण सड़क बन रही है खुर्जा से शिकारपुर। जाल सड़कों का बिछा है लेकिन खुर्जा शिकारपुर मार्ग की जो दशा है वह बनने से पहले ही टूटनी शुरू हो गयी है।

मान्यवर, हम सरकार से आग्रह करना चाहते हैं सुझाव भी देना चाहते हैं और अपनी आपत्ति भी दर्ज कराना चाहते हैं। माननीय श्री मुलायम सिंह जी जब मुख्य मंत्री हुआ करते थे तो उन्होंने पांच से 10 कि0मी0 सड़क विधायकों के सुझाव पर दी आज मैं कहना चाहता हूं अभी हमारे कई साथियों ने कहा कि एक सड़क की लाइफ पांच से 10 साल है मान्यवर यह बात सत्य है बी0एस0पी0 वाले ज्यादा नाराज न हों और सपा वाले ज्यादा प्रफुल्लित न हों आज से तीन वर्ष पहले गढ्ढे चिल्लाते थे गढ्ढामुक्त तो प्रदेश बना है लेकिन रफ्तार आगे नहीं बढ़ी है। आज गड्ढे की बात किसी ने नहीं कही लेकिन माननीय पी0डब्लू0 मंत्री से मैं कहना चाहता हूं कि आज नाले पड़े हैं वहां लोगों की मौत हो जाती है उस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं मेरा आग्रह है माननीय अधिष्ठाता जी तीन वर्ष इनको हो गए पांच वर्ष यह रहे क्या आठ वर्ष में माननीय मुख्य मंत्री जी क्या प्रदेश की आबादी नहीं बढ़ी क्या सड़कों की डिमाण्ड नहीं बढ़ी न तो बी0एस0पी0 गर्वमेंट ने न आपकी सरकार ने पिछले 8–10 वर्ष से नई सड़कों के बारे में सरकारें संवेदनशील नहीं रही। मेरा कहना यह है कि पूरा प्रदेश मुख्य मंत्री जी का प्रदेश है पूरे प्रदेश का सम्पूर्ण विकास होगा तो मुख्य मंत्री जी का और सरकार का इकबाल फैलेगा यह नहीं कि कुछ क्षेत्र विशेष में काम हो। हमारे मुख्य मंत्री जी बड़े उदारवादी हैं लेकिन थोड़े ठंडे हैं। मुख्य मंत्री जी मेरा आपसे पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी के माध्यम से आग्रह है कि सड़कों के मामले में कोई भेदभाव न हो पूरा प्रदेश आपका है सड़कों पर काम हुआ है हम यह आशा करते हैं कि माननीय नेता जी की तर्ज पर आप भी चुनावी वर्ष है पांच–दस कि0मी0 सड़क के हिसाब से अगर आने वाले दो साल में प्रत्येक विधायक को अगर

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

20–20 कि0मी0 सड़क मिल गई तो यह जो इन्द्रजीत सरोज कह रहे थे माफ करना लोक दल और कांग्रेस के लोग तो आपकी काफी हां में हां मिलाते हैं और आपकी संख्याबल भी है हम दोनों और आप मिलकर इन्द्रजीत का सपना साकार न हो दुबारा हम और आप आएं इसलिए हमारे साथ मिलकर काम करें।

श्री सुल्तान बेग–

मान्यवर, मुझे दो मिनट सुन लें।

श्री अध्यक्ष–

अभी मंत्री जी बोलने के लिए खड़े हुए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)–

मान्यवर, आपका मैं आभारी हूं कि आपने मुझे लोक निर्माण विभाग मंत्री जी के द्वारा यह जो लोकप्रिय बजट पेश किया गया है उसके समर्थन में बोलने का अवसर दिया। लोक निर्माण विभाग सन् 2012 से अब तक निरन्तर काम करके सड़कों का सुदृढ़ीकरण, नये पुलों का निर्माण, और गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिये तीव्र गति से काम कर रहा है। कई साथियों ने कहा, मेरे साथियों ने बताया अभी, पूर्वांचल की बड़ी फिक्र है। पूर्वांचल के विकास में जितना काम माननीय लोक निर्माण मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी ने किया है अकेले बलिया में गंगा नदी पर कितने करोड़ का 7 किलोमीटर का लम्बा पुल माननीय मुख्य मंत्री और पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री ने मंजूर किया है। सिकन्दरपुर से लालगंज ढाई सौ करोड़ से अधिक की लम्बी सड़क तीन लेन की माननीय पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी ने मंजूर किया है। श्रीमन्, केवल विरोध के लिये विरोध के लोग अपनी बात न कहें, हां अपना सिद्धान्त दे सकते हैं।

श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि जब पिछली बार हम लोगों की सरकार थी, नेता जी मुख्य मंत्री थे, तो एक आंकड़ा आया हुआ था कि 1952 से ले करके 2003 तक बड़े और छोटे नदियों पर जितने पुल बने थे उसके तीन गुना पुल अकेले तीन साल में माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने बनवाये थे। (मेजों की थपथपाहट) अब भी मैं आपके माध्यम से माननीय नेता विरोधी दल, नेता भारतीय जनता पार्टी, नेता कांग्रेस, नेता लोक दल, नेता राष्ट्रीय लोक दल सभी लोगों से मैं कहना चाहता हूं कि जितना तीन साल में बड़ी नदियों पर छोटी नदियों पर पुल का निर्माण और सड़कों का निर्माण जितना हुआ है पांच साल में अगर पिछली सरकार ने उसका एक चौथाई भी किया हो तो रिकार्ड दें। यह रिकार्ड है, केवल कहने से नहीं। कितना आपने पुल बनवाया, कितना आपने सड़क बनवाया। कितना पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री और मुख्य मंत्री ने मिल करके सड़क बनवाया और पुल बनवाया तो काम तो हो रहा है। अभी साथी पहाड़िया कह रहे थे कि सड़क बनने से पहले ही उखड़ गई। जब उखड़ गई तब ही तो सड़क बन रही है। सड़क बनने से पहले उखड़ गई, इससे क्या मतलब। बिना सिर पैर की बात विधान सभा में नहीं होनी चाहिए। जो हम काम कर रहे हैं तो वह दिखाई दे रहा है। मैं मान रहा हूं कि तीन साल में कोई सरकार ऐसी नहीं होगी जो सारे सड़कों और पुलों को बनवा देगी, लेकिन जितना तीव्र गति से काम हो रहा है, जितना अच्छी क्वालिटी का काम हो रहा है, जितना तेजी से काम हो रहा है। पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री

सराहनीय काम कर रहे हैं इसको सर्व सम्मति से, पक्ष और विपक्ष क्योंकि सबके क्षेत्र में सड़कें जाती हैं यह नहीं कि जो सड़क बनेगी वह किसी जाति धर्म किसी क्षेत्र के लिये होगी सभी माननीय सदस्यों के क्षेत्र से जिले से होकर सड़कें निकलती हैं। केवल आलोचना से सड़क बन जायेगी, पुल बन जायेगा ? नहीं। पुल बनेगा सहयोग से, सड़क बनेगी सहयोग से। सड़क बनेगी इच्छाशक्ति से और इच्छाशक्ति हमारे मुख्य मंत्री जी में है, पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी में है चहुओर विकास की बात है। बहुत मुख्य मंत्री जी को हम लोगों ने देखा है जितना तीव्र गति से माननीय मुख्य मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश को चहुमुखी विकास की ओर ले जाने की सोच रखते हैं और काम कर रहे हैं।

नेता विरोधी दल जी, आप भी इस बात को कभी–कभी मानते हैं लेकिन लगाकर। तो लेकिन तो काम है, लेकिन तो रहेगा, लेकिन अगर नहीं रहेगा तो फिर सारा क्या अपने आप हो जायेगा। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार, माननीय मुख्य मंत्री जी, आज जो यह बजट पेश किया है माननीय लोक निर्माण मंत्री जी, पिछले बार भी लोक निर्माण मंत्री थे। जितना तीव्र गति से काम उनके शासनकाल में, हमारे शासनकाल में होता है पुल पर, सड़क पर, ओवर ब्रिज बनाने में, हमने बहुत सरकारों को देखा है, इतना तीव्र गति से कोई सरकार काम नहीं करती। यह सरकार लोकप्रियता को छू रही है, और इसके लिये लोकप्रियता से घबराने की जरूरत नहीं है। चुनाव के बाद कौन इधर आयेगा कौन उधर जायेगा यह तो जनता बतायेगी। क्योंकि जनता तो गांव–गांव में कह रही है कि अखिलेश यादव जी, आपने प्रदेश के विकास में जो छलांग लगाया है पांच वर्ष और टाइम देगी प्रदेश की जनता और प्रदेश विकास के रास्ते पर पहुंच जायेगा। (मेजों की थपथपाहट) श्रीमन्, इन्हीं शब्दों के साथ मैं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा रखे बजट का समर्थन करता हूं। बहुत–बहुत धन्यवाद।

(कई सदस्यों के बोलने के लिये खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष–

अभी लोक दल का कोई नहीं बोला है। पहले यह बोल लें। लोक दल के बाद बोलियेगा।

'श्री दलवीर सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय धर्मपाल सिंह जी द्वारा जो कटौती का प्रस्ताव रखा गया है उस पर बल देते हुए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव और कुछ महत्वपूर्ण बातें कहना चाहता हूं। यह बात सही है कि पिछले सालों के मुकाबले इस वर्ष में पी0डब्लू0डी0 के क्षेत्र में, मंडी की सड़कों के क्षेत्र में, माननीय मुख्य मंत्री जी काफी प्रगति हुई है। पिछले दस वर्षों से जो मंडी की सड़कें नहीं बनी थीं जो पेन्डेन्सी थी उन सब सड़कों पर मरम्मत का कार्य हुआ। इस बार मा0 पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी ने मरम्मत के कार्य में काफी रुचि लेकर काफी सड़कों की मरम्मत कराई है। चाहे पक्ष हो, चाहे विपक्ष हो, सरकार के विकास में विपक्ष की भी उतनी भागीदारी और नाम मिलता है जितना सत्तापक्ष के लोगों

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

को मिलता है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं कि सभी विधायकों का इसमें बराबर का अनुपात और भागीदारी होनी चाहिए एक तो मेरा सुझाव यह है।

दूसरा सुझाव यह है काम में तेजी लाने की बहुत आवश्यकता है क्योंकि चुनाव के हमारे केवल दो वर्ष रह गए हैं। मैं, जो काम करा रहे हैं लोक निर्माण मंत्री जी, मेरा उनसे निवेदन है कि अधिकारियों को सख्त करें, गुणवत्ता को बनाये रखें, सड़क बनाने में आप कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, खूब सड़कें बन रही हैं, खूब मरम्मत हो रही है लेकिन काम की गति तेज होनी चाहिए मेरा यह सुझाव है। दो–तीन नीतिगत सुझाव हैं मेरे, जहां हर क्षेत्र में विसंगति आ रही हैं। पी0एम0जी0एस0वाई0 की जितनी भी सड़के बनाईं गईं, पहले तो जिस कार्यकाल में बनाई गईं पहले तो सारा पैसा ही खा लिया गया था जो थोड़ी बहुत बची थीं क्योंकि पांच वर्ष तक अनुबन्ध होता है और जब तक अनुबन्ध पूरा नहीं होता है तब तक लोक निर्माण विभाग का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है। मा0 सरोज जी भी शायद अभी कह रहे थे और भी कई नेता ने कहा है कि जो अनुबन्ध की समयावधि है उसको खत्म करके लोक निर्माण विभाग को यह सड़कें दे दी जाएं या सख्ती से ठेकेदारों का जो अनुबन्ध था उन पर सख्ती दिखाकर विभाग उनसे पूरा काम करावे जिससे वह सड़कें सही रहें। जितनी भी पी0एम0जी0एस0वाई0 की सड़कें हैं पूरा सदन देख रहा है एक भी सड़क की स्थिति बिल्कुल सही नहीं है।दो–तीन बातें और आती हैं कि वह सड़क अमुक विधायक ने बनवाई थीं या अमुक सांसद ने बनवाई थीं वह मेरे विरोधी थे वह हार गए अब मैं इसे क्यों बनवाऊं तो पूरे प्रदेश में एक पालिसी बननी चाहिए और पालिसी के तहत जितनी इस तरह की सड़कें थीं चाहे पूर्व विधायक या सांसद द्वारा बनवाई गईं उसे सिद्धान्त रूप से लोक निर्माण विभाग को ले लेनी चाहिए। लोक निर्माण विभाग का काम है इन सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। एक मेरा सुझाव इतना है।

सेन्ट्रल रोड का फंड इतना है हमारे भारतीय जनता पार्टी के साथी भी बैठे हैं हमारे प्रदेश से सबसे ज्यादा एम0पी0 चुनकर गए हैं और प्रधानमंत्री जी भी इस प्रदेश के हैं सेन्ट्रल रोड का फंड इतना है मुझे जहां तक जानकारी है आपने काफी प्रस्ताव भेजे भी हैं सेन्ट्रल रोड फंड का बजट लेने के लिए, मैं सरकार से निवेदन करूँगा कि उस पर पुनः प्रयास करें ताकि सेन्ट्रल रोड फंड का पैसा आवे और हमारे साथी भी सहयोग करें ताकि अधिक से अधिक पैसा हमारे प्रदेश को मिले। कई चीजें ऐसी हैं एन0एच0 91 शेरशाह सूरी द्वारा बनाई हुई सबसे पहली भारतवर्ष की सड़क है।आज उसकी दुर्दशा, आपको नहीं कह रहा हूं मैं, भारत सरकार को कह रहा हूं भारत सरकार का दायित्व था आप देखिए अलीगढ़ तक काम हो गया, सिकन्द्राराऊ, एटा कन्नौज होते हुए कानपुर होते हुए यहां तक आती है। अगर सबसे ज्यादा दुर्दशा हिन्दुस्तान में किसी सड़क की है तो वह एन0एच0 91 की खराब है तो मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस सड़क को आप शीघ्रता से, जितनी तेजी से करा सकते हैं करा लें। पुलों का आपने काम कराया कई पुल आपने बनवाये। (मेजें थपथपाईं गईं) हमारे यहां जनपद अलीगढ़ में दो पुलों के लिए

हमने कहा है प्रस्ताव आपके यहां लम्बित है। कल्याणपुर गांव है माननीय तत्कालीन मुख्य मंत्री जी अब महामहिम गर्वनर हो गए। उस वक्त वह पुल ऐसी जगह किसी निजी स्वार्थवश बनवा दिया गया जिस पर आज तक एक साईकिल नहीं निकल पाई है। पी0डब्ल्यू0डी0 के अधिकारी विधान सभा में बैठे हैं मेरा सवाल है। आज तक एक साईकिल नहीं निकल पायी और केवल एक चक के एक आदमी को रिश्तेदार होने के नाते वह पुल बनवाया गया जिसका आज तक कोई यूज नहीं है। मैं चाहूंगा कि उस नदी पर उस पुल का निर्माण कराया जाये। मैं एक बात और कहना चाहूंगा। मा0 मंत्री जी बैठे हैं। मैं कई सड़कों का प्रस्ताव रखता रहता हूं। एक सड़क जो मेरी खुद की है सौमना से खैर। मैं बजट में तीसरी बार कह रहा हूं। आपने दो बार आश्वासन भी दिया हैं। आपने अभी अलीगढ़ से टप्पल के लिये जो फोर लेन या टू लेन सड़क बनवाई है उसके माध्यम से यमुना एक्सप्रेस–वे को, एन0एच0–91 को, दो तहसीलों को और दो प्रान्तों को जोड़ने का काम करती है।

मेरा आपके माध्यम से विनम्र निवेदन है कि आप इस सड़क को विशेष रूप से इस सत्र में जरूर ले लें और जो मैंने सुझाव दिये हैं कि हम और आप सब मिलकर काम करेंगे। अब केवल दो वर्ष रह गये हैं। आपका जो काम है वह हमारे खाते में भी है। जनता तो हमसे सवाल कर रही है कि तुम्हारे यहां काम क्यों नहीं होता। यदि आप काम करेंगे तो हमारा भी कुछ हित होगा। मैंने खुद कहा है कि इस बार मा0 शिवपाल सिंह जी ने मरम्मत के लिये काफी पैसा दिया है जिससे सड़कों का बहुत सुधार हुआ है। मा0 मुख्य मंत्री जी ने अपने कोष से पैसा दिया है। इसी स्पीड से यदि हम–आप और पूरा सदन चलेगें तो आज जितने हम पक्ष–विपक्ष में बैठे हैं सभी जीतकर आये हुए हैं, चाहे इधर हो या उधर हो, इसमें तो हम सभी शामिल हैं। इसमें कोई अलग–अलग थोड़े ही हैं। सभी मा0 शिवपाल सिंह जी से, मा0 मुख्य मंत्री जी से रिक्वेस्ट करते हैं। हम लोग सरकार में तो हैं नहीं। मेरा आपसे निवेदन है कि गुणवत्ता के ऊपर जोर दें, काम में तेजी लायें और जो आप कर रहे हैं इससे सभी का भला हो जायेगा।

श्री अध्यक्ष–

जो मा0 सदस्य बोलना चाहते हैं अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह लिखकर दे देंगे तो हम प्रोसीडिंग में उसको लिखवा देंगे और वह आपका मान लिया जायेगा कि आप सदन में बोले, क्योंकि आज बहुत बजट है। जिसको देना है वह पॉच बजे तक लिखकर दे दें तो हम उसको प्रोसीडिंग में जुड़वा देंगे, क्योंकि साढ़े तीन बजे इस बजट को पास कराना है। इसके बाद अभी विद्युत का है, इसके बाद सहाकारिता है, वन विभाग है तो जो बोल पायें वह बोल लें, नहीं तो लिखकर तैयार रखें उसको हम प्रोसीडिंग में जुड़वा देंगे वह प्रोसीडिंग में छप जायेगा कि आप बोले हैं। [४]

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)–

---

[४] (देखिये नत्थी–'क' आगे पृष्ठ–106–136 पर)

मा0 अध्यक्ष जी, चूंकि लोक निर्माण विभाग अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है। सभी मा0 विधायक कम से कम इसी सुझाव के माध्यम से अपने–अपने क्षेत्र की समस्याओं को यहां रख लेंगे। मा0 मंत्री जी के संज्ञान में यदि आ जायेगा तो हम समझते हैं कि भले ही पॉच मिनट न देकर ज्यादातर लोगों को दो–दो मिनट दें तो ज्यादा अच्छा होगा।

श्री अध्यक्ष–

मा0 मौर्य जी, सवाल यह है कि अभी विद्युत का भी बजट है इसलिये या तो यह कहिये कि उन सब लोगों को टाईम कम दीजिये, उस पर बहुत ज्यादा चर्चा न कराईये। पी0डब्ल्यू0डी0 पर ही चर्चा करा दीजिये।

श्री हेमराज वर्मा–

मा0 अध्यक्ष जी, आपने लोक निर्माण विभाग के बजट पर मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिये मैं आपका बहुत–बहुत आभार प्रकट करता हूं। आज जिस तरह से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने बजट पेश किया है वास्तव में बहुत ही सराहनीय बजट है और इस बजट से निश्चित तौर पर हमारा प्रदेश तरक्की के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा, क्योंकि सड़कों से ही किसी प्रदेश की किसी देश की पहचान होती है और जब सड़कें ठीक होती हैं तभी वह क्षेत्र विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जब बढ़िया सड़के होती हैं तो आवागमन में समय कम लगता है, समय बचता है। समय की कीमत उस दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति से, किसी मरीज से पूछी जाये जो समय पर अस्पताल न पहुॅच पाने की वजह से दम तोड़ दिया करते उनसे समय की कीमत को देखा जा सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, जिस तरह से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने सभी जनपदों को फोर लेन से जोड़ने का काम किया है, निश्चित रूप से इससे हमारा प्रदेश तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने जिस तरह से सड़कों की गुणवत्ता को ठीक किया है और सड़कों का चौड़ीकरण कराया है तथा गांव को जोड़ने वाली बहुत सारी सड़कों को बनाया है, निश्चित तौर से इससे हमारे हर वर्ग को फायदा पहुंचा है। मा0 मुख्य मंत्री जी की दूरगामी सोच और मा0 लोक निर्माण मंत्री जी की दूरगामी सोच की वजह से ही आज हमारा प्रदेश तेजी से तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ा है और सड़कों के मामले में हमारा प्रदेश आज कई अन्य प्रदेशों से आगे पहुॅच गया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, हमारे विधान सभा क्षेत्र के दो–तीन छोटे–छोटे काम हैं, हमारी छोटी–छोटी नदियों पर पुलों का निर्माण होना है। दूरिया, हुसेनपुर टोंडरपुर मार्ग पर एक खतरा नदी है, उस पर एक छोटा सा पुल है और अधकटा पर एक छोटा सा पुल है तथा मंडरिया–घटपुरा मार्ग पर एक छोटा सा पुल है, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इन पुलों का निर्माण करवाने का कष्ट करें। मान्यवर, जिस तरह से हमारे गांवों से होकर जो मुख्य सड़कें गुजरती हैं, उनके बीच का जो हिस्सा है, गांव में जल भराव की वजह से वह रास्ता खराब हो जाता है और उससे पूरी सड़क की दुर्दशा हो जाती है। मा0 अध्यक्ष जी, आपसे कहना चाहता हूं कि जो–जो मुख्य मार्ग गांवों से होकर गुजरते हैं, गांव की आबादी के बीच से होकर गुजरते हैं, उन सब का सीसी सड़क

निर्माण कराया जाए, जिससे सड़के लम्बे समय तक ठीक रह पायेंगी। मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका धन्यवाद व्यक्त करता हूं, बहुत–बहुत धन्यवाद।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने के लिए खड़े होने पर)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 सदस्यों को उनकी संख्या के अनुपात में प्राथमिकता नहीं मिली है।

श्री अध्यक्ष–

ऐसा नहीं है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मैं केवल निवेदन करूंगा, आपका संरक्षण चाहिए, सब कुछ आपके हाथ में है।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग के ऊपर जिस पर मा0 धर्मपाल सिंह जी ने कटौती का प्रस्ताव रखा है, उसके पक्ष में बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, सड़कों के निर्माण को लेकर जिस तरह से सुझाव और लोगों की बातें आ रही हैं, उससे लगता है कि प्रदेश के अन्दर सड़कों की बहुत कमी है और जो पुरानी सड़कें हैं, वह काफी उखड़ गयी हैं। अभी जैसा कि मा0 मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में कहा कि जिस तरह से मनुष्य के शरीर के अन्दर धमनियॉ काम करती हैं, उसी तरह से प्रदेश की सड़कें प्रदेश के लिए धमनियों का काम करती हैं तो उत्तर प्रदेश की लगभग धमनियां शान्त हो गयी हैं, सुस्त हैं, खराब हैं, मान्यवर, उनके आपरेशन करने की आवश्यकता है। मान्यवर, सदन के अन्दर मा0 मुख्य मंत्री जी ने एक बार कानपुर की एक सड़क की चर्चा की थी। मा0 मुख्यमंत्री जी ने बताया था कि कानपुर शहर के अन्दर वह गए हुए थे तो वहां कोई ऐसी सड़क देखी जो अंग्रेजों के जमाने में बनी थी और आज तक वैसी की वैसी है और मा0 मुख्य मंत्री जी ने सदन को विश्वास दिलाया था कि जिस तरह से कानपुर के अन्दर वह सड़क बनी है जो अंग्रेजों के जमाने की है, उत्तर प्रदेश के अन्दर वैसी सड़कों का निर्माण होगा, यह मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा था। लेकिन चूँकि मा0 मुख्य मंत्री जी सड़क मार्ग से कम चलते हैं, इसलिए शायद व्यावहारिक जानकारी मा0 मुख्यमंत्री जी के पास नहीं आ पा रही है कि सड़कों की कैसी दुर्दशा है, जब हम लोग क्षेत्र में चलते हैं तो चलना मुश्किल होता है। हालात इतने खराब हैं, मान्यवर, उनकी मरम्मत का कार्य नहीं हो रहा है। मान्यवर, अभी इस वर्ष को सरकार किसान वर्ष के रूप में मना रही है, किसानों के आवागमन के लिए मण्डी से सड़कें बनती हैं। मण्डी से बनी हुई सड़कें जो आज से 7 साल, 8 साल, 9 साल पहले बनी थी, उनमें मरम्मत का कार्य नहीं हो पा रहा है, पुनर्निर्माण का कार्य

नहीं हो पा रहा है। जब मैंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने कहा कि मंडी की सड़कों का मंडी ही करेगा लोक निर्माण विभाग इसको नहीं कर सकता। मैं अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से चाहूंगा क्योंकि मंडी आपके पास है आप ही उसके अध्यक्ष हैं या तो मंडी से उनका पुनर्निर्माण करा दिया जाए अथवा उन सड़कों को भी लोक निर्माण विभाग को दे दिया जाए क्योंकि उन सड़कों की बहुत ही खराब स्थिति है। हमारे क्षेत्र के अंदर शाहजहांपुर से बदायूं को जोड़ने वाला मार्ग जो स्टेट हाइ–वे 43 है, उस हाईवे की स्थिति बहुत खराब है। कहीं–कहीं पर इतने बड़े गड्ढे हो गए हैं कि वहां पर किनारे से निकलना पड़ता है। यह स्टेट हाईवे की स्थिति है। अभी कुछ दिनों पहले यह मार्ग हमारे शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद से हो कर मिर्जापुर कलान होते हुए बदायूं को जाता है जो स्टेट हाई–वे एक जिले को दूसरे जिले से जोड़ रहा है जैसे कि सरकार की योजना है उसे फोरलेन करने की अगर फोरलेन न हो पाए कम से कम उसे सही करा दिया जाए। अभी अधिकारियों ने उसका टेण्डर भी निकाला है। मा0 मंत्री जी चले गए हैं हम लोग उम्मीद कर रहे हैं कि मा0 मंत्री जी उसको स्वीकार कर लें। लखनऊ के अंदर रायबरेली रोड से सुल्तानपुर को जोड़ने की एक सड़क है जो निगोहां से पहले नगराम हो कर जाती है। सड़क के चौड़ीकरण का कार्य आज से ढाई वर्ष पूर्व शुरू किया गया था और अभी तक वह कछुआ गति से चल रहा है। यह सड़क कब तक पूरी होगी यह पता नहीं है। मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि जो कार्य दे दिए गए हैं उनका कार्य भी तीव्र गति से कराया जाए। लखनऊ हमारी राजधानी है। राजधानी के अंदर भी सड़कों का बुरा हाल है। मैं अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी नवंबर के महीने में लखनऊ महोत्सव का उद्घाटन करने गए थे। आप जिस सड़क से गए थे वह आशियाना में खजाना काम्पलेक्स के बगल से चौड़ी सड़क पर गए थे। मान्यवर अगर आपको जानकारी है तो भी गंभीर है और नहीं है तो और भी गंभीर है कि आपको एक ही मार्ग से बायीं पटरी से ले गए और उसी पटरी से ले आए। जिस दिन आप गए हैं उसके एक दिन पहले उसको कराया गया।

पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)–

नीरज जी आपने बहुत अच्छी बात बताई कि मुख्यमंत्री जी सड़क से गुजरे और उसके बारे में चर्चा न हो तो चर्चा का मतलब क्या है। अगर आपको मालूम हो तो यह बताएं कि वह सड़क कब बनी थी और उसका बेस कब पड़ा था। मुख्य मंत्री जी जिस सड़क पर चलते हैं उस सड़क पर बाकी लोगों को भी चलने की आजादी है। वो मुख्य मंत्री जी जब चलती थी उनके आगे न पीछे बचा कर रखते थे तब भी उस सड़क की क्या हालत है।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

मान्यवर मैं मा0 मंत्री जी से यहां कोई बहस नहीं करना चाहता हूं अगर उस सड़क का बेस खराब था तो उस बेस को किसने खराब किया। उसमें कौन दोषी है यह

अधिकार आपके पास है। और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ आपको कार्रवाई करनी चाहिए।

श्री अम्बिका चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी यह बात सही है कि उन सड़कों के लिए ही नहीं और भी बहुत सारी गड़बड़ियों के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने उदारता दिखाई है उन लोगों को जेल में होना चाहिए।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

मान्यवर यह मेरा विषय नहीं है। लखनऊ में ही राम मनोहर लोहिया जी के नाम पर एक बहुत बड़ा विधि संस्थान बना हुआ है। वहां पर तमाम छात्र एल0एल0एम0 कर रहे हैं। उसके पीछे की सड़क की हालत बहुत खराब है।

श्री अध्यक्ष–

आप अपने लोगों का समय ले रहे हैं।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

मान्यवर मैं अन्त में अपनी बात करके खत्म करूंगा कि लखनऊ के गोमती नगर विस्तार योजना में मा0 मुख्य मंत्री जी स्टेडियम बनाने जा रहे हैं वहां पर एक पुल काफी दिनों से बना पड़ा है। मैं चाहूंगा कि उस पुल को भी मा0 मंत्री जी चालू कराने का काम करें।

श्री अध्यक्ष–

अब खत्म करिए।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। धन्यवाद।

लघु सिंचाई पशुधन मंत्री (श्री राजकिशोर सिंह)–

माननीय अध्यक्ष जी, आपने पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट प्रस्ताव पर हमें बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका धन्यवाद प्रकट करता हूं। मा0 अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभी नीरज मौर्या जी बोल रहे थे ऐसे जितने भी नये विधायक इस सदन में बैठे हैं जो अगले पांच साल सदन में नहीं थे। उनको यह जानकारी ही नहीं है कि मुख्य मंत्री जी से कैसे बात होनी चाहिए। हम लोग पिछले पांच साल इसी सदन में बैठे थे और पांच साल तक इस सदन में कोई विधायक जो भी विपक्ष का विधायक था, कभी मुख्य मंत्री जी ने सदन में बैठकर पांच मिनट सुनने का काम नहीं किया था। और किसी ने एक किमी0 रोड बनाने की बात नहीं की थी। अगर किसी ने बोलने का काम किया तो दो मिनट में उसको शांत कर दिया जाता था। नीरज मौर्य जी आपको धन्यवाद देना चाहिए कि आप लोग ऐसे समय में सदन में आये हैं कि आपको ऐसा मुख्य मंत्री मिला है।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य–

मैं पिछली बार भी विधायक था।

श्री राजकिशोर सिंह–

रहे होंगे। जो लोग नहीं थे उनसे पूछिये। ऐसे समय में नये विधायक सदन में आये हैं आज मा0 मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हैं और कम से कम वह नये विधायक अपने क्षेत्र की बात रखने का काम कर रहे हैं। इसलिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। पहले के मुख्य मंत्री जी पांच या दस मिनट से ज्यादा सदन में बैठने का काम नहीं करते थे। मा0 अध्यक्ष जी, सिद्धार्थनगर जनपद आपका है। बस्ती जनपद हमारा है। वहीं संतकबीरनगर जनपद है। राम जानकी मार्ग ऐतिहासिक स्थल है। यहीं भारतीय जनता पार्टी के साथी बैठे हैं। पूछिये जब राम जानकी मार्ग जिस पर आपने या विश्व हिन्दु परिषद के लोगों ने परिक्रमा करने का काम किया था। उस रोड पर पैदल चलना दूभर था। लेकिन 88 करोड़ रुपया अगर किसी ने उस रोड पर दिया है तो आदरणीय मुख्य मंत्री जी, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने दिया है। राम जानकी मार्ग ऐतिहासिक एवं पौराणिक मार्ग है। हम जानते हैं। जब से हम पैदा हुए हैं तब से आज तक राम जानकी मार्ग पर किसी ने रोड़ा तक डालने का काम नहीं किया था। अगर किसी ने राम जानकी मार्ग पर पैसा देने का काम किया है, 115 करोड़ रुपया आदरणीय मुख्य मंत्री जी, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने देने का काम किया है। संतकबीर नगर जनपद है। बस्ती महौली मार्ग कितना ऐतिहासिक मार्ग है। कभी किसी ने एक पैसा देने का काम नहीं किया था। बस्ती महौली मार्ग पर अगर किसी ने 54 करोड़ रूपया देने का काम किया है तो आदरणीय मुख्य मंत्री जी, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने देने का काम किया है और बस्ती संतकबीर नगर को जोड़ने का काम किया है। बस्ती से मेंहदावल मार्ग, मा0 अध्यक्ष जी उस पर कोई चल नहीं सकता था। अगर सवारी के लिए गाड़ी का किराया 20 रूपये होता था तो उस मार्ग पर गाड़ी वाले 50 रुपये लेते थे। पचासों किमी0 लम्बी रोड, वह रोड किसने बनवायी। पूर्वांचल के उस रोड को अगर किसी ने दिया है तो आदरणीय मुख्यमंत्री जी, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने देने का काम किया है।

पूछिये, कांटे से बस्ती रोड पर कभी गिटटी पड़ती थी कि नहीं पड़ती थी। कोई चल पाता था कि नहीं चल पाता था। कांटे से बस्ती रोड को 34 करोड़ रुपया किसने दिया। आदरणीय मुख्य मंत्री जी, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने दिया। इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं कि अगर किसी ने पूर्वांचल की तरक्की करने का काम किया है और पचासों पुल संतकबीर नगर, सिद्धार्थ नगर और गोरखपुर और जोड़ लीजिए तो कम से कम पचास पुल देने का काम समाजवादी पार्टी की सरकार ने आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने, आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने देने का काम किया है। इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं। अभी तमाम साथी लोहिया गांव का जिक्र कर रहे थे। आप अपना अम्बेडकर गांव देखिये और लोहिया गांव जिस दिन खुलेंगे मैं आपको दावत देता हूं चलिये मेरे क्षेत्र में। एक–एक क्षेत्र में एक–एक गांव में डेढ़–डेढ़

सौ लोहिया मकान बन रहे हैं। तमाम माइनारिटी के ऐसे लोग थे जो बी0पी0एल0 सूची में नहीं थे। आप बी0पी0एल0 सूची के लोगों की मदद करते थे। तमाम माइनारिटी के ऐसे लोग थे जिनकी नई–नई शादियॉ होती थीं और झोपड़ियों में जीवन–यापन करते थे। श्री राम करन आर्य जी हमारे बगल में बैठे हैं, हमारे जनपद के विधायक हैं। मंत्री हैं। आप उनसे भी पूछिये। आज वह नौजवान, वह परिवार पक्के मकान में जीवन यापन कर रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी हो सकता है कि लोग आपको धन्यवाद न दे पाते हों। लेकिन हम लोग गांवों में जाते हैं और पूरे प्रदेश के अंदर अगर आप गांव में जाइये तो आज की डेट में गांवों में अगर कोई आदमी मा0 मुख्यमंत्री जी की व्यक्तिगत बुराई करता मिल जाये तो मैं सदन में आना छोड़ दूं। आप हो सकता है करते हों। लेकिन गांव की आवाम मा0 मुख्य मंत्री जी की शिकायत नहीं करती।

श्री अध्यक्ष–

अब समाप्त करिये।

श्री राजकिशोर सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, इसलिए मैं कह रहा हूं कि आज की डेट में गांवों में जो खुशहाली है। 05 साल तक लगातार पूरे उत्तर प्रदेश के गांव की आवाम हम जानते है जिस तरीके से कोई उसकी बात नहीं सुनी जा रही थी, जिस तरीके से विकास नहीं हो पा रहा था, आज उत्तर प्रदेश के गांव में लोगों की बात सुनी जा रही है। बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने का अवसर दिया।

श्री अध्यक्ष–

पूरन प्रकाश जी आप की संख्या कम है और आपके नेता बोल चुके। बहुजन की संख्या ज्यादा है और यह कम संख्या में बोले हैं, भाजपा के भी एक–दो ही लोग बोले हैं। बावन सिंह जी दो मिनट में अपने क्षेत्र की बात रखिये।

'श्री बावन सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे जो भाजपा के माननीय धर्मपाल जी ने जो कटौती प्रस्ताव रखा उस पर बल देने का अवसर दिया, उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी चले गये हैं, हमारे मुख्य मंत्री जी बैठे हुए हैं, उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि विकास का सच अगर देखना है तो जनपद गोण्डा बाई कार माननीय लोक निर्माण मंत्री जी एक बार दौरा कर लें। कितनी सड़को की हालत ध्वस्त है, कुछ चन्द लोगों की विधान सभा में भले ही विकास कुछ हुआ हो लेकिन हम लोगों की विधानसभा बाराबंकी से सीधे जब गाड़ी चलती है, सच्चाई सुनिये आप सच्चाई सुनिये.... (घोर व्यवधान)

(घोर व्यवधान के मध्य)

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री योगेश प्रताप सिंह योगेश भइया)–

आप अपने क्षेत्र की बात रखें। गलत तथ्यों को यहां रखने का क्या मतलब ?

श्री अध्यक्ष–

आपको भी बोलने का मौका मिलेगा योगेश जी आप बैठिये, बावन सिंह जी को बोलने तो दीजिये।

श्री बावन सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, यह लोग सच्चाई नहीं सुनना चाहते हैं। हम केवल अपनी विधानसभा की सच्चाई रख रहें हैं सबके सामने। उसमें आपको हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

श्री योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया'–

' वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया

आप अपने विधानसभा की बात कीजिये। प्रदेश के विकास के लिए जो गलत बात आप यहां रख रहे हैं, गुमराह कर रहे हैं।

श्री बावन सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, तीन साल पहले रामपुर में टेढी नदी का पुल टूट गया था। उस पुल के टूटने के कारण कर्नैल गंज से ही जो भारी वाहन गुजरे चाहे कर्नैलगंज से परसपुर होकर गोण्डा जा रहे थे सारी सड़के ध्वस्त हो गयीं। गड्ढ़े में तबदील हो गयीं। मान्यवर जिस तरीके से पुल 03 साल तक टूटा रहा, पुल नहीं बन पाया और उसकी वजह से पूरे विधानसभा की सड़के ध्वस्त हो गयीं। मान्यवर हमारी विधान सभा में हुजूरपुर मार्ग है वहां अवैध बालू खनन के कारण, अभी फिर चीखने लगेंगे हमारे भाई पण्डित सिंह जी अवैध बालू खनन के कारण, सारा बालू का खनन इन्ही लोगों के द्वारा किया जा रहा है। माननीय अध्यक्ष जी पूरी सड़क गड्ढ़े में चली गयीं।

माननीय अध्यक्ष जी गोण्डा में करनैलगंज से हुजूरपुर मार्ग 12 किमी0, करनैलगंज से सेलरही देवापछिया मार्ग, कटरा से तिलका चन्दवतपुर मार्ग, कटरा से दुबहा मार्ग, कौड़िया से अशोकपुर मार्ग और दुबहा से कठुआ नाला मार्ग ये सब चौड़ी सड़कें है भानुपर के पुल टूटने की वजह से ये सब गड्ढे में तब्दील हो गई हैं, कई बार मैंने मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से निवेदन भी किया लिखकर भी दिया, लेकिन संयोग से बजट नहीं आ पाया। इसके लिए मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि एक बार अगर मा0 लोक निर्माण मंत्री जी बाई कार से गोण्डा जनपद में विशेषकर मेरी विधान सभा क्षेत्र में दौरा कर लें, तो विकास का सच दिखाई पड़ जायेगा। मैं दो–तीन सुझाव देकर अपनी बात रखना चाहता हूं एक तो पूर्वान्चल विकास का बजट बढ़ाया जाय, दूसरे, क्वालिटी युक्त सड़कें जो विशेष मरम्मत का पैसा जा भी रहा है थोड़ा बहुत साल ही भर में सड़कें उखड़ जा रही हैं, उसमें 50 परसेण्ट कमीशन चला जा रहा है सीधे, सड़कें तुरन्त उखड़ जा रही हैं, सड़के क्वालिटी युक्त बनाई जांय। तीसरा व्यापार विकास निधि हमारे यहां मैजापुर चीनी मिल पड़ती है, उसके किनारे की सड़कें सब टूट गईं हैं, उनकी मरम्मत कराई जायं।

श्री अध्यक्ष–

अब आप समाप्त करें, आपका समय समाप्त हो गया। अब आप बैठ जाइये। पी0डब्ल्यू0डी0 का बजट है, तमाम मा0 सदस्य बोलना चाहते हैं।

(सदस्य श्री बावन सिंह का माईक ऑफ कर दिये जाने के कारण उनका शेष भाषण नहीं सुनाई दिया।)

श्री बावन सिंह–

मान्यवर, मैं ज्यादा कुछ न कह कर इन्हीं शब्दों के साथ कटौती के प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

श्री अम्बिका चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी, अभी मा0 सदस्य ने एक प्रतिकूल टिप्पणी करते हुए हमारे मंत्री पण्डित सिंह का नाम लिया, तो श्रीमन् सबसे पहले उन्हें अवसर दे दें ताकि वह उसका स्पष्टीकरण दे सकें।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है, हम उन्हें अवसर दे रहे हैं।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, आपने हमें अवसर दिया इसके लिए हम आपके आभारी हैं, ज्यादा भाषण नहीं देंगे, श्री बावन सिंह जी हमारे साथी भी है, विधायक हैं, पड़ोसी भी हैं, हमारे इनके मधुर सम्बन्ध भी होते हैं, फिर झगड़े भी हो जाते हैं। मान्यवर, इनसे हम यह पूछना चाहते हैं कि जिस सड़क का इन्होंने नाम लिया, हुजूरपुर–करनैलगंज मार्ग, यह कितनी जगह से टूटी है, सही बोलियेगा। यह सड़क इन तीन साल में नहीं टूटी है। खागग,

श्री अध्यक्ष–

इसको नहीं लिखा जायेगा।

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

मान्यवर, दूसरी चीज, अभी मुख्य मंत्री जी गोण्डा गये थे, इनके कटरा विधान सभा की यह 17 सड़कें हैं कम से कम डेढ़ सौ करोड़ की। 49 सड़कें इनको इनके क्षेत्र में देने का काम किया। सड़कें हम पढ़ दें– तिलका चन्दवतपुर मार्ग पर सीरपुरवा से जनवारपुर श्रीजोत होते हुए बिरवाघाट तक सड़का निर्माण–06 किमी0 शून्य से लेपन स्तर तक। फरेन्दा जरवल मार्ग पर गुरूपुरवा से मैजापुर बाजार हलधरमऊ मैजापुर चीनी मिल होते हुए चौरी कटरा मार्ग सुदृढ़ीकरण–08 किमी0। बालपुर बंजरिया मार्ग का शेष भाग से चन्दवतपुर घाट तक निर्माण–03 किमी0। सेलरही मण्डल से गुलहरिया जेठासी, असरना, भैरमपुर, हटही गांव तक–07 किमी0। बरबटपुर से चाईपुरवा बाजारपुरवा, प्रा0 विद्यालय, अहिरपुरवा, गडियानपुरवा, शेखनपुरवा, भगतपुरवा होते हुए बहराइच सीमा तक–05 किमी0। लुआई प्रधानमंत्री सड़क से मिश्रौलिया कानूनगो लोनियापुरवा, हरसिंहपुरवा परसिया होते हुए मुण्डेरवा कला तक–06 किमी0। आर्यनगर खरगूपुर मार्ग पर गोकरन शिवाला से गौनरिया गांव तक–03 किमी0। कौड़िया बिछुड़ी मार्ग से गुदगुदियापुर होते हुए भैरमपुर तक–05 किमी0। लालपुर मन्दिर से कालिकापुरवा, जलाहनपुरवा, अहिरनपुरवा, मैजापुर मिल तक– 03 किमी0। गोण्डा बहराइच मार्ग तक घुचुआपुर से पड़री सविता, अहिरनपुरवा होते हुए बहराइच सीमा तक–06 किमी0।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने से उत्पन्न शोर के मध्य)

करनैलगंज से कटराबाजार होते हुए कौड़िया बाजार तक, कौड़िया, अशोकपुर मार्ग का शेष भाग। अरे सुन लेऔ, सच्चाई सुन लेऔ। मैजापुर–कपूरपुर मार्ग से चौरा

नोट :–ख ग ग, यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया

कटरा मार्ग तक, ये मुख्य मंत्री जी की घोषणा है। सुनिये, इसमें अगर गलत निकल जाये इधर बावन सिंह, ए बावन सिंह जी बैठो।

श्री अध्यक्ष–

आप उधर क्या बात कर रहे हैं, हमको सम्बोधित करिये।

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

अध्यक्ष जी, इसमें से अगर कोई गलत निकल जाये कि तो कि तौ हम त्याग पत्र दई देई कि तौ ई दई दें। ये मुख्य मंत्री जी सबका विकास चाहते हैं, कभी भेदभाव नहीं किया और जो आरोप है आपका, ये आरोप गलत है और आप हमेशा आरोप लगाते रहते हैं और जब काम पड़ता है तो मदद भी लेते हैं।

(घोर व्यवधान के मध्य)

अभी जब एक ब्राह्मण के यहां आपके लड़के ने अपराध किया तब हमारे घर पर बन्दूक छिपाने आये, जिसे हम छिपाये नहीं।

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

अरे, छोड़ो, ये सब बातें क्या कह रहे हैं ?

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

ऐसे लोग हैं, पहले ठाकुर होंय और बाद मा चुप।

श्री अध्यक्ष–

अच्छा पण्डित सिंह, अब आपका टाइम खत्म। अब आप बैठिये।

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

ये जो है ये ख्ग ग ग, बात करते हैं और अगर मा0 अध्यक्ष जी, कहीं पर भी हो, हम सही बोलते हैं। अगर ये गलत निकल जाये तो हम त्याग पत्र दे देंगे। हम सही बोलते हैं।

श्री अध्यक्ष–

अब हो गया।

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

ख्ग ग ग, बावन सिंह।

श्री अध्यक्ष–

अब आप बैठ जाओ न।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने के मध्य)

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

नोट :–ख्ग ग ग, यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

और जहां तक सवाल है उस सड़क का, बालू का तो जांच करा लीजिये। वह बसपा सरकार में खोदा गया, टूटी है। हमारी सरकार में न खोदा गया, न टूटी है। अगर यह बात गलत निकल जाये और बृजभूषण सिंह, उनके आदमी और लल्ला विधायक यही लोग खोदवाये हैं, आप जाकर देख लीजिये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 मंत्री जी का इस सदन में दिया गया बयान एक मा0 सदस्य पर यह आरोप लगाते हुए कि एक ब्राह्मण लड़के की हत्या कर बंदूक हमारे घर में छिपायी। यह जो बात है, यही कहा है।

(सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान व्याप्त रहा)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

यही कहा है, यही कहा है। मा0 अध्यक्ष महोदय जी, हत्यारे को संरक्षण देने का काम किया है। ये हत्यारों की पार्टी है, गुण्डे माफिया और अपराधियों की पार्टी है। जो हम उन पर आरोप लगाते रहे हैं, पण्डित जी ने खुद उसको कबूल कर लिया है कि हमारे यहां संरक्षण दिया गया। मा0 अध्यक्ष महोदय जी, ऐसे मा0 मंत्रीगण जब सरकार की धज्जियां खुद उड़वायेंगे, जो सरकार को खुद बीच गंगा में डुबोने का कार्य करेंगे तो हम समझते हैं कि ऐसे मा0 मंत्री को बोलने से शायद बचना चाहिये। इस प्रकार का सार्वजनिक बयान देकर के आखिर ये क्या संदेश देना चाहते हैं और साथ ही साथ इस सदन के अन्दर इस बात को कहकर के, ये क्या साबित करना चाहते हैं। मा0 अध्यक्ष महोदय जी, यह बहुत ही गम्भीर है, संगीन भी है साथ ही साथ सरकार को, सत्ता पक्ष का एक मा0 मंत्री खुद जिस तरीके से कठघरे में खड़ा करने का काम कर रहा है। मान्यवर, मैं उसकी घोर निन्दा करता हूं, घोर निन्दा करता हूं।

(सदस्य इन्द्रजीत सरोज के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने से उत्पन्न शोर के मध्य)

श्री अम्बिका चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी, नेता प्रतिपक्ष जी बोल रहे थे तो हम लोगों ने सुना है, अब आप भी सुन लीजिये। अभी नेता प्रतिपक्ष ने, मा0 नेता विरोधी दल, मा0 नेता प्रतिपक्ष से मेरा अनुरोध है कि जो सदस्य इनके धमकी देना चाहते हैं उनको ये खुद समझा दें। हम अपनी मर्यादा में हैं और हमको किसी को धमकी देने की आवश्यकता नहीं है लेकिन इतना ज्यादा जोश खा रहे हैं। जब आपकी बात हमने सुनी और हम अगर अपनी बात सदन में मा0 अध्यक्ष जी आपकी अनुमति से कहना चाहते हैं तो बहुत धमकी दिखाने की जरूरत किसी को नहीं है।

(सदस्य श्री इन्द्रजीत सरोज एवं उपेन्द्र तिवारी द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अम्बिका चौधरी–

मा0 अध्यक्ष जी, आप सुन लीजिये बता दूंगा। मैं बता दूंगा किसने दिया है, आप सुन तो लीजिये। मैं अध्यक्ष जी से कह रहा हूं।

श्री अध्यक्ष–

मा0 तिवारी जी, आप सुन तो लें। मा0 सरोज जी, आप सुन तो लें।

श्री अम्बिका चौधरी–

नहीं, नहीं, आप मेरी बात सुनिये।

(व्यवधान के मध्य)

श्री इन्द्रजीत सरोज–

मान्यवर, सारी–की–सारी बातें कार्यवाही में आ गई हैं।

श्री अध्यक्ष–

माननीय सरोज जी, आप सुन तो लें।

श्री अम्बिका चौधरी–

नहीं, नहीं आप मेरी बात सुन लें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जिस तरीके से यहां पर सार्वजनिक रूप से हत्या को संरक्षण देने की बात एक माननीय मंत्री ने कबूली है, यह पूरे सरकार को कटघरे में खड़ा करती है। मान्यवर, इसकी घोर निन्दा की जानी चाहिए और जहां तक रही बात धमकी देने की। माननीय मंत्री जी को कोई धमकी नहीं दे रहा है। धमकी देने वाले पर आपको लगाम लगाना चाहिए। मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं।

श्री अम्बिका चौधरी–

बड़ी मेहरबानी। माननीय अध्यक्ष जी, मैंने पूरी विनम्रता के साथ यह बात इसलिए की कि सदन में मुझे और बाकी सभी लोगों को मर्यादा से रहना चाहिए, आपके निर्देश भी हैं, हम सब लोग रहते हैं और अगर कहीं बात बिगड़ती है, तो वह बात बिगड़ती नहीं जानी चाहिए। कहीं न कहीं रोक लगनी चाहिए, यही इतनी–सी बात थी और धमकी दी है या नहीं दी है इसीलिए मैंने आपसे अनुरोध किया कि आप इसको स्वयं नियंत्रित करेंगे तो ज्यादा अच्छा होगा। बात काटिये नहीं बात सुन लीजिए, सरोज जी, अभी आप मेरी बात सुन लीजिए। अभी आप मेरी बात सुन लीजिए फिर उसके बाद कहिएगा। माननीय अध्यक्ष जी नेता प्रतिपक्ष ने माननीय मंत्री पर जो आक्षेप किया है। श्रीमन् उन्होंने न ऐसी कोई बात कही है, उन्होंने दूसरी बात कही, यद्यपि उसमें कुछ बातें अस्वीकार्य हो सकती हैं, निजी तौर पर उनके क्या रिश्ते हैं, निजी बातों के लिए तो यह सदन है नहीं, निजी तौर पर इस सदन के बाहर बोलें। उनके अपने रिश्ते हैं, बात कर सकते हैं। अपनी–अपनी बात है। कब, कौन, किस कठिनाई में किसके यहां मद्द के लिए गया, यहां बताने की कोई बहुत आवश्यकता नहीं थी। वह उन्होंने बताया, वह उनकी अलग बात है, वह निजी तौर पर किसी हत्या के मामले में मद्द मॉगने गये, किसमें मद्द

मॉगने गए, वह उनकी अलग बात है, लेकिन हमारे मंत्री ने अपने यहां किसी बन्दूक के छिपाने रखने की बात नहीं कही है। नेता प्रतिपक्ष इसको राजनैतिक रंग देना चाहते हैं और मान्यवर, ऐसा न कार्यवाही में है और न उन्होंने कहा है। गलत आक्षेप से यह सरकार की छवि खराब करना चाहते हैं। नहीं मान्यवर, सरकार की छवि खराब करने के लिए यह गलत आक्षेप लगा रहे हैं। इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, एक माननीय मंत्री के द्वारा सार्वजनिक रूप से उस बात को स्वीकारा जा रहा है।

श्री अम्बिका चौधरी–

मान्यवर, यह स्वीकार्य नहीं है माननीय अध्यक्ष जी।

(बहुजन समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के कई सदस्यों के एक साथ बोलने के प्रयास में व्यवधान की स्थिति)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

देख लेंगे, निकाल कर। अब आप लोग बैठ जाइये, बैठ जाइये। अब आप लोग बैठिए। पंडित सिंह जी आप जोश में बहुत बोलते हैं। जोश में होश भी रखा जाता है।

श्री विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह–

मान्यवर, इन्होंने हमारे ऊपर आरोप लगाया है। यह बन्दूक छिपाने की बात नहीं है, बन्दूक तो पुलिस पकड़े थी। इन्होंने कहा कि हमारी मद्द करिये, हमने मद्द नहीं किया, जब मद्द नहीं किया, तब यह अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। इनका लड़का जेल गया, चार महीना जेल में बंद था, तब यह आरोप लगा रहे हैं।

(व्यवधान)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, ख ग ग ग ,

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यगण वेल में आ गए)

श्री अध्यक्ष–

यह कुछ लिखा नहीं जायेगा और न ही कार्यवाही का अंग माना जायेगा। कुछ भी लिखा नहीं जायेगा। चलिए धर्मपाल सिंह जी आप अपने कटौती पर बोलिए।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यगण वेल से आ गये)

श्री अध्यक्ष–

वह दोनों लोगों का अपना मामला है, अब आप अपनी सीटों पर चलिए। आप चलिए अपना कटौती के प्रस्ताव पर बोलिए। मैं इसमें क्या कर सकता हूं, आप अपना कटौती पर बोलिए। मैं इसमें क्या कर सकता हूं, मैं इसमें क्या कर सकता हूं। आपने कहा, उन्होंने कहा, मैं इसमें क्या कर सकता हूं। मैं क्या कर सकता हूं।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल–

नोट :–ख ग ग, यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

माननीय अध्यक्ष जी, एक सदस्य मान्यवर, अपनी पीड़ा रख रहे थे। आप बावन सिंह से बुलवा लें। (वेल से)

श्री अध्यक्ष–

मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यगण वेल से सरकार विरोधी नारे लगाते रहे)

(सदन की वेल में आये हुए सदस्य नारे लगाते रहे)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

आप चले, आप चले, आप बजट पर कटौती रखेंगे ?

क्या करें उसमें, आप भी भाषण कर रहे थे आप भी आरोप लगा रहे थे खनन है खनन करते हैं अवैध खनन करते हैं उन्होंने भी आपको कुछ दिया होगा दिखवा लेंगे जो उसमें कुछ होगा हम देखेंगे।

श्री बावन सिंह (वेल से)–

मान्यवर, मंत्री होने के बाद धमकी दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष–

अपनी अपनी जगह पर चलिये। सुशील सिंह जी अपनी जगह पर चलें। (घोर व्यवधान) क्या कहना चाहते हैं क्या कह रहे हैं।

डा0 राधा मोहन अग्रवाल (वेल से)–

अध्यक्ष जी, जो बाते इन्होंने कही हैं वह वापिस होनी चाहिए उन्होंने यह कहा है कि हम किसी भी हालत में बावन सिंह को जीत कर नहीं आने देंगे, यह धमकी है।

श्री अध्यक्ष–

क्या कहा है?

श्री बावन सिंह (वेल से)–

इन्होंने कहा है कि जीतकर नहीं आने देंगे।

श्री अध्यक्ष–

आप लिखकर दीजिए मैं जांच करा लूंगा।

श्री अम्बिका चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, कार्यवाही को आप स्वयं देख लेंगे और जो भी अनुचित बात हो चाहे वह किसी की ओर से हो उसको आप निकलवा दीजिएगा, अब इससे ज्यादा कोई बात होगी।

श्री अध्यक्ष–

निकलवा देंगे। अब चलिये आप जाओ, उसको देख लेंगे और निकाल देंगे। हमसे लड़कर तो कुछ मिलना नहीं है हमसे कहां उलझ रहे हो।

श्री बावन सिंह (वेल से)–

मान्यवर, मैं यही धरने पर बैठता हूं।

(बावन सिंह और कुछ सदस्य सदन के वेल में धरने पर बैठ गये)

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने जो शब्द प्रयोग किया है उनको अपने शब्द वापस लेना चाहिए। यह सदन कोई धमकी का स्थान नहीं है।

श्री अध्यक्ष–

अगर इसमें कोई ऐसी बात है तो मैं कार्यवाही से निकाल दूंगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

मान्यवर, यह कोई कार्यवाही से निकालने की बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष–

आप बोलेंगे या हम बजट रखें।

श्री अम्बिका चौधरी–

जिसका अनुचित है निकल जायेगा, शुरूआत उधर से हुई है।

श्री अध्यक्ष–

आप लोग चलेंगे या हम बजट पास करायें। आप लोग अपने–अपने स्थानों पर चलिये। नहीं जायेंगे तो हम प्रश्न उपस्थित करते हैं।

श्री अम्बिका चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, आप प्रश्न रखवाइये।

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या 54– लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रूपया कर दी जाय?

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि बहुत ही महत्वपूर्ण बजट पर चर्चा चल रही थी बीच में एक माननीय मंत्री जी के विवादित बयान से स्थिति बाधित हुई मान्यवर, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा जो कही हुई बात है कार्यवाही के एजेन्डे में है उसका संज्ञान लेते हुए माननीय मंत्री जी से सार्वजनिक रूप से माफी मगवायें अन्यथा इसका संदेश गलत जायेगा।

श्री अध्यक्ष–

हम माफी कहां से मंगवायें ?

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

श्री अम्बिका चौधरी–

मान्यवर, माननीय मंत्री पर आक्षेप लगाने वाले लोग माफी मांगे पहले जहां से शुरुआत हुई है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, इनको पहले माफी मांगनी चाहिए।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्य वेल से अपनी–अपनी बात कहते रहे जिससे सदन में व्यवधान बना रहा, घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

अब मैं प्रश्न उपस्थित करता हूं।

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–54–लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–54–लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 19,74,61,23,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या–55–लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–55–लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 1,74,47,50,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

(बहुजन समाज पार्टी के सदस्य अपने–अपने स्थान पर खड़े होकर नारे लगाने लगे)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या–56–लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–56–लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 1,95,00,00,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या–57–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–57–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 13,99,56,02,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या–58–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़के) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–58–लोक निर्माण विभाग (संचार साधन–सड़के) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 1,19,28,69,57,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

अब मैं मद संख्या–12(6) लेता हूं।

ख03.50, वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान अनुदान संख्या–18 कृषि तथा सम्बद्ध विभाग (सहकारिता)

लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–18–कृषि तथा अन्य

सम्बद्ध विभाग (सहकारिता) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 14,26,50,11,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

श्री अध्यक्ष–

इसमें कोई कटौती रखेगा ? श्री संतराम कुशवाहा जी क्या सहकारिता विभाग के बजट पर कटौती रखेंगे ? कुशवाहा जी नहीं हैं, तो अब मैं प्रश्न उपस्थित करता हूं।

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–18 कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (सहकारिता) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 14,26,50,11,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

(घोर व्यवधान के मध्य)

वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान

अनुदान संख्या–09 ऊर्जा विभाग

लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–09–ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 2,46,23,00,45,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

श्री अध्यक्ष–

माननीय डा0 राधा मोहन दास जी, आप कटमोशन रखेंगे ?

(कोई उत्तर न मिलने पर)

श्री अध्यक्ष–

अब मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं।

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–09–ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 2,46,23,00,45,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान

अनुदान संख्या–01 आबकारी विभाग

लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–01–आबकारी

विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,59,83,67,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

श्री अध्यक्ष–

माननीय श्री जय प्रकाश निषाद जी आप कटमोशन रखेंगे ?

(कोई उत्तर न मिलने पर)

श्री अध्यक्ष–

अब मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं।

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–01–आबकारी विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,59,83,67,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

वित्तीय वर्ष 2015–2016 के आय–व्ययक पर अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान

अनुदान संख्या–60 वन विभाग

लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, सहकारिता मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–60–वन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 9,54,22,12,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

श्री अध्यक्ष–

माननीय श्री शमेशर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या आप इस पर कटमोशन रखेंगे ?

(कोई उत्तर न मिलने पर)

श्री अध्यक्ष–

अब मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं।

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या–60–वन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 9,54,22,12,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

ख03.55, नियम–51 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष–

आज दिनांक 17.03.2015 को नियम–51 के अन्तर्गत कुल 60 सूचनायें प्राप्त हुई। पहली सूचना श्री दिलनवाज खां की जनपद बुलन्दशहर में स्थित वेव शुगर मिल के बन्द होने के कारण उत्पन्न स्थिति के संबंध में, वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

दूसरी सूचना श्री इन्दल कुमार की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद अन्तर्गत लखनऊ–मोहन रोड पर नरौना पुल से नहर पटरी होते हुये हरदोई बार्डर तक माल–दुबग्गा रोड के उच्चीकृत एवं चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

तीसरी सूचना श्री विजय कुमार दुबे की जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज की शुगर मिलों द्वारा किसानों के बकाये का भुगतान कराये जाने के संबंध में, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

चौथी सूचना के सूचनाकर्ता श्री राजेश यादव नाम पुकारे जाने पर सदन में उपस्थित नहीं थे।

पांचवी सूचना के सूचनाकर्ता श्री दीपक पटेल एडवोकेट नाम पुकारे जाने पर सदन में उपस्थित नहीं थे।

छठी सूचना श्रीमती रुचि वीरा की जनपद बिजनौर के कतिपय ग्रामों में प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना कराये जाने के संबंध में, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

सातवीं सूचना श्री आरिफ अनवर हाशमी की जनपद बलरामपुर के विधान सभा क्षेत्र उतरौला अन्तर्गत ग्राम दिलावरपुर में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के संबंध में, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

आठवीं सूचना श्रीमती विमला सिंह सोलंकी की जनपद बुलन्दशहर के विकास खण्ड सिकन्दराबाद अन्तर्गत करों नदी में गिरने वाले गन्दे नाले में प्रदूषित जल इकठ्ठा होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

नवीं सूचना श्री राकेश बाबू की जनपद फिरोजाबाद की कृषि रक्षा ईकाई विकास खण्ड टूण्डला द्वारा उपलब्ध कराई गई साइथेन एम–45 व मैन्कोजेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 से हुए फसलों के नुकसान का मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

दसवीं सूचना श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह की जनपद लखनऊ के अन्तर्गत थाना हजरतगंज (नरही) के साथ–साथ कई वर्षों से पूरे लखनऊ में घूम–घूमकर तैनात एस0एस0आई0, श्री रमेश कुमार एवं हेड कॉस्टेबल श्री मिथिलेश के कार्यकलापों से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत।

श्री राजेश यादव की सूचना के स्थान पर श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य की सूचना ली जाती है तथा श्री दीपक पटेल एडवोकेट की सूचना के स्थान पर श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की सूचना ली जाती है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं :–

श्री गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री बब्बन सिंह, श्रीमती सीमा, श्री राम चन्द्र यादव, श्री पूर्णमासी देहाती, श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री बाला प्रसाद अवस्थी, श्री चौधरी गजेन्द्र सिंह, श्री रविन्द्र भड़ाना, श्री जगपाल सिंह, श्री ओम कुमार, श्री सुरेश कुमार खन्ना, श्री जगन प्रसाद गर्ग, श्रीमती रूबी प्रसाद,

श्री गयादीन अनुरागी, श्री राधेलाल रावत, श्री भीम प्रसाद सोनकर, श्री आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', डॉ0 धर्म सिंह सैनी, श्री जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री सतीश महाना, श्री उमेश पाण्डेय, श्री धर्मपाल सिंह, श्री मुकुट बिहारी वर्मा, श्री गुलाम मोहम्मद, डॉ0 रमेश चन्द्र बिन्द, श्री अगयश रामसरन वर्मा, श्री दलवीर सिंह, श्री रामहेत भारती, श्री अरुण कुमार, श्री पूरन प्रकाश एडवोकेट, श्रीमती बिमला बाथम, श्री मदन चौहान, श्री अजय कुमार लल्लू, श्री अनिल कुमार, श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री सुरेश बंसल, श्री चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री राजबली जैसल, श्री सुदेश शर्मा, श्री दलजीत सिंह, श्री जय प्रकाश निषाद, श्री शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री रोशन लाल वर्मा, श्री सुशील सिंह, श्री संजय प्रताप जायसवाल, श्री आशीष कुमार यादव।

जनपद देवरिया सहित प्रदेश में सर्व शिक्षा अभियान के तहत विद्यालयों को मानक के अनुरूप बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश प्रताप सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर समाज कल्याण मंत्री का वक्तव्य

पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)–

मान्यवर, श्री अखिलेश प्रताप सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत...

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया')–

मान्यवर, पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी जी–

ख दिनांक 10–03–2015 को दी गई सूचना निम्नवत् है :–

''प्राथमिक शिक्षा समाज की मूलभूत सुविधाओं में से एक है। कमजोर वर्ग के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने हेतु आजादी के पहले एवं आजादी के बाद सरकारों ने अनेकों अनुदानित प्राथमिक विद्यालय खोले जो समाज कल्याण द्वारा अनुदानित विद्यालयों के रूप में आज भी चल रहे हैं।

मेरे विधान सभा रुद्रपुर देवरिया सहित जनपद देवरिया में भी ऐसे 42 विद्यालय चल रहे हैं तथा प्रदेश में लगभग 500 से अधिक प्राथमिक अनुदानित विद्यालय समाज कल्याण विभाग द्वारा चलाये जा रहे हैं। जिसमें गरीब दलित बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान की जाती है।

महत्वपूर्ण यह है कि इन प्राथमिक विद्यालयों के पास जिसमें अधिकांश आजादी के पहले के मान्यता प्राप्त हैं, भवन नहीं हैं, आज भी पेड़ एवं टीन शेड के नीचे आज भी छात्रों को शिक्षा दी जाती है तथा इन विद्यालयों में एक तिहाई से ज्यादा पद रिक्त हैं। मेरे जनपद देवरिया में ही इन 42 विद्यालयों में 98 पद रिक्त हैं। विद्यालयों

नोट :–ख, यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

में स्थायी भवन एवं शिक्षक, कर्मचारी न होने के कारण पठन–पाठन समुचित रूप से नहीं हो पा रहा है तथा इसकी कमी के कारण समाज में यह विद्यालय उपहास के भी पात्र बन रहे हैं।

उपरोक्त हमारे जनपद देवरिया के समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित समस्त विद्यालयों के सहित पूरे प्रदेश के ऐसे विद्यालयों में अविलम्ब रिक्त पदों पर नियुक्ति तथा मानक के अनुरूप भवन न होने के कारण जनता में चिन्ता एवं रोष व्याप्त है। ऐसे विद्यालयों को सर्व शिक्षा अभियान के तहत अथवा किसी अन्य योजना के तहत लाकर इन्हें मानक के अनुरूप बनवाया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्तव्य की मांग करता हूं।''

2– इस सम्बन्ध में श्री अखिलेश प्रताप सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दिनांक 10–03–2015 को नियम–51 के अन्तर्गत दी गई उक्त सूचना में उठाये गये बिन्दुओं के सम्बन्ध में स्थिति निम्नवत् है :–

प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित 578 अनुसूचित जाति प्राइमरी पाठशालाओं में अध्यापकों के 3432 पद स्वीकृत हैं। स्वीकृत पदों के सापेक्ष 1749 प्रशिक्षित तथा 845 अप्रशिक्षित, इस प्रकार कुल 2594 अध्यापक कार्यरत हैं। पूर्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त जो भी विद्यालय समाज कल्याण विभाग द्वारा आवर्ती अनुदान पर लिये गये हैं, उसमें विभाग द्वारा निर्धारित माप–दण्ड का परीक्षण जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया है एवं जनपदीय संस्तुति के बाद ही विद्यालयों को आवर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया है। विभाग द्वारा अनुदानित प्राइमरी पाठशालाओं में अध्यापकों की नियुक्ति का अधिकार विद्यालय के प्रबंधतंत्र के अधीन है एवं रिक्त पदों पर नियमानुसार नियुक्ति की कार्यवाही करने की जिम्मेदारी भी प्रबंधतंत्र की है। विभाग द्वारा मात्र शिक्षकों के वेतन भुगतान हेतु बजट उपलब्ध कराया जाता है। भवन निर्माण, अनुरक्षण तथा अन्य मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने की पूरी जिम्मेदारी भी प्रबन्धतंत्र की ही है।

जिलाधिकारी, देवरिया ने अपने पत्र संख्या–2790–91 दिनांक 12–03–2015 द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद देवरिया में 43 विद्यालयों में 315 पद स्वीकृत हैं। स्वीकृत पद के सापेक्ष 217 अध्यापक कार्यरत हैं तथा 98 पद रिक्त चल रहे हैं। प्रदेश के संबंधित समस्त जनपदों में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित अनुसूचित जाति प्राइमरी पाठशालाओं में भवन समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं का सत्यापन जनपद स्तरीय तथा मण्डल स्तरीय अधिकारियों से कराया जा रहा है। सत्यापन के उपरान्त संस्था के प्रबन्धतंत्र के माध्यम से यथेष्ठ व्यवस्था तद्नुसार सुनिश्चित करायी जायेगी। ,

जनपद सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज क्षेत्र पंचायत को पुनर्गठित करते हुए भवानीगंज को क्षेत्र पंचायत समिति (ब्लाक) सृजित किये जाने के सम्बन्ध में श्री कमाल यूसुफ मलिक द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

(अध्यक्ष द्वारा सदस्य श्री कमाल यूसुफ मलिक का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित रहने पर)

जनपद अलीगढ़ की तहसील खैर की ग्राम घरबरा में गाटा संख्या–1/20 के अतिरिक्त में अवैध बालू खनन कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर भू–तत्व एवं खनिकर्म मंत्री का केवल वक्तव्य

पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)–

मान्यवर, ठा0 दलवीर सिंह, माननीय सदस्य, विधान सभा द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दिनांक 03 मार्च, 2015 को दी गई सूचना ....

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया')–

मान्यवर, पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष –

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी–

ऋ कि जनपद अलीगढ़ तहसील खैर ग्राम घरबरा में गाटा संख्या–1/20 में बालू खनन का एक मात्र पट्टा श्री धनसिंह पुत्र श्री नन्दराम निवासी मिलिक फतेहपुर के नाम आवंटित किया गया, लेकिन पट्टेधारक द्वारा अपने निर्धारित स्थल से लगभग 1 किमी0 दूर पर अवैध खनन किया जा रहा है तथा बिना रवन्ने के खनन पट्टे के आड़ में भारी मात्रा में बालू का परिवहन हरियाणा प्रदेश में किया जा रहा है जिससे प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपये की राजस्व हानि हो रही है। संज्ञान में आया है कि खनन कर्ताओं द्वारा नकली रवन्ने धड़ल्ले से जारी किये जा रहे हैं। पट्टे धारक द्वारा निर्धारित स्थल से अन्यत्र किये गये अवैध खनन के गड्ढे वर्तमान में मौजूद हैं जिसकी रायल्टी एवं 5 गुना जुर्माना नियमानुसार वसूल किया जाना राजस्व हित में अति आवश्यक है। ग्राम घरबरा का बालू खनन पट्टा अन्तर्राज्यीय सीमा पर स्थित होने के कारण पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण–पत्र भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त करना चाहिए था। परन्तु पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण–पत्र प्राप्त करते समय अन्य ग्राम का नाम लिखकर पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण–पत्र जालसाजी से हासिल किया गया। बाद में ग्राम का नाम संशोधित करने का प्रार्थना पत्र देकर सरकार के साथ धोखाधड़ी की गयी। तत्समय पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण–पत्र (अन्तर्राज्यीय सीमा) भारत सरकार द्वारा निर्गत किये जाते थे। पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण–पत्र एवं खनन पट्टा अभिलेख शर्तों के अनुरूप खनन कार्य मानवों द्वारा किया जाना नियत है। जबकि उक्त स्थान पर भारी पोकलेन एवं जे0सी0बी0 मशीनों द्वारा खनन कार्य कई किलोमीटरों के बीच में पड़े बालू के टीलों को खोदकर अवैध खनन किया जा रहा है। इस अवैध खनन कारोबार पर स्थानीय व जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गयी। अवैध खनन कारोबार वर्तमान में सुचारु रूप से संचालित है।

---

uksV %&[ ] ;g va'k i<+k gqvk ekuk x;kA

जिससे प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपये की राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है। अवैध खनन के कारण यमुना का कटान प्रदेश के सीमा के अन्दर अधिक हो जाता है जिसके कारण प्रदेश के किसानों की जमीन हरियाणा राज्य में चली जाती है। जिससे प्रतिवर्ष फसलों की कटाई को लेकर दोनों प्रदेश के किसानों में हिंसा की झड़पें होती हैं। हरियाणा राज्य में यमुना किनारे खनन पूर्णतया प्रतिबन्धित होने के कारण अवैध खनन का कारोबार प्रदेश के सीमा के अन्दर काफी तेजी से बढ़ रहा है।

अतः उपरोक्त अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर शासन से वक्तव्य की मांग की गयी है।

केवल वक्तव्य

इस सम्बन्ध में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म, उ0प्र0 के माध्यम से जिलाधिकारी, अलीगढ़ से आख्या प्राप्त की गयी, किन्तु प्रश्नगत प्रकरण में जांच कराये जाने की आवश्यकता पायी गयी है। इस सम्बन्ध में शासन द्वारा जांच कराकर आख्या उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी, अलीगढ़ को पत्र संख्या– 764/86–2015–2 नियम/2015, दिनांक 11–03–2015 (प्रति संलग्न है) द्वारा निर्देश दे दिये गये हैं।,

जनपद लखीमपुर खीरी के तहसील निघासन अन्तर्गत ग्राम निघासन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जा किये जाने के सम्बन्ध में श्री भीम प्रसाद सोनकर द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर राजस्व मंत्री का केवल वक्तव्य (स्थगित)

श्री अध्यक्ष –

यह स्थगित रहेगा।

जनपद हाथरस के श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी की भूमि को श्री गोपाल आदर्श इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम करवाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम–51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री केवल वक्तव्य

पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा विकलांग जन विकास मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)–

मान्यवर, श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस द्वारा संचालित ...

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया')–

मान्यवर, पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष–

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी–

ख श्री गोपाल आदर्श इण्टर कालेज हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस के वर्तमान प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी द्वारा अपने निजी स्वार्थों के लिए सोसाइटी की भूमि के साथ निम्न अनियमितताएं कर संस्था को भारी क्षति पहुंचाई जा रही है।

1–श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस के नाम ग्राम नगला केशों के गाटा सं0–366 रकबा 18.5 बीघा 1.450 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। इस संस्था से संचालित श्री गोपाल आदर्श इण्टर कालेज हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस के वर्तमान प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी ने कूट रचित तरीके से उक्त भूमि का पंजीकृत दमामी पट्टा (नस्ल दर नस्ल, स्थानान्तरण के अधिकार देते हुए हमेशा हमेशा के लिए) दिनांक 5–12–2012 व 11–04–2013 को अपनी पुत्रवधू सारिका शर्मा व उपेन्द्र कुमार के नाम कर दिया है।

2–श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस के नाम नगला केशों गाटा सं0–471, 472 में राजस्व अभिलेखों में भूमि दर्ज थी। प्रधानाचार्य ने कूट रचित तरीके से राजस्व अभिलेखों में अपना तथा अपने भाइयों के नाम दर्ज करा लिये।

3–श्री गोपाल आदर्श विद्यालय के नाम ग्राम देवी नगर के गाटा सं0–72 में राजस्व अभिलेखों में भूमि दर्ज थी। प्रधानाचार्य ने इस भूमि पर कूट रचित तरीके से राजस्व अभिलेखों में अपना तथा अपने भाइयों के नाम दर्ज करा लिया।

4–उपरोक्त भूमि का सर्किट रेट 11000/– रुपये प्रति वर्ग मीटर है। भूमि की कुल कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये से अधिक है।

5–संस्था की भूमि जो अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम दर्ज करा ली गयी है उस भूमि पर श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी प्रधानाचार्य व उनके रिश्तेदारों द्वारा अवैध प्लाटिंग व अवैध निर्माण (मैरिज होम) कराया जा रहा है।

6–थाना हाथरस जंक्शन, हाथरस में प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी के नाम दिनांक 01–12–2013 को प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। स्थानीय पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराने वाले के विरुद्ध की कार्यवाही की जा रही है। तथा प्रधानाचार्य को बचाने का कार्य किया जा रहा है।

श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी हाथरस जंक्शन जनपद हाथरस की भूमि को श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी प्रधानाचार्य द्वारा अपने व अपने नाते रिश्तेदार व नजदीकियों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों/प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्यवाही कर भूमि को शिक्षण संस्था के नाम पुनः दर्ज कराया जाय।

अतः उपरोक्त अविलम्बनीय लोकमहत्व के प्रश्न पर शासन से वक्तव्य दिलाये जाने की मांग करता हूं।

शिक्षा निदेशक (मा0) द्वारा दिनांक 13 मार्च, 2015 को उपलब्ध करायी गई आख्या के अनुसार जनपद हाथरस के श्री गोपाल आदर्श विद्यालय सोसाइटी की भूमि को

नोट :–ख, यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

श्री गोपाल आदर्श इण्टर कालेज हाथरस के प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र कुमार पचौरी द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम करवाये जाने का प्रकरण राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग से संबंधित होने के कारण जिला विद्यालय निरीक्षक, हाथरस के पत्र दिनांक 12–3–2015 के द्वारा राजस्व व पुलिस विभाग से आख्या उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक, हाथरस द्वारा प्रधानाचार्य, राजकीय हाईस्कूल, बामौली, बेदई तथा मुहरिया की तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी गयी है। जांच समिति की आख्या प्राप्त होने पर यथावश्यक कार्यवाही की जायेगी। ,

श्री अध्यक्ष–

अब हम उठते हैं, कल 11 बजे पुनः मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 03 बजकर 57 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

दिनांक 17 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश।

नत्थी 'क'

(देखिये मा0 अध्यक्ष के आदेश पृष्ठ संख्या–82 पर)

मा0 अध्यक्ष के आदेशानुसार लोक निर्माण विभाग की अनुदान पर चर्चा जो मा0 सदस्य चर्चा में भाग न ले सके उन्होंने अपने लिखित सुझाव प्रस्तुत किये हैं वह संलग्न हैं :–

श्री राम चन्द्र चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय लो0 नि0 मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है। मैं पेश किये गये बजट की सराहना करता हूं। 2012 में जब सरकार बनी तो मैं क्षेत्र भ्रमण में गया तो हमारे सूरापुर में बरही कृष्णा की चल रही थी उस समय पानी बरसा था, कीचड़ हो गया था, मैंने उस समय कहा था कि जब अगले वर्ष कृष्ण बरछी में आऊंगा तो सड़क चौड़ी तथा काली होने पर आऊंगा। ठीक उसी के एक माह बाद लखनऊ बलिया मार्ग पर सड़क बननी शुरू हो गयी। सड़क चौड़ी तथा ऊंची बन गयी। कृष्ण की बरछी में जब मैं गया तो हमारे मुख्य मंत्री अखिलेश यादव की भूरि–भूरि प्रशंसा हुई।

क्षेत्रीय समस्या है। डा0 लोहिया की जन्मस्थली अम्बेडकर नगर कर्म स्थली दोस्तपुर रही है। दोस्तपुर नगर पंचायत सकरा है। डा0 लोहिया के जन्म स्थली जिला अम्बेडकर कर्म स्थली दोस्तपुर में 'बाईपास' का बनना आवश्यक है। अम्बेदकर नगर से दोस्तपुर वाया कादीपुर होते हुए प्रतापगढ़ तक की सड़क का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण का होना आवश्यक है।

श्री विजय कुमार पासवान–

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 बजट 15–16 हेतु चर्चा में हमारा विचार जोड़ने का कष्ट करें। महोदय आपको अवगत कराना है हमारे कपिलवस्तु विधान सभा में मैन्हवां से सेमरा होते हुए मोहाना बैरियर तक रोड बनवाना बहुत जरूरी है, बरसात के सीजन में बिलकुल चलने लायक नहीं होती है। ये लगभग 9 किमी0 है।

आपसे अनुरोध है कि उस सड़क को बनवाने का आदेश कर दीजिए। बड़ी कृपा होगी।

श्री जय प्रकाश अंचल–

माननीय अध्यक्ष जी आपका आभारी हूं कि आपने माननीय लोक निर्माण मंत्री जी के लोकप्रिय बजट के समर्थन में बोलने का मुझे मौका दिया।

मान्यवर, आपके माध्यम से पूरे देश के 16 प्रतिशत से अधिक की आबादी वाला प्रदेश उत्तर प्रदेश जिसके समुचित विकास के लिए जिस तरह से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने खाका तैयार किया है उससे सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने में सहयोग मिलेगा।

मान्यवर, आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी एवं लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि पूर्वांचल विकास निधि के अन्तर्गत 223 करोड़ रुपया की व्यवस्था कराकर तमाम योजनाओं को अमली जामा पहनाने की कार्य किया है जिससे

पूर्वांचल के सभी जनपदों को लाभ मिलेगा। यही नहीं मा0 मंत्री जी ने 250 से अधिक की आबादी वाले बसावटीं तक सड़कों का निर्माण करा कर पहली बाद उनके घर तक विकास की किरण को पहुंचाकर यह साबित करने का कार्य किया है कि आज के बाद पहली बार डा0 राम मनोहर लोहिया, चौधरी चरण सिंह और मा0 मुलायम सिंह यादव जी के सपनों को साकार करने के लिए उन गरीबों, मजलूमों, किसानों की सुध लेने वाली सरकार है। इस तरह डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र विकास योजना के तहत भी अधिकतर सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है इसके लिए भी मा0 मंत्री जी को बधाई देता हूं।

मान्यवर इसी के साथ मा0 लोक निर्माण मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि आपने जनपद–देवरिया से सलेमपुर होकर बलिया तक 2 लेन की सड़क जनपद बलिया से मऊ होकर आजमगढ़ तक 4 लेन की सड़क का निर्माण व सिकन्दर पुर से बांसडीह, रेवती, बैरिया, लालगंज तक 2 लेन सड़क का निर्माण कराने के लिये बधाई देता हूं।

मान्यवर, मा0 मंत्री जी को बलिया से बिहार को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर बड़े पुल का निर्माण प्रारम्भ कराने के लिए बधाई देते हुए अपने विधान सभा क्षेत्र बैरिया जनपद बलिया के तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं। जहां पर गंगा नदी पर ही दयाछपरा–नौरंगा पक्का पुल का निर्माण व घाघरा नदी पर बाबा बालक दास सेतु का निर्माण कराये जाने के साथ ही टी0एस0 बन्धे का चौड़ीकरण व लेपन स्तर का कार्य कराये जाने के लिए अनुरोध करता हूं और साथ ही वी0एस0टी0 बन्धे को पिच कराने के लिए आपको बधाई देता हूं। मान्यवर, आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी एवं लोक निर्माण मंत्री जी को उत्तर प्रदेश के विकास के लिए इस जन उपयोगी बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं।

धन्यवाद।

श्रीमती रुचि वीरा–

माननीय अध्यक्ष जी, आपने माननीय मंत्री शिवपाल जी द्वारा लोक निर्माण विभाग का महत्वपूर्ण बजट प्रस्तुत किया गया, के पक्ष में मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभार व धन्यवाद करती हूं।

आदरणीय अध्यक्ष जी मेरी विधान सभा उत्तराखण्ड से लगी है गंगा जी उत्तर प्रदेश में प्रवेश बिजनौर में करती हैं जोकि मेरी विधान सभा है, मेरी विधान सभा बिजनौर लगभग 70 किमी0 गंगा के किनारे–किनारे है। उत्तराखण्ड में गंगा पर हरिद्वार से बाला–वाली तक तटबन्ध बना है, लेकिन बिजनौर में गंगा पर कोई तटबन्ध नहीं है। जिस कारण गंगा हर वर्ष बरसात के मौसम में किनारे पर बसे सैकड़ों गांवों को तहस–नहस कर दिया करती है।

माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने जनता की पीड़ा को समझा और गंगा पर बाला–वाली से कोहरपुर तक (कुन्दनपुर टीप परियोजना) 13 स्टड (ठोकरे) जोकि 11 करोड़ 26 लाख की लागत से बनने वाली है, स्वीकृत कर दी। हजारों घर और हजारों एकड़ फसल बरबाद होने से बचेगी और किसानों, गरीबों की जनहानि धनहानि होने से रोकथाम होगी। हम मंत्री जी की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हैं।

और अध्यक्ष जी एक मांग आपके माध्यम से करना चाहते हैं कि कोहरपुर से रावली तक अभी 28 स्टड (ठोकरों) की अभी और आवश्यकता है, जिसकी परियोजना अभी प्रस्तावित है। सिंचाई खण्ड धामपुर (बिजनौर) में लम्बित है। माननीय मंत्री जी से सादर अनुरोध है कि इसे भी जनहित में स्वीकृत करने का कष्ट करें ताकि प्रभावित ग्रामों और फसलों को भविष्य में नष्ट होने से बचाया जा सके।

आदरणीय अध्यक्ष जी, लोक निर्माण के महत्वपूर्ण, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश के विकास के इस बजट को मैं समर्थन करती हूं, बोलने का मुझे अवसर दिया मैं आपका धन्यवाद करती हूं।

श्रीमती सीमा–

मा0 अध्यक्ष जी, कृपया मा0 लोक निर्माण मंत्री के बजट पर निम्न को जोड़ दिया जाय। निम्न रोडें बहुत खराब हैं। विधान सभा मुंगरा बादशाहपुर जनपद जौनपुर–

1. भिखारीपुर से सरायवीका मार्ग,
2. मुंगरा बादशाहपुर से नीमापुर होते हुए जंघई,
3. संजई पंवारा मार्ग,
4. उचौरा से जंघई मार्ग,
5. सांडी से भरौली दुबान,
6. कुन्दहा से मछलीशहर मार्ग तथा

पूर्वांचल विकास निधि को बढ़ा दिया जाय।

श्री महावीर सिंह राणा–

मा0 अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मा0 मंत्री लोक निर्माण विभाग से अनुरोध करना चाहता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र बहेट की निम्न सड़कें पुनः निर्माण कराने की कृपा करें–

1. एफ0एम0 रोड फतेहपुर थलपिया मार्ग से जीबाला,

2. छुटमलपुर से हलवाना होते हुए थमनौली मार्ग,

3. जनता रोड का पुनः निर्माण,

4. नागादेव नदी के पुल की अप्रोच रोड का पुनः निर्माण खरौली से जहानपुर मार्ग,

5. नाटु 2013–14 का बहेट (सहारनपुर) का आपदा का सहारनपुर से जिला अधिकारी द्वारा 24 करोड़ के गाटों का पुनः निर्माण।

श्री मनबोध प्रसाद–

महोदय, मा0 अध्यक्ष जी, लोक निर्माण विभाग का जो बजट पर चर्चा हो रही है जो एक सराहनीय बजट है जिसका आंकलन प्रदेश नहीं बल्कि देश स्तर पर एक जनकल्याणी बजट है।

आपको अवगत कराना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में नवलपुर घाट छोटी गंडक पर नियम–301 के अन्तर्गत पक्का पुल स्वीकृत है, जिसका आगणन भी शासन को आ गया है, जिस पर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि पक्का पुल बन जाने से यू0पी0 से बिहार का आवागमन हो जायेगा तथा व्यापार भी बढ़ जायेगा।

अतः मा0 अध्यक्ष जी छोटी गंडक नवलपुर घाट पर पक्का पुल बनाने की कृपा करेंगे।

श्री प्रदीप चौधरी–

मान्यवर, हम जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र गंगोह से चुनकर आते हैं। सहारनपुर जनपद तीन राज्यों की सीमा से जुड़ा है। उत्तराखण्ड, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश और सहारनपुर की मुख्य सड़क जो सहारनपुर से दिल्ली यमनौटी मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। जिस कम्पनी को टेण्डर हुआ वह कार्य नहीं कर रही है। मा0 मुख्य मंत्री द्वारा उस सड़क का जल्दी हल निकालने की बात कही हम मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहते हैं क्योंकि बहुत महत्वपूर्ण सड़क है तीन स्टेट के लोगों का इस सड़क से आवागमन लगा रहता है और जानकारी मिली है कि जल्दी ही सड़क की मरम्मत करायी जा रही है। इनके अलावा गंगोह से नानौता देवबन्द जाने वाली सड़क व अम्बहैटा से फन्दपुरी व गगोंह से शेरमऊ होते हुए नकुड तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत अतिशीघ्र करायी जाये और ग्राम सनौली से कुण्डा कला तक यमुना नदी के बन्धे पर बनी सड़क पूरी तरह टूटी पड़ी जिससे आवागमन बहुत प्रभावित रहता है। विधान सभा क्षेत्र गंगोह के अन्तर्गत आने वाले गांव दौलतपुर में दो राज्यों उ0प्र0 और हरियाणा के बीच पुल बन रहा है, उस पर कार्य धीमी गति से चल रहा है। उसके कार्य में तेजी लायी जाय और मान्यवर, उससे जुड़ने वाली सड़कें भी प्रस्तावित हैं जिन पर अभी तक कार्य शुरू नहीं हो पाया उससे जोड़ने वाली सड़कों को जल्दी बनवायी जाय। इसके अलावा गगोंह से बिडौली जाने वाला मार्ग जो हरियाणा के करनाल जिले को जोड़ता है जिसकी हालत बहुत खराब है जिसकी स्वीकृति भी हो चुकी है लेकिन उस पर अभी तक कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है, उस पर शीघ्र कार्य चालू कराया जाये।

इसके अलावा मान्यवर, हमारे विधान सभा का गांव जिसको गुडरू व कचराई और इधर नानौता आने–जाने में लम्बी दूरी तय करनी पड़ती। स्कूलों में बच्चों को लम्बी दूरी तय करनी पड़ती है क्योंकि इनके बीच में नदी पड़ती है उस पर एक पुल का निर्माण कराया जाये। इसके अलावा मान्यवर, अलग–अलग विभागों से निर्माण कराया जाता है लेकिन कौन सी सड़क किस विभाग से बनी है जैसे गन्ना विभाग व मण्डी से बनायी जाती है और पी0डब्ल्यू0डी0 से उनकी सड़क की मरम्मत के लिए ले लिया जाता है ये सही है लेकिन कभी–कभी दोनों विभागों में सड़क को प्रस्तावित कर दिया जाता है और दो जगहों से स्वीकृति हो जाती है। मान्यवर, इसके लिए जो सड़क जिस विभाग की है वही विभाग उस सड़क पर अपना बोर्ड लगा दिया जाये।

आपने अपनी बात कहने का अवसर दिया इसके लिए आपका आभारी हूं।

धन्यवाद।

श्री अनिल कुमार–

मान्यवर अध्यक्ष जी, आपने मुझे लोक निर्माण के बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं, और आपके माध्यम से अपनी विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी, जनपद मुजफ्फरनगर की समस्याओं की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र की सड़क जो गांड तेजहेडा चौराहा से होते हुए वाया खाईखेडी गांड तुगलकपुर कम्हेडा जाती है, बहुत ही खराब है, उसको बनवाने का काम करें।

मा0 अध्यक्ष जी, दूसरी सड़क रुड़की मुजफ्फरनगर मार्ग से शाहुबुरीनपुर होते हुए गांड मिमलाना तक को भी इसमें ले लिया जाये।

मा0 अध्यक्ष जी एक पुल है जो गांड दीदाहेडी, ब्लाक चरथावल व गांड शेरपुर के बीच बनना है, जो सीधा मुजफ्फरनगर को जोड़ता है। उसे भी इस बजट में शामिल करने का काम करें।

मा0 अध्यक्ष जी एक सड़क पचैण्डा कला से मेंहछाखेडी, पचैण्डा खुर्द होते हुए दतियाना छपार तक मिलती है बहुत ही दयनीय स्थिति है उसे भी इस बजट में लेने का कष्ट करें।

इसके साथ ही आपका आभार प्रकट करते हुए कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

धन्यवाद।

श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत–

मा0 अध्यक्ष जी, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र बबीना जनपद झांसी में सड़कें एवं पुल एवं रेलवे ब्रिज बनवाने का कष्ट करें जो निम्न प्रकार हैं–

1–करगुवां से रामनगर सम्पर्क मार्ग 2–हाजीपुरा से मडोरा तक 3–नरी से निवी तक 4–निवी से नन्दसिया तक 5–बुढा से उन्नाव तक 6–फोर लेन से नया खेडा तक 7–बबीना से खाडी बुडपुरा हीरापुरा तक 8–सितौरा से बधैरा तक 9–डेली से पलीदा तक 10–परवई से पलीदा तक 11–गनेशपुरा से ठकुरपुरा तक 12–रसोई से भोरे मजरा तक 13–फोरलेन से कारीटोरन मटयाई रसीना तक 14–खैरा जूनियर स्कूल से ऊसरबाय तक 15–मठ से बाजना तक 16–धर्मपुरा से गगौनी तक 17–गुवावली से चौचनमऊ परात होते फोरलेन तक 18–पिठरी से मडगुवां होते हुए रमगुवां तक 19–मवई गिर्द से पाली तक 20–पंचमपुर से पधौरा होते हुए फोरलेन तक 21–बबीना जल निगम रोड से लठरपुर तक 22–रसीना से रतनपुर तक 23–राजापुर से वाछौनी तक 24–गुटा से ढिमरपुर तक 25–फोरलेन से पाडरी तक 26–फोरलेन से मुस्तरा तक 27–कोट बेहटा से आरी तक 28–बरुआपुरा से मुरारी तक 29–पोहरा से मेन रोड तक 30–बल्लमपुर से मथरापुराह खजराहा खुर्द होते हुए सारवां तक 31–रामनगर से दवरा देवल देदर तक 32–पिलचवारा खुर्द रोड से रामपुर तक 33–गौपाल से मोटा तक 34–सुल्तानपुरा से सिकरी धमना तक 35–चिरगांव से हवानी तक 36–चिरगांव से औपारा तक 37–पारीक्षा से पालर 38–वावल टाडा से पालर तक 39–पारीक्षा से वडोरा होये पचार रोड तक 40–फोरलेन से मुराटा तक।

पुल : 1–मुडेई से पिठरी पुल निर्माण 2–वरगढ से औहरा पुल निर्माण 3–पुराना पराटा से पच्चरगढ़ पुल निर्माण 4–पिठरी रोड से मुस्तरा पहुंच नदी पुल निर्माण 5–सुकुवां ढुफुवां बांध से पुल निर्माण 6–रेलवे ओवर ब्रिज चिरगांव से भाण्डेर रोड तक 7–खजराहा बुजुर्ग से चन्द्रनगर ओवर ब्रिज पुल।

श्री शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी–

मा0 अध्यक्ष जी, आपने लोकप्रिय बजट पर बोलने का अवसर दिया है धन्यवाद।

लो0नि0वि0 ने 2015–16 में पुलों, सड़कों के निर्माण एवं रख–रखाव हेतु पूर्वांचल एवं बुन्देलखण्ड की बड़ी योजनाओं हेतु 12181 करोड़ की व्यवस्था है।

जिला और अन्य सड़कों हेतु अनुरक्षण हेतु 8005 करोड़ रु0 ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख मार्गों को जोड़ने एवं चौड़ीकरण हेतु 370 करोड़ रु0 जिला मुख्यालयों को जोड़ने हेतु 1000 करोड़ रु0 प्रदेश के राज्यमार्गों एवं जिला मार्गों को एवं चौड़ीकरण हेतु 2358 करोड़ रु0 इसी में मड़ियाहूं–जलालपुर मार्ग जिस पर आबादी एवं ट्रैफिक घनत्व ज्यादा है, चौड़ीकरण कराया जाय।

इस बजट से परिलक्षित है कि लो0नि0 भेजी गयी की अन्तरभावना विशुद्ध मानवीय उपकरणों तथा दैवी सत्ता व्यवस्था से अनुराजित अनु अभिमार्धित हो जाति, धर्म वर्ग सम्प्रदाय आबद्धसिमीत न होकर वसुधैव कुटुम्बकम के अनुरूप स्वरूप है। मैं इस बजट को पुरजोर समर्थन देता हूं।

श्री शिवचरण प्रजापति–

मान्यवर, जनपद हमीरपुर मुख्यालय यमुना व बेलवा नदियां दावा में बसा है और दोनों नदियों में पुल भी बने हैं। लेकिन यमुना नदी का पुल लगातार चार वर्ष से टूट रहा है। इससे दो–दो महीने के लिए आवागमन ठप हो जाता है। बेतवा नदी में मौरंग की खनन खदानें हैं। जिससे मौरंग खनन करके शहर के अन्दर से होकर जाते हैं इससे बार–बार जाम की समस्या खड़ी हो जाती है तथा दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, कई मौतें हो चुकी हैं। हमीरपुर बेतवा व यमुना में पुल बनाया जाना अति आवश्यक है जिससे भारी वाहनों का आना–जाना बाहर से हो जाय।

श्रीमती विमला सिंह सोलंकी–

प्रदेश की तरक्की व विकास सड़कों में छिपा हुआ है। मा0 मुख्य मंत्री जी की कल्पना है कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग आयें तो यह जरूरी है कि प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जाय जिससे आवागमन सुगम हो सके। मा0 अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र में निम्नलिखित निर्माण कार्य कराने का कष्ट करें :–

क–सिकन्द्राबाद ककोड़ मार्ग से हिरनोटी सम्पर्क मार्ग का अवशेष भाग (शून्य से लेपन तक),

ख–सिकन्द्राबाद ककोड़ मार्ग से अलियाबाद सम्पर्क मार्ग का अवशेष भाग (शून्य से लेपन तक) लम्बाई 500 मी0,

ग–गांव जाहिदपुर से रसूलपुर रिठोरी सम्पर्क मार्ग (खड़न्जा स्तर से लेप स्तर तक) लम्बाई लगभग 2.00 कि0मी0,

घ–सिकन्द्राबाद ककोड़ मार्ग से अजय नगर होजैतपुर सम्पर्क मार्ग शून्य से लेपन तक लम्बाई लगभग 2 किमी0,

ङ –गुलावटी नगर से रामकोला बागवाला सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 7 किमी0 पूर्णतः क्षतिग्रस्त,

च–जराल सम्पर्क मार्ग से नकला काला होकर सहपानी सम्पर्क मार्ग ल0 लगभग 1.5 किमी0,

छ–विकास खण्ड सिकन्द्राबाद तथा गुलावठ के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग पूर्ण निर्माण,

ज–गुलावठी से जनपद नगर रामकोला होकर बागवाला सम्पर्क मार्ग,

झ–सिकन्द्राबाद से ककोड़ मार्ग से हसनपुर बथसुवा सम्पर्क मार्ग,

ञ–सिकन्द्राबाद ककोड़ से भोखेड़ा होकर सम्पर्क मार्ग,

ट–सिकन्द्राबाद खुर्जा मार्ग से नगला घडीदा सम्पर्क मार्ग,

ठ–चागाली मोड़ हुसेनपुर सम्पर्क मार्ग से बेलाना सम्पर्क मार्ग।

श्री राकेश बाबू–

आपके द्वारा लोक निर्माण विभाग के बजट पर बोलने का मौका दिया है जिसके लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूं। महोदय मेरी विधान सभा क्षेत्र टूण्डला (जनपद–फिरोजाबाद) में कोठला रोड का मार्ग का निर्माण कराया गया है जिसमें गोंछ व चनौरा ग्राम पड़ते हैं। उस पर निर्माण के लिये सी0सी0 रोड व नाली का एस्टीमेट प्रस्ताव शासन में है। कृपया स्वीकृत करने का कष्ट करें।

1–फिरोजाबाद जनपद में मेरी विधान सभा क्षेत्र टूण्डला में जमुना नदी पर गाड़े का पुल है, उसकी पहुंच मार्ग जर्जर है। जिससे वाहनों का आवागमन बन्द है। कृपया मेरा आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त पुल के पहुंच मार्ग का मरम्मत का कार्य स्वीकृत कराने का कष्ट करें।

2–महोदय मेरी विधान सभा क्षेत्र टूण्डला में वर्तरा से पचोखरा मार्ग 2 वर्ष से विभाग ने उखाड़ दिया है जिसका निर्माण अधूरा पड़ा है। कृपया आपसे अनुरोध है कि वर्तरा से पचोखरा मार्ग का निर्माण जल्दी कराने का कष्ट करें।

श्री छोटे लाल वर्मा–

मा0 अध्यक्ष जी, निवेदन है कि लोक निर्माण बजट के समय बोलने का समय नहीं दिया। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि बजट भाषण में मैं निम्न प्रस्तावों पर कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं कि विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद जिला आगरा में आगरा फतेहाबाद मार्ग स्टेट मार्ग है। फतेहाबाद से कचौरा घाट तक 12 मीटर चौड़ा बन रहा है जबकि आगरा से फतेहाबाद 7 मीटर चौड़ी मैं आपके माध्यम से आगरा फतेहाबाद मार्ग को 4 लाइन बनाया जाय। मा0 मैं आपके माध्यम से शमसाबाद फतेहाबाद मार्ग से धिमित्री से बाजीदपुर धाढ़ घाट भीकनपुर एलई बनकर एन0एच0–2 को डबल लेन व टेढ़ा–मेढ़ा मोड़ों को सीधा करा कर दक्षिण भारत का आने वाला ट्रैफिक विश्व का प्रसिद्ध ताजमहल को प्रदूषण से बचाने हेतु उक्त मार्ग से गुजर रहा है। जिससे शमसाबाद फतेहाबाद मार्ग पूर्ण क्षतिग्रस्त है और धिमिरी से घाढघाट भीकनपुर एन0एच 2 को चौड़ा सौन्दर्यीकरण कराया जाय क्योंकि आगरा से घाढघाट तक यमुना नदी पर कोई पुल नहीं है जिससे आगरा में जाम रहता है। विश्व का पर्यटक ताजमहल देखने आने में भी जाम में फंसा रहता है। आगरा शहर को जाम से मुक्ति दिलाने हेतु उक्त मार्ग का सौन्दर्यीकरण अति शीघ्र कराने की मांग करता हूं। ग्रामीण मार्गों की स्थित जर्जर है। एक से दो–दो फुट गड्ढे हो रहे हैं। आगरा फतेहाबाद वाह मार्ग से सांकुरी कलां वरना पीराडांडा व तिवरीया बैकुन्टी से पझारा काविद निलोहरा मार्ग आगरा फतेहाबाद मार्ग से पुटनई नरि कांकर गढ़ी बज्जे वापा जमुनी फतेहाबाद मार्ग से कोटरा आगरा फतेहाबाद मार्ग से कल्याणपुर तांदपुरा शपराबाद मार्ग शमसाबाद फतेहाबाद मार्ग से हीरापुरा नगरिया चपरौली पझारा मार्ग चपरौली से बिलईपुरा वड़ौवड़ा कला नगला शादी जारौली शमसाबाद मार्ग तक आगरा देवरी इरादतनगर मार्ग धिमित्री से नगला शादी अमादपुर अजनेरा कांकरपुरा शमसाबाद मार्ग तक फतेहाबाद रिहावली मार्ग से खेड़ा जवाहर गट्टपुरा रुंधवाई मार्ग फतेहाबाद रिहावली मार्ग से जरोरा मार्ग फतेहाबाद वाह मार्ग से रसूलपुर रिहावली मार्ग तक मार्ग पधौरा नागर का शेष भाग फतेहाबाद मार्ग से चटाकी पीपरी मन्दिर तक मार्ग फतेहाबाद वरना मार्ग से सांकुरी कला द्वारकापुरा मार्ग फतेहाबाद मार्ग से पैवलीकलां नगला बैहड़ नेतपुरा मार्ग पझारा मार्ग से रामू का पुरा मार्ग तक आदि मार्गों की मरम्मत कराने का प्रस्ताव करता हूं। कृपया मा0 अध्यक्ष महोदय जी बजट भाषण में जोड़ दिया जाय।

श्री जयप्रकाश निषाद–

महोदय, आपको अवगत कराना है कि हमारे विधान सभा में निम्नलिखित सड़कें गड्ढे में तब्दील हो गयी हैं, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :–

भोपा बाजार चौराहे से वोहावार तक की सड़क अत्यन्त जर्जर है तथा मोतीराम अड्डा से गोवडौर चौराहे तक की सड़क गड्ढे में तबदील हो गयी है तथा रामपुर चौरा से बाल बुजुर्ग तक की अत्यन्त जर्जर सड़क को ठीक कराने का तथा हरैया ग्राम सभा झिरझीरवा पुल का निर्माण करा दिया जाय। विकास खण्ड ब्रह्मपुर की सभी सड़कें जर्जर हो गयी हैं तथा राजधानी से कोना जाने के लिये।

श्री इन्दल कुमार–

अध्यक्ष जी, आपने लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

और मैं यह फख्र से कह सकता हूं कि जब–जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है, निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में पुल, पुलिया, नदियों पर बड़े पुल तथा सड़कों का निर्माण हुआ इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देता और यह कह सकता हूं कि चाहे बसपा, भाजपा तथा कांग्रेस पार्टी की सरकारें रहीं लेकिन इन्होंने प्रदेश के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया तथा जनता को गुमराह करने का काम किया और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष तथा समाजवादी पार्टी की कथनी करनी में फर्क नहीं, जो घोषणा पत्र में वादे किये गये उनको पूरी तरह से जनता के बीच लागू करने का कार्य किया।

आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान अपनी विधान सभा (168) मलिहाबाद की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट करने की कृपा करें।

मेरी विधान सभा मलिहाबाद में लखनऊ मोहान रोड से नरौना पुल से नहर पटरी जलियामऊ कठिंगरा व मैकल होते हुए बार्डर तक चौड़ीकरण तथा उच्चीकरण जनहित में कराने तथा माल में पुटवा रोड मेज चौड़ीकरण तथा उच्चीकरण करा कर तथा जगह–जगह अन्धे मोड़ होने के कारण तमाम लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती अतः मोड़ों पर डिवाइडर बनवा कर व लखनऊ में हरदोई रोड को 4 लेन कराने के संबंध में आपको अवगत कराना है लखनऊ–हरदोई रोड पर आये दिन मलिहाबाद क्षेत्र तमाम रोड एक्सिडेंट होते रहते इसलिए इसको जनहित में बनाना अति आवश्यक तमाम लोगों अपनी जान गंवानी पड़ती है।

अन्त में मैं अध्यक्ष जी आपको धन्यवाद देता हूं तथा लोक निर्माण विभाग बजट का समर्थन करता हूं।

श्री आशुतोष टण्डन (गोपाल जी)–

माननीय अध्यक्ष जी,

मैं भाजपा के उपनेता श्री धर्मपाल सिंह द्वारा लोक निर्माण विभाग के बजट प्रस्तावों पर कटौती प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

मान्यवर, प्रदेश में सड़कों की दशा सब देख रहे हैं केवल बजट प्रस्तावों पर सत्ताधारी दल के मा0 सदस्यों की प्रशंसा से सड़कें नहीं बन जायेंगी। किन्तु मैं उन बातों पर न जाकर अपने निर्वाचन क्षेत्र की कुछ सड़क या पुल सम्बन्धी समस्याओं पर आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं। लखनऊ में मान्यवर, फैजाबाद रोड पर बादशाह नगर के आगे कुकरैल वाले के साथ–साथ खुर्रमनगर से गोमती बैराज की ओर निर्माणाधीन एलीवेटेड रोड एवं पुल का कार्य विगत 2–3 वर्षों से बन्द पड़ा है। उक्त कार्य में सरकार का काफी धन व्यय हो चुका है फिर उसे पूर्ण क्यों नहीं कराया जा रहा है। उक्त मार्ग एवं पुल बन जाने से एक बहुत बड़े इलाके में ट्रैफिक की समस्या में काफी निजात मिल जायेगा। दूसरा इसमें पूर्व भी मैं सदन में फरीदी नगर लखनऊ में कुकरैल पर संकरे पुल एवं सम्पर्क मार्ग को चौड़ा करने हेतु निवेदन कर चुका हूं। उक्त पुल एवं मार्ग के चौड़ीकरण एवं निर्माण से उस इलाके में भी ट्रैफिक समस्या में काफी सुधार हो जाएगा और एक बहुत बड़ी आबादी इससे लाभान्वित होगी। इसी तरह मान्यवर, गोमती नगर में लोहिया पथ पर लोहिया पार्क के सामने एवं रिजर्व बैंक बिल्डिंग तथा माल के मध्य दो अण्डर पास बनाने अत्यन्त आवश्यक हैं उक्त सड़क गोमती नगर का मुख्य मार्ग है और उस पर बहुत फास्ट ट्रैफिक है जिससे कि दोनों स्थानों पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं दोनों स्थानों पर अण्डरपास बन जाने से दो पहिया वाहन रिक्शा एवं पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में बहुत सुविधा होगी और दुर्घटनाओं में होने वाली हानियों से बचा जा सकेगा। मान्यवर, शहीद पथ लखनऊ में प्रचलित है कि लोगों को शहीद करने के लिये बना है। उसमें कतिपय स्थानों पर कट उचित नहीं बने हैं। मार्ग दर्शानें वाली पट्टिकाएं भी उचित नहीं लगी हैं मार्ग प्रकाश की भी आवश्यकता है।

मान्यवर, लखनऊ शहर में अनेक स्थानों पर पुल एवं अण्डरपास की आवश्यकता है। सर्वे करा कर उन सभी मार्गों पर जहां आवश्यकता हो पुल एवं अण्डरपास बनाये जाएं।

मान्यवर, राज्य के सभी राज्य मार्गों पर मार्ग सुविधाओं जैसे मार्ग में विश्राम स्थल, प्रसाधन गृह, प्राथमिक चिकित्सा, एम्बुलेन्स आदि की भी बहुत कमी है उसे भी अन्य प्रदेशों की भांति सर्वोत्तम व्यवस्था के साथ शीघ्र स्थापित किया जाए। मार्गों की अनुरक्षण की बहुत कमी है इस ओर सरकार ध्यान दे और त्वरित गति से प्रदेश में मार्गों की मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य किया जाये।

सभी विधान सभा क्षेत्र में प्रदेश के सभी विधायकों की अनुशंसा पर 10 कि0मी0 सड़कों के निर्माण कराने हेतु प्रस्तावित किया जाए।

मान्यवर, आपको धन्यवाद के साथ।

श्री ललितेश पति त्रिपाठी–

मैं लोक निर्माण विभाग के कटौती प्रस्ताव पर निम्नलिखित बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए कटौती प्रस्ताव पर बल देना चाहता हूं। कृपया कार्यवाही में सम्मिलित किये जाने हेतु आदेश प्रदान करने की कृपा करें :–

मान्यवर, आपने माननीय सदस्य श्री धर्मपाल सिंह द्वारा लोक निर्माण विभाग के बजट पर कटौती प्रस्ताव पर बल देने के लिये अवसर दिया उसके लिये मैं आपका आभारी हूं। आपके द्वारा माननीय मंत्री, लोक निर्माण को अवगत कराना है कि मेरा विधान सभा क्षेत्र मड़िहान जो कि अति पिछड़ा, नक्सल प्रभावित एवं विकास की मुख्य धारा से वंचित क्षेत्र है। मेरे विधान सभा क्षेत्र मड़िहान की सड़कें जीर्ण–शीर्ण हालत में है। इसमें पी0एम0जी0एस0वाई0 द्वारा निर्मित सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरी तरीके से बन्द है। इस क्षेत्र की निम्नलिखित सड़कों का मरम्मत करवाया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। यह सड़कें हैं 1–कलवारी से लालगंज मार्ग, 2–मड़िहान से धुरकर मार्ग, 3–कोटवां मोड़ से पटेहरा नहर तक। अन्य मुख्य मार्गों की स्थिति काफी दयनीय है जिसमें मुख्य रूप से बलेहरा से हर्दी होते हुए रामपुर ठाकुर दयाल, रामपुर ठाकुर दयाल से टाण्डाफाल होते हुए बरकछा लोंहदी सम्पर्क मार्ग तक, कंचनपुर से सिरसी बांध, पटेहरा से पड़रिया होते हुए बभनी तक, मड़िहान नहर से रजौहां होते हुए गढ़वां तक, महमलपुर से कुसम्हां, कलवारी से लालपुर, दरवान से हिनौता पड़रवा, राजगढ़ से दरवान, किसान इण्टर कालेज से तालर तक, जौगढ़ चौराहे से बरगवां तक, कूबा मोड़ से बरगवां, भेड़ी सम्पर्क मार्ग, बाराडीह से धौहां मार्ग, बमरिया से समुधवां (बेहरा), धौहां रेलवे क्रासिंग से इमिलियाचट्टी तक, मड़फा से बाराडीह तक, चौकिया सम्पर्क मार्ग, दरियापुर सम्पर्क मार्ग, रेहियां से इमिलियाचट्टी तक, अदलहाट से इमिलियाचट्टी तक, कुदारन से हुसेनपुर तक, कुदारन से पौनी तक, हाजीपुर सम्पर्क मार्ग, अदलहाट से बिसौरा तक, अहरौरा से जमुई तक, रामपुर से हुसैनपुर तक, रामपुर से करजी तक, बियरही से मनऊर तक, विक्सी से जफराबाद सम्पर्क मार्ग, भाईपुरा बैरियर से लठिया सहजनी तक की मरम्मत का जिक्र इस वर्ष के विभागीय बजट में न होने के कारण मैं इस कटौती प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं।

श्री सुल्तान बेग–

मा0 अध्यक्ष जी,

कटौती के प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए अपने क्षेत्र की कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य पर सरकार का मुख्यता मा0 मंत्री लोक निर्माण का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं :–

(1) सिधौली चौराहे से मीरगंज कस्बे के डाकटवाने तक कुल 600 मीटर सड़क का निर्माण अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि इस छोटे से मार्ग से लाभ 35 गांव का गन्ना क्ब्ड चीनी मिल को जाता है क्योंकि भ्पही ूल पर व्अमत ब्रिज बनने से रास्ता बन्द हो गया है। इसका स्टीमेट 17–6–14 को शासन को प्राप्त हो चुका है।

(2) ज्ञड एक से ज्ञड 9 तक भिटौरा बहेड़ी मार्ग सड़क पूरी तरह खत्म हो चुकी है इसके मार्ग ज्ञड 24 ज्ञड 41 तक सड़क, च्डळैल योजना में 2007 बनी है। च्डळैल से च्ॅव में कराकर स्पेशल मरम्मत के करा दें।

(3) शाही धौरा टाडा–अटामांडा मार्ग से केरा तक सड़क की।

(4) वाल्लेफ–शीशमढ़ मार्ग से खिदाई पर होता हुआ आनन्दापुर की गौटिया तक सड़क निर्माण।

(5) कनमन–इटउवा शरीफ नगर का पुनः निर्माण।

(6) ग्राम मंडवा से आनन्नय पुर तक सड़क निर्माण।

निम्न बाढ़ से क्षतिग्रस्त को दुरुस्त करने के राहत कोष से आधा पैसा दिया गया आधा नहीं दिया। कारणवश सड़क पर पड़ा सारा पत्थर बिखर चुका है।

(7) आमौर शाही मार्ग पर जालीन नगला के पास पुलिया का निर्माण।

(8) चमरउवापर ब्लाक फतेहगंज पश्चिमी में शंखा नाले पर पुलिया निर्माण।

(9) गोरा लोक नाथपुर–अधूरे पुल का निर्माण।

मा0 अध्यक्ष जी कृपया उपरोक्त सुझावों को कार्यवाही में शामिल कराने की कृपा करें।

श्री सन्तराम कुशवाहा–

विधान सभा अध्यक्ष महोदय,

विधान सभा, लखनऊ।

कृपया

(1) जनपद जालौन में जगम्मनपुर से उदोतपुरा होते हुए छौना मानपुर तक लगभग 10 कि0मी0 मरम्मत कार्य कराया जाय।

(2) जनपद जालौन में वगरा से नदी गांव तक प्रधानमंत्री सड़क योजना से रोड बनवाने का कष्ट करें।

(3) जिला जालौन में उरई हेडक्वार्टर तक से कोंच तहसील तक 25 कि0मी0 आर0सी0सी0 रोड बनवाने का कष्ट करें।

(4) जनपद जालौन में जालौन नगर से वगरा गोपालपुरा होते हुए मध्य प्रदेश सीमा तक स्टेट मार्ग इस वर्ष बन गया है केवल रूरा से बगरा तक लगभग 4 कि0मी0 शेष रह गया है जो गड्ढों में तब्दील हो गया है उस अधूरे कार्य को पूरा कराने का कष्ट करें।

(5) जनपद जालौन में कोंच नदी गांव मार्ग से सहपुरा से लोई पजोनिया होते हुए भगवन्तपुरा होते हुए रेढर तक मरम्मत कार्य कराने का।

(6) माननीय अध्यक्ष जी जिला योजना 2014–15 में कुल 35 रोड स्वीकृत की गयी थी लेकिन योजना भवन से धन न पहुंचे के कारण रोड नहीं बन पाये हैं। कृपया जिला योजना के जिले के सभी स्वीकृत रोड बनवाये जायें।

(7) जनपद जालौन में कोच कस्बा में से वौलिया–सलैया मध्य प्रदेश सीमा तक स्टेट हाई रोड बनवाने का कष्ट करें।

(8) मेरे निजिनिवास ग्राम सूरजपुरा जाने वाली रोड जालौन बावई रोड से बिरहरा तक लगभग 4 कि0मी0 मरम्मत कार्य कराने का कष्ट करें।

मान्यवर, उपरोक्त रोड को मरम्मत करवाने का कष्ट करें।

श्री योगेन्द्र उपाध्याय–

मान्यवर, आपके द्वारा सदन में मौखिक निर्देश दिया है कि जो विधान सभा सदस्य, विधान सभा में लोक निर्माण विभाग के बजट की चर्चा में भाग नहीं ले पाये हैं वह अपना वक्तव्य लिखित दे दें उसे कार्यवाही में लिख लिया जायेगा। आपके आदेशानुसार मैं निम्नलिखित वक्तव्य लिख रहा हूं :–

''आगरा उ0 प्र0 का ऐतिहासिक, धार्मिक और विश्वविख्यात शहर है। यहां की सड़कों की दुर्दशा और अवस्थापना सुविधाओं के अभाव में न सिर्फ आगरा वासी नारकीय जीवन भोग रहे हैं, बल्कि देश–विदेश के पर्यटकों में प्रदेश और देश की छवि धूमिल हो रही है। इस बजट में आगरा के लिये किसी भी एलिवेटेड रोड, किसी भी रेलवे उपरिगामी सेतु और न ही किसी अन्डरपास का प्रस्ताव नहीं किया गया।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये और पर्यटकों की सुविधा हेतु आगरा की एम0जी0 रोड और कलक्ट्री से पृथ्वीनाथ जाने वाले मार्ग पर एलिवेटेड रोड बनवायें। ईदगाह स्टेशन के निकट से आगरा तहसील तक रेलवे उपरगामी सेतु निर्माण, आगरा की एम0जी0 रोड–प का विकास तथा शहरी विधान सभा क्षेत्र में प्रतिवर्ष दस कि0मी0 सड़कों का निर्माण क्षेत्रीय विधायक की संस्तुति पर कराया जाने हेतु बजट में संशोधन करना चाहिये।''

श्री इन्द्रपाल सिंह–

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपने मुझे लोक निर्माण विभाग पर कटौती के प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया जिसके लिये मैं आपका आभारी हूं।

मान्यवर,

विभाग का भारी भरकम बजट माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया परन्तु इससे सम्पूर्ण उ0 प्र0 का हित सम्भव नहीं।

मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरा में छण्भ्ण 2 रोड से एक सड़क यमुना के बीहड़ी इलाके में राजपुर से बेहमई गांव तक यमुना के पुल तक गई है जो पूर्णरूपेण उखड़ चुकी है। विगत तीन वर्षों से इस पर कोई काम नहीं किया गया।

इसी तरह सिकन्दरा टाउन से छण्भ्ण 2 से खटकर तक सड़क पूर्णरूपेण उखड़ चुकी है। मौके पर सड़क में गड्ढे ही गड्ढे ही हैं इस पर पैदल चलना भी कठिन हो रहा है। इसी तरह सिकन्दरा से झींझक तक का मार्ग तीन वर्ष पूरे होने पर भी पूर्णरूपेण दुरुस्त नहीं हो सका। मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र की एक बहुत पुरानी सड़क डेरापुर से छोटी बलाई तक पूर्णरूपेण उखड़ चुकी है।

मान्यवर, यदि मैं ये कहूं कि विगत तीन वर्ष से हमारी विधान सभा क्षेत्र में कोई कार्य नहीं हुआ तो गलत नहीं होगा।

मान्यवर, प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत पूरे क्षेत्र में कई वर्षों से कोई सड़क नहीं बनाई जा रही है।

मान्यवर, जिला योजना के अन्तर्गत स्वीकृत प्रस्तावों पर तीन वर्ष से हमारी विधान सभा में कतई धन आवंटन नहीं किया गया।

अतः कृपया उपरोक्त सड़कों को शीघ्र बनवाया जाये व जिला योजना में प्रस्तावित व पास हमारी सड़कों को धन आवंटन कराने का कष्ट करें।

डा0 मो0 अय्यूब–

माननीय अध्यक्ष जी,

विषय :–खलीलाबाद विधान सभा में सड़क निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ–गोरखपुर के टेमा रहमत चौराहे से राज्य मार्ग मेंहदावल–बस्ती के सेमरियावां तक 10 कि0मी0 पर प्रतिदिन पचास हजार से अधिक जनता का आवागमन है और यह मार्ग विधान सभा का मुख्य मार्ग है और जनपद मुख्यालय से सेमरियावां ब्लाक को जोड़ती है जो लो0नि0वि0 द्वारा बनी है यह मार्ग गड्ढे में तब्दील हो गयी है। जनपद से इस सड़क को बनवाने के लिये सरकार के पास प्रस्ताव भी आ गया है।

दूसरी सड़क उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग से अगया दरगाह तक 5 कि0मी0 है। उक्त दरगाह राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है और पूरे देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी जायरीन यहां पर आते हैं। यह सड़क भी गड्ढे में तब्दील हो गयी है। जिससे देश के अन्य प्रदेशों में प्रदेश की छवि धूमिल हो रही है।

मान्यवर, तीसरी सड़क मगहर नगर पंचायत के ग्राम इस्लामपुर जो नगर पंचायत का भाग है मगहर और इस्लामपुर के बीच गोरखपुर–लखनऊ रेल लाइन है जनता इस रेल लाइन के नीचे से किसी प्रकार आवागमन करती है। बरसात के दिनों में जलभराव के कारण जनता का आवागमन पूरी तरह बाधित होता है।

मान्यवर, विभिन्न एजेन्सियों द्वारा जैसे मण्डी समिति, समाज कल्याण द्वारा हमारे क्षेत्र में सड़कें बनी हैं जो 15–20 साल पुरानी हो गयी हैं और पूरी तरह क्षतिग्रस्त है।

अतः मान्यवर, आपके द्वारा माननीय पी0डब्लू0डी0 मंत्री महोदय से आग्रह है कि उक्त सड़कों को बनवाने की कृपा करें।

डा0 आर0 के0 वर्मा–

माननीय अध्यक्ष जी,

आपकी अनुमति से आज माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा पेश किये गये बजट के अवसर पर भाजपा सदस्य मा0 धर्मपाल सिंह द्वारा रखे गये कटौती प्रस्ताव पर बल देने के लिये आपने अवसर दिया इसके लिये आपका आभारी हूं।

मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने कहा जिस तरह से शरीर के भीतर धमनियां शरीर का पोषण करती है उसी तरह सड़कें प्रदेश के विकास में योगदान करती हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार को यह बताना चाहता हूं कि जो भी सरकार के सदस्य और विभाग से सम्बन्धित अधिकारी ग्रामीण सम्पर्क मार्गों के ठीक होने की बात कह रहे हैं निश्चित रूप से वे अपने जमीर को ही नहीं पूरे प्रदेश की ग्रामीण जनता को आंखों पर पट्टी बांधकर जनभावना का अपमान कर रहे हैं। आज पूरे प्रदेश के ग्रामीण सम्पर्क मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो गये हैं। जिले को सम्बद्ध करने वाले मार्ग भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गये हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी का मानना है कि इफ यू डबल द स्पीड देन यू कैन ट्रिपल द इकोनामी मान्यवर, मैं बताना चाहूंगा कि ग्रामीण सड़कों का ये हाल है कि ग्रामीण सड़कों की स्पीड एक चौथाई हो गई है, सड़कें पूरी तरह से गड्ढे में तब्दील हो गई हैं इससे ग्रामीण जनता का आर्थिक, मानसिक, शारीरिक और समय का नुकसान हो रहा है। गड्ढेदार सड़कों की वजह से दुर्घटनायें बढ़ती जा रही हैं।

मान्यवर, मेरी विधान सभा अन्तर्गत इलाहबाद–फैजाबाद हाइ–वे पर बकुलाही नदी स्थित गजेहणा पुल टूटने से विकास खण्ड मान्धाता की सभी सड़कें ध्वस्त हो गई हैं। विश्वनाथगंज से मान्धाता मार्ग, मान्धाता से रामफल इनारी मार्ग, मान्धाता से कटरामुला बरिहे मार्ग, कटरामेदनीगंज से मान्धाता मार्ग, जगदीशपुर से होला का पूरा मार्ग कटरागुलाब सिंह से पूरे सुखदेव मार्ग मान्धाता विकास खण्ड मुख्यालय से दौलतगंज बाजार मार्ग, लक्ष्मीगंज से पर्वतपुर (समाज) मार्ग, मान्धाता जेठवारा मार्ग से धनीपुर मार्ग विकास खण्ड लक्ष्मणपुर अन्तर्गत सगरा से गंगापुत्री घाट होते हुए छतरपुर तक मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। बढ़नी बाबूगंज मार्ग से डोभीपुर, कासा कुतिलिया साड़देई मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त है कृपया इनका मरम्मतीकरण कराने का कार्य किया जाना जनहित में है।

मेरा सुझाव है कि नहर की सभी पटरियों का डामरीकरण होना चाहिए जो कम लागत से नई सड़क का कार्य करेगी।

मान्यवर, सरकार विकास कार्यों की समीक्षा विभाग के अन्तर्गत किसी संस्था से कराने का कार्य करें और सभी माननीय सदस्यों के सुझाव का अनुसरण करें तो निश्चित रूप से विभागीय कमियां उजागर होगी। विभाग के अधिकारी सरकार की आंखों पर काली पट्टी बांधने का कार्य कर रहे हैं। विभाग के अधिकारियों के द्वारा ही सड़क की मरम्मत के नाम पर गलत तरीके से पैचिंग करवा करके जनता के धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। मानक के विपरीत पैचिंग कराई जा रही है। मान्यवर, मेरा सुझाव है कि सरकार में व्यवस्था करके जनपद पर लोक निर्माण विभाग अपने कार्यालय में सभी सड़कों की स्थिति के सम्बन्ध में एक डिस्प्ले बोर्ड बनाकर हमेशा संशोधित करते रहे। यह

डिस्प्ले बोर्ड विधान सभावार या विकास खण्डवार होना चाहिए और समय–समय पर डिस्प्ले बोर्ड पर अंकित सूचना के सापेक्ष सड़कों के वास्तविक स्थिति की जांच दूसरी एजेन्सी से होती रहना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष जी आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी,

आपने मुझे मा0 धर्मपाल सिंह के लो0नि0वि0 कटौती प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का मौका दिया, इसके लिये आपको धन्यवाद। समयाभाव में मैं अपने आपको स्थानीय समस्याओं तक रखता हूं।

इलाहाबाद प्राचीन काल से धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृति, एवं साहित्यिक केन्द्र रहा है। तीन ओर से राष्ट्रीय नदी गंगा और यमुना से घिरा है। पश्चिम की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग–2 अतिथि जो अब कौश कोखराज से परिवर्तित होकर इलाहाबाद के हंडिया में चली गयी कोखराज से हंडिया तक अब यह राजमार्ग है। यह भी दो लेन का है। उत्तर की ओर से लखनऊ से मलाक हरहर तक राष्ट्रीय राजमार्ग 24 बी तथा फैजाबाद से इलाहाबाद नगर में भारद्वाज आश्रम तक राष्ट्रीय राज मार्ग 96 है, यह भी दो लेन की है। इसी तरह पूरब और दक्षिण से आने का सड़कें भी दो लेन की है।

इलाहाबाद उ0 प्र0 प्रान्त की राजधानी रहा है। यहां से चार प्रधानमंत्री हुये हैं। आजादी की लड़ाई में 1857 से 1947 तक केन्द्र रहा। राष्ट्रीय नदी गंगा और यमुना पर निर्मित पुल चन्द्रशेखर आजाद सेतु तथा लाल बहादुर शास्त्री पुल कांग्रेस के कार्यकाल के हैं। यमुना पर नया ब्रिज 2005 में यू0पी0ए0 प्रथम के समय उद्घाटित हुआ।

प्रदेश की नीति जिला मुख्यालय को चार लेन से जोड़ने में प्रयाग–इलाहाबाद पूरी तरह उपेक्षित है। इलाहाबाद शिक्षा का केन्द्र होने के कारण विद्यालय से विश्वविद्यालय तक में लाखों छात्र यहां पर पढ़ते हैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। अधिकतर लोग साइकिलों का प्रयोग करते हैं। यहां पर साइकिल ट्रैक की भारी आवश्यकता है। इससे भी हम वंचित रखे गये पिछले वर्षों में बरसात के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों का भी पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। भारत सरकार कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू0पी0ए0 सरकार ने कुम्भ मेला–2013 में 1195 करोड़ रु0 (90::) यू0पी0 सरकार को दिया था भी उ0 प्र0 महालेखाकार की रिपोर्ट में भारी भ्रष्टाचार प्रदर्शित किया गया। इन सारे सुझावों पर उपेक्षाओं पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

श्री गजेन्द्र सिंह–

मा0 अध्यक्ष जी, आपने लो0नि0वि0 के कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया उसका धन्यवाद। नेता प्रतिपक्ष का भी धन्यवाद करता हूं।

मैं जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र अनूपशहर से चुनकर आता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सड़कों की हालत बहुत ही जर्जर जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पड़ी हुई है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के सबसे बड़े नगर डेढ़ लाख आबादी वाला नगर जहांगीराबाद जिसको मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले तीनों रास्ते बहीपुर दोराह से जहांगीराबाद व चांदौक दोराहे से जहांगीराबाद व गहना से मण्डी जहांगीराबाद नगर जहांगीराबाद प्रदेश की सबसे बड़ी धान व गुड़ की मण्डी में अपनी पहचान रखता है और नगर जहांगीरा में दि किसान सहकारी चीनी मिल पड़ती है। जिस पर प्रत्येक दिन हजारों किसान मण्डी में धान व अन्य अपनी उपज की फसल बिक्री के लिये आते हैं और वहां पर खरीदारी करने जनपद के ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों के व्यापारी आते हैं, ये तीनों सड़कें पूर्ण रूप से समाप्त हो चुकी हैं।

मा0 अध्यक्ष जी मैं यह भी बताना चाहता हूं कि बुलन्दशहर अनूपशहर रोड से डुगराजाट मार्ग व जटपुरा से चीनी मिल मार्ग व जहांगीराबाद से चीनी मिल मार्ग बी0ए0 रोड से तौली मार्ग, बी0ए0 रोड से खलौर मार्ग, बी0ए0 रोड जिनाई शयोरामपुर रोरा मार्ग व बी0ए0 रोड से गरहरा मार्ग बी0ए0 रोड से सुनाई होते हुए रोरा मार्ग व मलकपुर से रोरा मार्ग, विवयाना मार्ग से राजपुर मार्ग व आहार मार्ग हसनपुर मार्ग व आहार मार्ग से खदाना मार्ग व आहार रोड से बड़पुरा मार्ग नहर की पटरी से मोजपुर मार्ग व मोजपुर से अनूपशहर मार्ग व करनपुर से सलामतपुर मार्ग व बी0ए0 रोड से मुरसाना मार्ग व बी0ए0 रोड से रौडा से नवीनगर मार्ग व जहांगीराबाद से नवीनगर मार्ग व नवी नगर से खनपुरा मार्ग व बी0ए0 रोड से धनौरा मार्ग व बी0ए0 रोड से बालका मार्ग व बी0ए0 रोड से किसनपुर मार्ग व बी0ए0 मार्ग से जुगसाना मार्ग व बुलन्दशहर से शियाना मार्ग से सैदपुरा सम्पर्क मार्ग व औरंगाबाद से बालका रोड, औरंगाबाद से भीकनपुर मार्ग व औरंगाबाद से चीनी मिल होते हुए बीहरा मार्ग व औरंगाबाद चीनी मिल रोड से गंगहारी होते हुए नहर के पुल पर होते हुए पसौली मार्ग लखावटी से महेशपुर मार्ग, लखावटी से पिपाला खेड़ी मार्ग व श्याना बुलन्दशहर मार्ग से लोहरका मार्ग व औरंगाबाद रोड से खनौदा के दोनों मार्ग व औरंगाबाद रोड से वसुन्धरा मार्ग व श्याना बुलन्दशहर मार्ग से सरायं होते हुए बालका मार्ग व जहांगीराबाद से चचरेई होते हुए अहार मार्ग से चचरई से डुगराजाट मार्ग व डूगरा जाट से खलौर मार्ग से खलौर से हिसावटी मार्ग व बी0ए0 मार्ग से मौसम गढ़ मार्ग व बी0ए0 मार्ग से पूठरी मार्ग व बी0ए0 मार्ग उटरावली मार्ग, बी0ए0 मार्ग से पोण्डरी मार्ग व बी0ए0 मार्ग से अम्बरपुर मार्ग व सहकारी नगर अम्बरपुर मार्ग से सीकरी मार्ग व बी0ए0 मार्ग सहकारी नगर से छोटी सरायं मार्ग व बी0ए0 मार्ग से धनौरा शाहपुर मार्ग व सियाना बुलन्दशहर मार्ग से सैमली मार्ग व बुलन्दशहर सियाना मार्ग से जहरामार्ग व बुलन्दशहर सियाना मार्ग से नगला करन मार्ग आदि उपरोक्त सभी सड़कों

की हालत बहुत ही खराब है। उक्त सड़कों की पुनः निर्माण/मरम्मत कार्य कराने की मांग करता हूं।

मा0 अध्यक्ष जी आपके संज्ञान में लाना है कि बालका सरायं मार्ग से मकनपुर से चरौरा मुस्तफाबाद होते हुए सेयाना बुलन्दशहर मार्ग मकनपुर से छोटी सरायं मार्ग व जोट से केलंकी मार्ग व बालका बाईपास मार्ग व पोत से भीखनपुर मार्ग व चरौरा मुस्तफाबाद से सैदपुरा मार्ग सरायं छबीला मार्ग से स्माइला मार्ग आदि मार्गों का नया निर्माण कराने के लिये इस बजट में शामिल कर उक्त सड़कों का नया निर्माण कराने की मांग करता हूं।

मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि अनूपशहर छोटी काशी के नाम से जाना जाता है। जहां पर बीच शहर से होकर गंगा जी गुजरती है जहां पर प्रत्येक दिन लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान कर मन्दिरों के दर्शन करते हैं। वो जनपद ही नहीं प्रदेश व अन्य प्रदेशों से यहां आकर भ्रमण करते हैं, इसी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत आहार अवंतका देवी गंगा घाट के किनारे पड़ता है। जहां पर वर्तमान में पेन्टून पुल पड़ा हुआ है। मैं उसके स्थान पर पक्के पुल की भी मांग करता हूं। जिससे पुल के बनने से गंगा पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जायेगी व बुलन्दशहर से मुरादाबाद की दूरी कम हो जायेगी।

मा0 अध्यक्ष जी आपने मुझे लो0नि0वि0 के कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। उसका धन्यवाद। नेता प्रतिपक्ष का भी धन्यवाद करता हूं।

श्री सुशील सिंह–

कृपया लोक निर्माण विभाग के बजट प्रस्तुत कटौती के प्रस्ताव पर मैं निम्नलिखित सुझाव व शिकायतें प्रस्तुत कर रहा हूं जिनको आज की कार्यवाही में सम्मिलित कराने की कृपा करें :–

सुझाव

1–जो सड़कें लोक निर्माण विभाग द्वारा बनायी जाती है उन मार्गों की मेंटीनेंस समय–समय पर नहीं हो रही है जो सड़कें बहुत खराब हो जाती है उस सड़क पर जब लोक निर्माण विभाग नई सड़क बनाने की योजना बनाती है या उसका बजट पास करता है तो उस रोड की मेंटनेंस नहीं करती है जबकि उस रोड का भी मेंटीनेंस करना चाहिए क्योंकि उस सड़क को बनाने में काफी समय लगता है। जिसकी वजह से जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसलिये उस सड़क का मेंटीनेंस होना अनिवार्य करना चाहिए।

2–कुछ सड़कें जिसको आर0एस0 या मण्डी बनाते हैं बाद में उस सड़कों की मरम्मत नहीं करायी जाती। उन सड़कों को भी लोक निर्माण विभाग से ही मरम्मत का प्राविधान कर देना चाहिए।

3–जिन सड़कों का लोक निर्माण विभाग टेण्डर कराकर ठेकेदार से काम कराते हैं उनकी समय–सीमा तो बनी रहती है लेकिन यह सड़कें समय पर पूर्ण नहीं हो पाती हैं जिसकी वजह से किसान व जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

शिकायत

1–मेरे विधान सभा क्षेत्र की ज्यादातर सड़कें गड्ढायुक्त और जर्जर हो चुकी है, जिसका निर्माण कार्य जनहित में कराने की कृपा करें :–

(अ) चन्दौली से सकलडीहा चहनियां सैदपुर घाट रोड जो कि गाजीपुर एन0एच0–29 से जुड़ता है, जो बहुत ही ज्यादा क्षतिग्रस्त है।

(ब) अलीनगर–सकलडीहा मार्ग बहुत ही क्षतिग्रस्त है जोकि कभी पहले बिहार की याद दिलाता था आज देखने से नहीं लगता है कि वह कभी रोड रही होगी आये दिन दुर्घटना होती है। उस पर आवागमन कम हो गया है। लोग मुगलसराय से सकलडीहा जाने के लिये वाया चन्दौली होकर जाते हैं जोकि 25 कि0मी0 दूरी ज्यादा है।

(स) कैली–ताराजीवनपुर से चन्दौली मुख्यालय तक चौड़ीकरण व मरम्मत कार्य।

(द) सकलडीहा स्टेशन से अमावल तक।

2–बलुआ पुल के संदर्भ में काफी धीरे–धीरे कार्य चल रहा है। इसका कार्य वर्ष 2005–06 में प्रारम्भ हुआ था। जिसको वर्ष 2009 तक समाप्त होना था परन्तु समाप्त नहीं हुआ। उसको तीव्रता से बनवाया जाये जिससे गाजीपुर चन्दौली के लोगों को काफी राहत होगी।

3–चन्दौली व मटकुटा पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। जिसका केन्द्र सरकार, रेलवे विभाग ने स्वीकृत कर दिया है।

4–चन्दौली से सकलडीहा से सैदपुर घाट मार्ग जो गाजीपुर जाता है उसका फोर लेन किया जाये।

श्री सत्यवीर मुन्ना–

मा0 अध्यक्ष जी,

उ0 प्र0 विधान सभा,

महोदय, लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में मैं आपके माध्यम से मा0 लो0नि0वि0 मंत्री जी द्वारा लगभग 15,000 करोड़ के भारी भरकम बजट प्रस्तुतीकरण के लिये बधाई देना चाहता हूं। मान्यवर, औद्योगिक, आर्थिक तथा सामाजिक विकास हेतु सड़कों का नवनिर्माण एवं अनुरक्षण उ0प्र0 सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों से सफलतापूर्वक कराया जा रहा है और इस हेतु मा0 लो0नि0 मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। मान्यवर, एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों हेतु बाईपास का बजट में प्रस्ताव एक सराहनीय कदम है। मान्यवर, लो0नि0वि0 द्वारा ई–गवर्नेन्स एवं ई–टेन्डरिंग का नवीन प्रयास भी सराहनीय कार्य है। लखनऊ–इलाहाबाद मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण कराये जाने एवं सैकड़ों की संख्या में पुल एवं सेतुओं का निर्माण कराये जाने हेतु मा0 मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा। मान्यवर, विभागीय हाटमिक्स प्लान्ट हेतु 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाना भी सराहनीय कार्य है।

मान्यवर, हमारे सोरांव विधान सभा अन्तर्गत लघु पुल निर्माण हेतु ग्राम कुसूंगुर से डेरागदाई के बीच तथा ग्राम रेवासी का बन मजरा कहली में मनसइता बरसाती नदी पर निर्माण कराये जाने हेतु मा0 मंत्री जी से आग्रह करूंगा। मान्यवर, हमारे सोरांव विधान सभा की कुछ खराब सड़कों की मरम्मत कराये जाने की आवश्यकता है जिसमें एक मऊआइमा से कटभर पबरेजपुर होते हुए बडौरा सम्पर्क मार्ग, दूसरा घूरघाट से अलावलपुर प्र0वि0 सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण, तीसरा यू0एफ0ए0 मार्ग से लकड़मण्डी होते हुए गदियानी सम्पर्क मार्ग का मरम्मत, चौथा न्यू बहरिया चौराहे से रज्जूपुर–कटनई–बीबीपुर सम्पर्क मार्ग का मरम्मत, पांचवां मऊआइमा से नौगिरा होते हुए धीनपुर मार्ग का मरम्मत, छठा सोरांव से मलुहा–बलईमऊ–प्रशोत्तमपुर मलकिया होते हुए मलकिया सम्पर्क मार्ग का मरम्मत, सातवां सोरांव कस्बे में यू0एफ0ए0 मार्ग से महादेव सत्कार गेस्ट हाउस होते हुए करबला होलागढ़ मार्ग के मरम्मत का कार्य, आठवां हरखपुर से सिसवां–मदारी सम्पर्क मार्ग का पुनर्निर्माण, नौवां सिसई सिपाह से बहरिया मार्ग की मरम्मत, दसवां बर्जी से सिसई सिपाह मार्ग का मरम्मत एवं ग्यारहवां यू0एफ0ए0 मार्ग से पिलखुआ–सरांय बाजू होते हुए बागी सम्पर्क मार्ग का पुनर्निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। जिसकी ओर मा0 मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करते हुए लोक निर्माण विभाग के सम्पूर्ण बजट का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री चन्द्रभान सिंह पटेल–

मा0 अध्यक्ष जी,

लोक निर्माण विभाग के कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया उसका धन्यवाद। नेता प्रतिपक्ष का भी धन्यवाद करता हूं।

मा0 अध्यक्ष जी आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि जनपद चित्रकूट धार्मिक स्थल होने के कारण यहां पर देश व प्रदेश से भारी मात्रा में श्रद्धालु तथा पर्यटक आते हैं। इस बजट में प्रदेश के सभी जिलों के हेडक्वार्टर को फोर लेन से जोड़ने की बात रखी गयी है।

मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से बताना चाहूंगा कि जनपद चित्रकूट में जो सड़कें बनवायी जाती है निर्माणाधीन सड़कों की पटरी में ही टेलीफोन लाइन व विद्युत लाइन की केबिल पड़ जाने से अनेकों बार खोदई करने से सरकारी धन का भारी नुकसान होता है तथा जनपद चित्रकूट को फोरलेन से जोड़ने का कोई भी प्रस्ताव अभी तक इस बजट में नहीं रखा गया है।

मा0 अध्यक्ष जी लोक निर्माण विभाग के मंत्री जी चित्रकूट के प्रभारी भी हैं। आपके माध्यम से मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र मानिकपुर 237 के अन्तर्गत निम्न मार्गों के अभाव में बीहड़ एवं दस्यु प्रभावित क्षेत्र में बसे हुए लोगों के न केवल आवागमन की कठिनाई हो रही है। अपितु स्वास्थ्य शिक्षा एवं सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मामले प्रभावित हो रहे हैं। दूरस्थ होने के कारण जिले के अधिकारियों के दौरे भी इन गांवों में नहीं हो पाते हैं। इनमें से कुछ सम्पर्क मार्ग ऐसे हैं जो अधूरे पड़े सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण न होने से आवागमन हेतु अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

1–विकास खण्ड मऊ में प्रधानमंत्री सड़क मऊ नीवी से दानूबाबा के आगे लपांव सम्पर्क मार्ग को जोड़ने तक।

2–विकास खण्ड मानिकपुर में मारकुण्डी से ददरी माफी मडैयन होते हुए बहिलपुरवा तक सम्पर्क मार्ग।

3–विकास खण्ड व मानिकपुर में ददरी माफी से अनुसुइया आश्रम तक सीधा सम्पर्क मार्ग।

4–विकास खण्ड मानिकपुर से ग्राम जमुनिहाई से अमरावती आश्रम होते हुए सती अनुसुइया आश्रम सम्पर्क मार्ग।

5–विकास खण्ड मऊ में बरगढ़ मोड़ से परानू बाबा होते हुए ग्राम परदवां तक सम्पर्क मार्ग।

6–विकास खण्ड मानिकपुर में ग्राम–कल्याणपुर स्थित बरदहा नाला रपटा से धारकुण्डी गौशाला आश्रम होते हुए मध्य प्रदेश की सीमा तक सम्पर्क मार्ग।

7–विकास खण्ड मऊ में हनुमानगंज मजरा लौरी से कोटा कदैंला पक्का सम्पर्क मार्ग।

8–विकास खण्ड मानिकपुर में मानिकपुर बाजार तिराहा से ग्राम चुरहे केशरूआ अनुसूचित जाति बस्ती के आगे मध्य प्रदेश सीमा तक सम्पर्क मार्गों के निर्माण कराने तथा

मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से यह बताना चाहूंगा कि उक्त सभी सड़कें वन विभाग द्वारा आच्छादित है जिसमें वन विभाग से सहमति दिलाते हुए उक्त मार्गों को जनहित में यथाशीघ्र बनवाये जाने की कृपा करें, जिससे उक्त सड़कों के निर्माण न होने से क्षेत्रीय व स्थानीय लोगों को सैकड़ों कि0मी0 दूरी तय करके अपने ग्राम पहुंचते हैं लेकिन उक्त सड़कों के निर्माण हो जाने से क्षेत्रीय/स्थानीय निवासियों को मात्र 2 कि0मी0 से लेकर 5 कि0मी0 तक की ही दूरी तय करनी पड़ेगी तथा उक्त सड़कों के निर्माण होने से शासन प्रशासन के उच्चाधिकारियों को उक्त क्षेत्र पहुंचने में आसानी होगी और अधिकारियों के क्षेत्र में पहुंचने से सरकारी कार्यों में प्रगति आयेगी और दस्यू प्रभावी क्षेत्र की जनता को सरकारी सुविधाओं एवं अन्य कार्यों का लाभ मिलेगा।

मा0 अध्यक्ष जी आपने मुझे इस कटौती प्रस्ताव में बोलने का मौका दिया इसके लिये मैं आपका धन्यवाद देता हूं।

श्री राजेश त्रिपाठी–

मान्यवर, हम आपकी अनुमति से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान चिल्लूपार क्षेत्र की जर्जर सड़कों की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं कि तहसील गोला से गोरखपुर जिला मुख्यालय की सड़क को दो लेन बनाया जाय। साथ ही प्रधानमंत्री सड़क जो उरुवा से वुरावल जा रही है तथा गोला सेमरी कौवाडिक मार्ग का अधूरा निर्माण पूर्ण कराया जाय। रकहर–असवनपार बालभीटी पुल का अधूरा निर्माण पूर्ण कराया जाये। सभी टूटी सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाय।

पी0एस0यू0पी0–एल0 120 विधान सभा (215)–03–9–2015–813 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।